सूर्योदय 5:57 सूर्यास्त 6:46

आज का तापमान

शिमला	18.3 न्यू	24.5 अधि
धर्मशाला	21.8 न्यू	30.8 अधि

बाजार

सेंसेक्स	77,264
निफ्टी	24,175

सोना 1,60,000 चांदी 2,44,000

भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | सोमवार, 31 अगस्त 2026 | 15 भाद्रपद, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 126, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

भारत और उज्बेकिस्तान का 2030 तक व्यापार होगा 5 गुना

आतंकवाद के खिलाफ शून्य सहनशीलता दोनों देशों का साझा संकल्प

एजेंसी, नई दिल्ली। भारत व उज्बेकिस्तान अपने संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी का दर्जा देने पर सहमत हुए हैं। इसके अलावा दोनों देश साल 2030 तक अपने एक अरब डॉलर के व्यापार को 5 अरब डॉलर तक लेकर जाएंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की। वार्ता के बाद संयुक्त वक्तव्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि दोनों देशों का द्विपक्षीय व्यापार एक अरब डॉलर को पार कर चुका है और अब साल 2030 तक इसे पांच अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए बाजार पहुंच, संपर्क, बैंकिंग और भुगतान व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस वर्ष हमारी रणनीतिक साझेदारी के 15 साल हो रहे हैं।

इस विशेष अवसर पर हमने संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी का दर्जा देने का निर्णय लिया है। आज हमने हमारी साझेदारी के इस नए स्वरूप में तेज गति और ठोस परिणामों के साथ आगे बढ़ने का एंबिशियस एजेंडा तैयार किया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भविष्य में रक्षा उद्योगों के बीच सीधा संपर्क, संयुक्त उत्पादन और संयुक्त विकास को बढ़ावा दिया जाएगा। आतंकवाद, उग्रवाद और अलगाववाद के खिलाफ शून्य सहनशीलता दोनों देशों का साझा संकल्प रहेगा।

कृषि व आयुर्वेद सहयोग को मिलेगा बढ़ावा

प्रधानमंत्री ने कहा कि उज्बेकिस्तान के बागवानी अनुभव और भारत की आधुनिक कृषि पद्धतियों को जोड़कर खाद्य सुरक्षा में योगदान दिया जाएगा। औषधीय जड़ी-बूटियों और आयुर्वेद के क्षेत्र में सहयोग को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के संबंधों की गहरी जड़ें साझा विरासत में हैं। उज्बेकिस्तान की बौद्ध विरासत स्थलों के संरक्षण, छात्रों और पेशेवरों के आदान-प्रदान तथा पर्यटन को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया जाएगा। उज्बेकिस्तान में हिंदी के प्रचार के लिए छात्रवृत्ति भी दी जाएगी।

न्यूज शॉर्ट्स

पीएम को गाली देने वाली लड़की बोली- जिंदगी नर्क बनी

एजेंसी, नई दिल्ली। जेन-जी प्रदर्शन के दौरान दिल्ली के जंतर-मंतर से पीएम मोदी को गाली देने वाली 15 साल की नाबालिग का एक वीडियो आम आदमी पार्टी ने पोस्ट किया है। 39 सेकेंड्स के वीडियो में उसने कहा है- मेरी जिंदगी नर्क बन गई है। मुझे हर जगह टॉर्चर किया जा रहा है। मेरे पास जो था, वो सब चला गया मेरा। न मैं कहीं जा सकती हूं। न कहीं रह सकती हूं। ने मेरे पास कोई फ्रीडम है। मुझे हर जगह अपना मुंह छिपा-छिपाकर रहना पड़ रहा है। इसके बाद पीएम के लिए आपत्तिजनक शब्द कहे। 23 जुलाई को छात्रों के प्रदर्शन के दौरान वीडियो में नाबालिग पीएम मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल करते नजर आई थीं। उसके खिलाफ गाजियाबाद की रहने वाली स्मृति सिंह ने नोएडा के एक्सप्रेसवे पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी।

कुंड में डूब रहे भाई को बचाने कूदीं तीन बहनें, चारों की मौत

एजेंसी, धौलपुर। राजस्थान के धौलपुर जिले के सरमथुरा उपखंड क्षेत्र में रविवार तड़के दर्दनाक हादसा हो गया। आंगई थाना क्षेत्र के बिरजा इलाके में एक कुंड में डूब रहे भाई को बचाने के प्रयास में उसकी तीन बहनें भी गहरे पानी में चली गईं। हादसे में चारों भाई-बहनों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, धौलपुर शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र के नथुआपुरा मोरोली निवासी रवि उर्फ भोलू शनिवार रात अपने परिवार के अन्य सदस्यों के साथ आंगई थाना क्षेत्र के बिरजा गांव के पास स्थित हीरामन बाबा धाम पर आयोजित मेले में शामिल होने आया था। रविवार सुबह करीब छह बजे रवि परिवार के अन्य सदस्यों के साथ पास के कुंड में नहाने गया। इसी दौरान वह अचानक गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। भाई को डूबता देख उसकी दो सगी बहनें मनोरमा और बोटो, जबकि चचेरी बहन कल्लो उसे बचाने के लिए कुंड में उतर गईं। हालांकि, भाई को बचाने के प्रयास में तीनों बहनें भी गहरे पानी में चली गईं और डूब गईं।

आईएसआईएस आतंकी साजिश मामले में सैयद फासिउर रहमान को हुई सात साल की सजा

एजेंसी, नई दिल्ली। आईएसआईएस से जुड़ी आतंकी साजिश के मामले में एनआईए की विशेष अदालत ने सैयद फासिउर रहमान उर्फ सैयद फसीह उर रहमान को सात साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने दोषी पर 48 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी के मुताबिक, इस मामले में कथित साजिश का उद्देश्य लक्षित हत्याओं को अंजाम देकर सांप्रदायिक दंगे भड़काना व प्रतिबंधित आतंकी संगठन आईएसआईएस के एजेंडे को आगे बढ़ाना था। एनआईए की जांच के अनुसार, मामले के मुख्य आरोपी मेहबूब पाशा ने बेंगलुरू के गुरप्पनपाल्या स्थित अपने घर पर कई बैठकें आयोजित की थीं। एजेंसी का आरोप है कि इन्हीं बैठकों में लक्षित हत्याओं की योजना तैयार की गई थी। जांच एजेंसी के मुताबिक, साजिश का एक उद्देश्य सांप्रदायिक तनाव पैदा करना और आईएसआईएस के लिए एक 'विलायत' यानी प्रांत स्थापित करना था।

युवा नशा मुक्ति थीम पर कंटेंट बनाएं : प्रधानमंत्री

एजेंसी, नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने 'मन की बात' कार्यक्रम के 137वें एपिसोड में नशा-मुक्त भारत व युवाओं के लिए एक मजबूत भविष्य की बात कही। पीएम मोदी ने कहा कि आप इस वेबसाइट पर जाकर कोई भी एक साल चुन सकते हैं व आपको पता चल जाएगा कि उस समय भारत के किस हिस्से पर किसने शासन किया था। इसे मुंबई के कृष्णा शेखावी ने बनाया है। पीएम मोदी ने आगे कहा, "नशा मुक्त युवा - विकसित भारत" अभियान पूरे देश में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसका मकसद साफ है- नशा-मुक्त युवा, नशा-मुक्त भारत। बहुत से लोग, खासकर युवा, इसका बड़ा हिस्सा बन गए हैं। आखिरकार, यह भारत के युवाओं की सेहत, खुशी और उज्ज्वल भविष्य के लिए हमारा सामूहिक संकल्प है। नशा सिर्फ एक व्यक्ति को प्रभावित नहीं करता, इसके नतीजे पूरे परिवार और समाज को भुगतने पड़ते हैं। मैं उन लोगों की तारीफ करना चाहता हूं, जो नशे के बारे में जागरूकता फैलाते हैं।

नेपाल में हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स की सुरंगों में 898 कर्मचारी फंसे

एजेंसी, काठमांडू। नेपाल में बाढ़ के बाद हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स की सुरंगों में फंसे कर्मचारियों को बचाने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन तेज किया गया।

◆ 6 इंच छेद कर पाइप से हवा पहुंचाई बाढ़ से अब तक 804 लोगों की मौत

सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, करीब 898 कर्मचारी अब भी फंसे हैं, जबकि 361 कर्मचारियों को अब तक बचाया जा चुका है। त्रिशूली-3 'ए' हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट की सुरंग में चल रहे रेस्क्यू ऑपरेशन में कुछ कामयाबी मिली है। बचावकर्मी मशीनों की मदद से मिट्टी और गाद हटा रहे हैं। सुरंग में 6 इंच का छेद कर पाइप के जरिए हवा पहुंचाई जा रही है, और इसे बड़ा कर मैनहोल बनाने की तैयारी है, ताकि बचाव दल सुरंग के अंदर जाकर लोगों की तलाश कर सके। 26 अगस्त को नेपाल की भोटेकोशी और त्रिशूली नदी में अचानक बाढ़ आ गई थी। इस आपदा में नेपाल में अब तक 788 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, तिब्बत में मरने वालों का आंकड़ा 16 पहुंच गया है। नेपाल-चीन सीमा के पास बाढ़ के बाद बनी झील का ज्यादातर पानी प्राकृतिक रास्ते से निकल गया है। चीन के जल संसाधन मंत्रालय ने रविवार को कहा कि इससे निचले इलाकों में अचानक बड़ी बाढ़ आने का खतरा फिलहाल कम हो गया है। यह झील पिछले बुधवार को आई विनाशकारी बाढ़ के बाद बनी थी। लांगटांग री पर्वत क्षेत्र में ग्लेशियर व चट्टानों का बड़ा हिस्सा टूटकर नदी में गिर गया था, जिससे नदी का बहाव रुक गया और वहां पानी जमा होकर झील बन गई। चीन के मुताबिक, झील में करीब 20 लाख घन मीटर पानी जमा था। प्राकृतिक बांध टूटने पर नेपाल व चीन के निचले इलाकों में फिर बड़ी बाढ़ आ सकता है।

500 करोड़ से किया जा रहा मेडिकल कॉलेजों की मशीनों का आधुनिकीकरण : सीएम सुक्खू

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि प्रदेश सरकार राज्य के सभी मेडिकल कॉलेजों में अत्याधुनिक डायग्नॉस्टिक सेवाएं उपलब्ध करवाने की दिशा में कार्य कर रही है। इन मेडिकल कॉलेजों में लगभग 500 करोड़ रुपए की लागत से अत्याधुनिक मशीनें स्थापित की जा रही हैं। इस तरह की मशीनें अभी केवल दिल्ली के एम्स में ही उपलब्ध हैं। बिलासपुर के एम्स, लुधियाना और जालंधर जैसे शहरों में भी इस तरह की सुविधाएं अभी उपलब्ध नहीं हैं।

नादौन विधानसभा क्षेत्र के गांव कांगू में रविवार को जन स्वास्थ्य शिविर के शुभारंभ अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों में आधुनिक टैक्नोलॉजी की मशीनरी के आने से डायग्नॉस्टिक सेवाएं सुदृढ़ एवं सटीक होंगी और लोगों को तुरंत सही उपचार मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेडिकल कॉलेजों के अलावा प्रदेश सरकार सभी 70 आदर्श चिकित्सा संस्थानों में भी स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की नियुक्तियां कर रही है, ताकि लोगों को घर के पास बेहतर उपचार मिल सके। उन्होंने कहा कि सरकार 300 मेडिकल ऑफिसरों के अलावा 200 स्पेशलिस्ट डॉक्टरों और 150 सुपर स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की नियुक्तियां करने जा रही है। इसी कड़ी में नादौन, कांगू, गलोड़ और धनेटा के अस्पतालों में भी डॉक्टरों की नियुक्तियां की गई हैं। सीएम ने कहा कि जोल सप्पड़ में डॉ. राधाकृष्णन राजकीय मेडिकल कॉलेज का शीघ्र ही शुभारंभ कर दिया जाएगा। यहां उत्तर भारत का पहला अलाइड हेल्थ सर्विसेज संस्थान खोला जाएगा। इस संस्थान में इसी वर्ष से दाखिले शुरू करने के लिए वाइस चांसलर को दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। अब अलाइड हेल्थ सर्विसेज से संबंधित प्रोफेशनल्स हमीरपुर में ही तैयार किए जाएंगे।

आतंकी पोर्न वेबसाइट्स पर सीक्रेट चैटिंग कर रहे

एजेंसी, नई दिल्ली। पाकिस्तान में बैठे आतंकी सीक्रेट चैटिंग के लिए अब पोर्न वेबसाइट्स का इस्तेमाल कर रहे हैं। सुरक्षा अधिकारियों ने रविवार को बताया कि आतंकी संगठन और पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई इसका सबसे ज्यादा यूज कर रहे हैं। आतंकी इसके जरिए जम्मू-कश्मीर में भर्ती किए गए लोगों तक मैसेज पहुंचा रहे हैं, ताकि पारंपरिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर निगरानी से बचा जा सके। अधिकारियों ने बताया कि इन पोर्नोग्राफी प्लेटफॉर्म पर रियल-टाइम चैट टूल मौजूद होते हैं। जो आसपास डेट (पार्टनर) ढूंढने में मदद करने के नाम पर काम करते हैं, लेकिन हैंडलर्स इनका इस्तेमाल आतंकी गतिविधि के लिए कर रहे हैं। सुरक्षा एजेंसियों ने कई खास डिजिटल टूल्स की जांच शुरू की है।

पंचकूला में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सुनी पीएम की मन की बात, कहा–

नागरिकों से संवाद का बेहतर माध्यम

एजेंसी, पंचकूला। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को पंचकूला में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 137वें संस्करण का सीधा प्रसारण सुना और देखा। सेक्टर-1 स्थित रेड बिशप के कन्वेंशन हॉल में कार्यक्रम के विशेष प्रसारण की व्यवस्था की गई थी।

मुख्यमंत्री ने जनप्रतिनिधियों, भाजपा कार्यकर्ताओं व आमजन के साथ प्रधानमंत्री के संबोधन को ध्यानपूर्वक सुना। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। सीएम नायब सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मन की बात कार्यक्रम के जरिए देशभर के नागरिकों से संवाद करते हैं। इस दौरान प्रेरणादायक कहानियों, नवाचारों और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने वाली जन-भागीदारी की पहलों को देश के सामने रखा जाता है। कार्यक्रम के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों और संस्थाओं के प्रयासों को भी सामने लाया जाता है।

साथ ही नागरिकों को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया जाता है।

मेयर सहित कई नेता रहे मौजूद

इस अवसर पर पंचकूला के मेयर श्यामलाल बंसल, हरियाणा अनुसूचित जाति आयोग की चेयरपर्सन बंतो कटारिया, विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता, भाजपा जिला अध्यक्ष अजय मित्तल, मुख्यमंत्री के मीडिया सचिव प्रवीण अत्रे और भाजपा नेता कृष्ण ढुल मौजूद रहे। इसके अलावा पार्षद, भाजपा कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में आमजन ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की।

जयपुर के दो केंद्रों पर नीट-पीजी की परीक्षा रद्द, अब पांच सितंबर को होगी

एजेंसी, जयपुर। डॉक्टर बनने के बाद विशेषज्ञता की अगली सीढ़ी चढ़ने के लिए रविवार को देशभर में नीट-पीजी की परीक्षा हुई, लेकिन जयपुर के करीब 2500 परीक्षार्थियों के लिए परीक्षा का दिन तकनीकी अव्यवस्था और हंगामे में बदल गया।

सीतापुरा स्थित आईओएन डिजिटल जोन के दो परीक्षा केंद्रों पर आंतरिक बिजली आपूर्ति में खराबी के कारण कंप्यूटर प्रणालियां बार-बार बंद होती रहीं। नाराज अभ्यर्थियों ने केंद्र के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। हालात बिगड़ने के बाद प्रभावित केंद्रों की परीक्षा रद्द कर दी गई और अब इन अभ्यर्थियों की दोबारा परीक्षा पांच सितंबर को कराई जाएगी। देशभर में रविवार को नीट-पीजी का आयोजन 1,111 परीक्षा केंद्रों पर 2.63 लाख से अधिक अभ्यर्थियों के लिए किया गया। परीक्षा को लेकर अभ्यर्थियों ने लंबे समय से तैयारी की थी, लेकिन

◆ परीक्षा के दौरान बिजली आपूर्ति में खराबी के कारण कंप्यूटर प्रणालियां बार-बार बंद होती रहीं

जयपुर के सीतापुरा केंद्र पर तकनीकी खराबी ने उनकी मुश्किलें बढ़ा दीं। परीक्षा केंद्र संख्या 41682 और 41683 पर पंजीकृत अभ्यर्थियों को परीक्षा के दौरान लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ा। अभ्यर्थियों का आरोप है कि परीक्षा सुबह 9 बजे शुरू होनी थी, लेकिन तकनीकी खराबी के कारण कई अभ्यर्थियों की परीक्षा करीब 10 बजे शुरू हो सकी। इसके बाद भी कंप्यूटर प्रणालियों ने साथ नहीं दिया।

10 रायफल समेत नक्सली हथियारों का डंप बरामद

एजेंसी, नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में अदनार के जंगल में चलाए जा रहे सर्चिंग अभियन के दौरान रविवार को सुरक्षाबलों ने जमीन में गाड़कर छिपाए गए हथियारों का बड़ा नक्सली डंप बरामद किया है।

बरामद विस्फोटकों को घने जंगलों के बीच प्लास्टिक से कवर कर रखा गया था। बरामद नक्सली डंप से 10 रायफल, 2 ग्रेनेड लॉन्चर, 13 जिंदा बीजीएल शेल, 16 जिंदा कारतूस, 2 किलोग्राम विस्फोटक एवं 1 टेलिस्कोपिक साइट मिला है। नारायणपुर एसपी संदीप कुमार पटेल ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि नक्सल गतिविधियों के खात्मे में महत्वपूर्ण सफलता के बाद सुरक्षा बल जंगलों में किसी भी तरह के पुराने हथियार डंप और विस्फोटक सामग्री को लेकर सतर्क हैं। नक्सलियों द्वारा लंबे समय से जंगलों और दुर्गम क्षेत्रों में छिपाकर रखे गए हथियारों और अन्य सामग्रियों की तलाश के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पुराने नक्सली डंप की बरामदगी से क्षेत्र में मौजूद नक्सली गतिविधियों को पूरी तरह समाप्त करने में मदद मिलेगी। साथ ही जंगलों में छिपाए गए हथियार और विस्फोटक भविष्य में किसी संभावित खतरे का कारण न बनें, इसके लिए सर्चिंग अभियान को लगातार जारी रखा जा रहा है।

नारायणपुर पुलिस अधीक्षक पटेल, 129वीं वाहिनी बीएसएफ के कमांडेंट मुकेश कुमार के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (आप्स) अक्षय सबद्रा के मार्गदर्शन में नारायणपुर पुलिस और 129वीं वाहिनी बीएसएफ की संयुक्त टीम अदनार क्षेत्र के जंगल में सर्चिंग अभियान पर निकली थी। इसी दौरान ग्राम अदनार के उत्तर-पश्चिम दिशा में जवानों ने सघन तलाशी अभियान चलाया। इसमें सुरक्षा बलों को जंगल में नक्सलियों द्वारा पूर्व में छिपाकर रखा गया पुराना डंप मिला।

जवानों ने डंप की तलाशी ली, तो उसमें एक .303 राइफल, चार .315 राइफल और पांच 12 बोर राइफल मिलीं। इसके अलावा दो बैरल ग्रेनेड लांचर और एक टेलिस्कोपिक साइट भी मिली है। तलाशी के दौरान 13 जीवित बीजीएल शेल, 12 बोर के 16 कारतूस और करीब दो किलो विस्फोटक भी बरामद किया गया।

गंभीर मामलों में न्यायपालिका संसद का इंतजार नहीं करती : सीजेआई

एजेंसी, नई दिल्ली। भारत के चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि भारतीय न्यायपालिका 'डिजिटल अरेस्ट' जैसे नए तरह के फ्रॉड पर संसद के कानून बनाने का इंतजार करने के बजाय सक्रिय रूप से कार्रवाई करती है।

◆ डिजिटल अरेस्ट पर खुद लिया संज्ञान; केंद्र को कठोर कानून बनाने के लिए कहा

उन्होंने लंदन में 43वें इंटरनेशनल सिम्पोजियम ऑन इकोनॉमिक क्राइम के समापन समारोह में यह बात कही। सीजेआई ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में 'डिजिटल अरेस्ट' स्कैम पर स्वत: संज्ञान लिया है। इसमें ठग वीडियो कॉल के जरिए खुद को पुलिस अधिकारी, न्यायिक अधिकारी या सरकारी अधिकारी बताकर लोगों से धोखाधड़ी करते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने दिसंबर 2025 में डिजिटल अरेस्ट के एक मामले में स्वत: संज्ञान लिया था। कोर्ट ने केंद्र और राज्यों से इस समस्या के स्तर का आकलन करने, अलग अपराध बनाने और नुकसान के अनुपात में सजा तय करने की दिशा में कदम उठाने को कहा था। सूर्यकांत ने कहा कि पीएमएलए जैसी व्यवस्थाएं पूरी तरह अचूक नहीं हैं। कुछ लोगों ने जांच एजेंसियों पर इसके दुरुपयोग के आरोप लगाए हैं। इनमें गिरफ्तारी के स्पष्ट कारण नहीं बताने और जरूरत से ज्यादा हिरासत में रखने जैसी शिकायतें शामिल हैं, ऐसे मामलों में न्यायपालिका ने हस्तक्षेप कर राहत दी है। उन्होंने कहा कि गिरफ्तार किए गए व्यक्ति को गिरफ्तारी के कारण लिखित रूप में देना जरूरी है।

पीएम मोदी के 'मन की बात' से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी की प्रेरणा : मुख्यमंत्री धामी

एजेंसी, देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को कुंवावाला में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम का 137 वां संस्करण सुना। कार्यक्रम के बाद उन्होंने कहा कि 'मन की बात' देशवासियों को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करने के साथ समाज में सकारात्मक बदलाव लाने वाले लोगों और अभिनव प्रयासों को राष्ट्रीय मंच प्रदान करने का प्रभावी माध्यम बन गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम में युवाओं को नशे से दूर रहने तथा 'नशा मुक्त युवा-विकसित भारत' के संकल्प को जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि नशा मुक्त युवा ही सशक्त व विकसित भारत की मजबूत नींव हैं। प्रधानमंत्री के इस आह्वान से युवाओं में नशे के विरुद्ध जागरूकता बढ़ने के साथ स्वस्थ, सकारात्मक और राष्ट्र निर्माण के प्रति समर्पित युवा शक्ति को नई ऊर्जा मिलेगी। धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने भारत के गौरवशाली इतिहास और विरासत को नई पीढ़ी तक सरल व रोचक तरीके से पहुंचाने के लिए किए जा रहे अभिनव प्रयासों का भी उल्लेख किया। ऐसे प्रयास युवाओं को देश के समृद्ध इतिहास से जोड़ने के साथ उनमें संस्कृति, विरासत और राष्ट्र के प्रति गौरव की भावना को मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा कि 'मन की बात' के माध्यम से प्रधानमंत्री देश के विभिन्न क्षेत्रों में सामान्य नागरिकों द्वारा किए जा रहे असाधारण कार्यों, नवाचारों और जनभागीदारी के प्रयासों को राष्ट्रीय पहचान दे रहे हैं। इससे अन्य लोगों को भी अपने-अपने क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव लाने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने की प्रेरणा मिलती है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों, विशेषकर युवाओं से प्रधानमंत्री के संदेशों को जीवन में आत्मसात करते हुए नशामुक्त, स्वस्थ, सशक्त और विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट, कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज, गणेश जोशी, डॉ. धन सिंह रावत, मदन कौशिक, भरत चौधरी सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

भरोसा गोरखपुर में लगातार दूसरे दिन जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने सुनीं 200 लोगों की समस्याएं

परेशान मत हों, हर समस्या का कराएंगे प्रभावी समाधान : योगी

एजेंसी, गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को लगातार दूसरे दिन गोरखनाथ मंदिर में जनसेवा के नियमित अनुष्ठान 'जनता दर्शन' का क्रम जारी रखा। रविवार को भी उन्होंने करीब दो सौ लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और समाधान का आत्मीय भरोसा दिया।

उन्होंने लोगों से कहा कि परेशान मत हों, हर शिकायत का प्रभावी निस्तारण कराया जाएगा। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता की समस्याओं का समाधान शीघ्रता और पारदर्शिता से किया जाए। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। रविवार को गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन में कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद पहुंचे और एक-एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने करीब 200 लोगों से मुलाकात की।

उन्होंने सबको आश्वस्त किया कि चिंता करने की आवश्यकता नहीं है, हर व्यक्ति को न्याय दिलाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि किसी के साथ भी अन्याय नहीं होना चाहिए। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी सहायता की जानी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले, कमजोरों को उजाड़ने वाले किसी भी सूरत में बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए।

जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। सीएम योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए। मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन में परिजनों के साथ आए बच्चों से उनकी पढ़ाई के बारे में पूछा। उन्हें खूब पढ़ने के लिए प्रेरित करते हुए चॉकलेट दिया।

भोलू को दुलारकर बोले मुख्यमंत्री, कैसा हमेशा गुस्से में रहता है

गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान रविवार सुबह जनता दर्शन लगाकर जनसेवा करने के साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपनी पारंपरिक दिनचर्या के अनुसार मंदिर की गोशाला में जाकर गोसेवा भी की। मंदिर की गोशाला में रूठे से नजर आ रहे भोलू नाम के एक नंदी को मुख्यमंत्री योगी ने स्नेहिल भाव से खास तौर पर दुलारा। उन्होंने हाथ मे गुड़-रोटी लेकर भोलू को पुकारा और बोले, कैसा हमेशा गुस्से में रहता है। गोसेवा के दौरान मुख्यमंत्री ने भोलू सहित अन्य गोवंश और गायों को रोटी-गुड़ खिलाया।

चीन-तिब्बत की ग्लेशियल झीलों से हिमाचल पर बढ़ा बाढ़ का खतरा

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। नेपाल में बाढ़ की त्रासदी के बाद हिमाचल प्रदेश में चीन-तिब्बत क्षेत्र की ग्लेशियल झीलों को लेकर चिंता बढ़ गई है। राज्य पर चीन-तिब्बत क्षेत्र में स्थित 639 ग्लेशियल झीलों का खतरा मंडरा रहा है। इनमें 73 झीलें 10 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल में फैली हैं। इन झीलों की निगरानी उपग्रह के माध्यम से की जा रही है और हिमाचल में पूर्व चेतावनी प्रणाली को मजबूत किया जा रहा है।

40 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल वाली चार प्रमुख झीलों के निचले क्षेत्रों में सेंसर आधारित पूर्व चेतावनी प्रणाली लगाने की योजना है। लाहुल-स्पीति की 99 हेक्टेयर में फैली गेपांग गाथ झील के नीचे राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से प्रणाली स्थापित की जा रही है। इसका परीक्षण चल रहा है।

इसके अलावा किन्नौर की सांगला और बास्पा तथा कुल्लू की वासुकी झील को भूवैज्ञानिक और गहराई संबंधी सर्वेक्षण किया जा चुका है। वासुकी झील की अधिकतम गहराई 36.91 मीटर और औसत गहराई 14.48 मीटर मिली है।

सतलुज घाटी में कुल 995 ग्लेशियल झीलें चिन्हित की गई हैं। इनमें 639 झीलें ऊपरी सतलुज के तिब्बती जलग्रहण क्षेत्र में और 356 हिमाचल के स्पीति तथा निचले सतलुज क्षेत्र में हैं। ग्लेशियरों के पीछे हटने से झीलों की संख्या बढ़ रही है, जिससे अचानक बाढ़ का खतरा भी बढ़ रहा है।

विशेषज्ञों के अनुसार ग्लेशियल झीलों के बढ़ते विस्तार को देखते हुए नियमित निगरानी बेहद जरूरी है। समय रहते चेतावनी मिलने से निचले क्षेत्रों में रहने वाली आबादी को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने में मदद मिलेगी।

जयराम ठाकुर बोले- प्रधानमंत्री के प्रयासों से जल्द नशामुक्त होगा देश, युवा पीढ़ी को मिलेगी नई दिशा

नशे के खिलाफ लड़ाई को जन आंदोलन बनाने का किया आह्वान, हर नागरिक से मांगा सहयोग

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम देशभर में प्रेरणा का बड़ा माध्यम बन चुका है। इसके जरिए समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर रहे लोगों और उनकी प्रतिभा को देश के सामने पहचान मिलती है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों के प्रयास सीमित स्तर पर रह जाते हैं, प्रधानमंत्री उनके कार्यों को देशभर में पहुंचाकर उन्हें प्रोत्साहित करते हैं।

जयराम ठाकुर ने कहा कि भारत आज दुनिया में अपनी प्रतिभा और क्षमता की छाप छोड़ रहा है, लेकिन नशा देश की युवा पीढ़ी के सामने बड़ी चुनौती बनकर उभर रहा है। हिमाचल प्रदेश जैसे पहाड़ी राज्य में भी नशे का प्रभाव तेजी से बढ़ा है और अब यह प्रदेश के कई क्षेत्रों तक पहुंच चुका है। ऐसे में नशे के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ना समाज और सरकार दोनों की प्राथमिकता होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की नशे के खिलाफ प्रतिबद्धता पूरी तरह स्पष्ट है। नशे के प्रचलन को समाप्त करना केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक को इसमें अपनी भूमिका निभानी होगी। उन्होंने कहा कि नशे के खिलाफ अभियान को जन आंदोलन का रूप देकर ही इस चुनौती का स्थायी समाधान किया जा सकता है।

जयराम ठाकुर ने कहा कि जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के प्रयासों से देश नक्सलवाद जैसी बड़ी चुनौती को समाप्त करने की दिशा में आगे बढ़ सकता है, तो नशे के खिलाफ भी निर्णायक सफलता हासिल की जा सकती है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में नशा बीते समय की बात होगा। इसके लिए हर देशवासी और हर हिमाचली को सक्रिय रूप से इस लड़ाई में सहभागी बनना होगा।

उन्होंने कहा कि 'मन की बात' के दौरान प्रधानमंत्री ने इतिहास, संस्कृति और समाज से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर भी चर्चा की। देश के अलग-अलग हिस्सों में लोग अपनी पहल और प्रयासों से इतिहास और संस्कृति के संरक्षण तथा सामाजिक बदलाव के लिए काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री द्वारा ऐसे प्रयासों को देश के सामने रखने से अन्य लोगों को भी प्रेरणा मिलती है।

जयराम ठाकुर ने जन्माष्टमी के अवसर पर प्रधानमंत्री द्वारा देशवासियों को दी गई शुभकामनाओं का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने और 'स्थानीय के लिए मुखर' की भावना को आगे बढ़ाने का आह्वान किया है। स्थानीय उत्पादों और प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देना आत्मनिर्भर भारत की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

उन्होंने कहा कि देशवासियों को स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता देनी चाहिए, जिससे स्थानीय कारीगरों, उद्यमियों और प्रतिभाओं को प्रोत्साहन मिलने के साथ अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगी।

प्रधानाचार्य पदोन्नति में प्रवक्ताओं ने 95 .5 प्रतिशत कोटा तय करने की उठाई मांग

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में प्रधानाचार्य पद पर पदोन्नति की व्यवस्था में बदलाव की मांग तेज हो गई है। स्कूल प्रवक्ता संघ ने प्रवक्ता और मुख्याध्यापक कैडर के बीच लागू 50:50 कोटे को बदलकर प्रवक्ता कैडर के लिए 95.5 प्रतिशत और मुख्याध्यापक कैडर के लिए 4.5 प्रतिशत कोटा तय करने की मांग उठाई है। संघ का तर्क है कि प्रवक्ता कैडर में कर्मचारियों की संख्या मुख्याध्यापक कैडर की तुलना में काफी अधिक है, इसलिए पदोन्नति का अनुपात भी कैडर की संख्या के आधार पर तय किया जाना चाहिए।

मंडी जिले के सुंदरनगर में रविवार को स्कूल प्रवक्ता संघ की राज्य कार्यकारिणी की बैठक हुई। प्रदेश अध्यक्ष अजय नेगी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में प्रदेशभर से करीब 250 प्रवक्ताओं ने हिस्सा लिया। बैठक में प्रवक्ताओं की विभिन्न लंबित मांगों पर चर्चा करते हुए उनके समाधान के लिए आगामी रणनीति तैयार की गई।

संघ ने कहा कि मौजूदा 50:50 व्यवस्था के कारण प्रवक्ता कैडर को उसकी संख्या के अनुपात में प्रधानाचार्य पद पर पदोन्नति के पर्याप्त अवसर नहीं मिल रहे हैं। इसलिए सरकार से पदोन्नति कोटा बदलने की मांग की गई है।

बैठक में वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में लंबे समय से रिक्त प्रधानाचार्य पदों का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। संघ ने सरकार से लंबित प्रधानाचार्य पदोन्नति सूची जल्द जारी करने की मांग की। संघ के अनुसार कई विद्यालयों में प्रधानाचार्य के पद खाली होने से प्रशासनिक और शैक्षणिक कार्य प्रभावित हो रहे हैं।

प्रवक्ताओं ने अपने लंबित वित्तीय लाभों को लेकर भी सरकार से जल्द कार्रवाई की मांग की। संघ ने 15 प्रतिशत लंबित महंगाई भत्ते के भुगतान के साथ सातवें वेतन आयोग के लंबित एरियर का भुगतान शीघ्र करने की मांग रखी।

बैठक में विद्यालय प्रबंधन समिति के माध्यम से नियुक्त प्रवक्ताओं के नियमितीकरण के लिए नीति बनाने की मांग भी की गई। संघ ने कहा कि सीमित सीधी भर्ती के माध्यम से आए प्रवक्ताओं को नियमित करने का रास्ता तैयार किया जाना चाहिए। इसके अलावा योग्य प्रवक्ताओं को महाविद्यालयों में सहायक आचार्य के पद पर पदोन्नति देने की मांग भी उठाई गई।

सिरमौर में पुजारी पर मारपीट और जातिसूचक टिप्पणी का आरोप

भारतेन्दु संवाददाता, नाहन। सिरमौर जिले के पच्छाद उपमंडल के मेहली गांव में जल शक्ति विभाग के कार्य के दौरान विवाद का मामला सामने आया है। ग्रामीण बाला राम ने स्थानीय मंदिर के पुजारी पर कहासुनी के बाद उनके साथ मारपीट करने, डंडे से सिर पर वार कर चोट पहुंचाने और कथित तौर पर जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है। घटना 29 अगस्त की बताई जा रही है। पीड़ित के अनुसार जल शक्ति विभाग से संबंधित कार्य के दौरान किसी बात को लेकर उनकी पुजारी के साथ कहासुनी हो गई। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर पुजारी ने उनके साथ मारपीट की और डंडे से सिर पर प्रहार किया। घटना के बाद बाला राम ने पुलिस थाना पच्छाद में शिकायत दर्ज करवाई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार मामले से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। पुलिस घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ उपलब्ध साक्ष्यों को जुटा रही है। इसके अलावा शिकायतकर्ता और घटना के संबंध में जानकारी रखने वाले लोगों के बयान भी दर्ज किए जा रहे हैं। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही घटना की वास्तविक परिस्थितियों और आरोपों की पुष्टि हो सकेगी। वहीं, दलित शोषण मुक्ति मंच ने पुलिस की ओर से शिकायत पर त्वरित कार्रवाई किए जाने का स्वागत किया है। मंच के संयोजक आशीष कुमार ने कहा कि इस प्रकार के संवेदनशील मामलों में जांच निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से होनी चाहिए। उन्होंने पुलिस प्रशासन से मांग की कि मामले की जांच समयबद्ध ढंग से पूरी की जाए और किसी भी पक्ष के साथ भेदभाव न हो।

चार करोड़ से थाना संपर्क मार्ग का होगा उन्नयन, रोहित ठाकुर ने किया भूमि पूजन

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने उपमंडल कोटखाई की ग्राम पंचायत रावलाक्यार में चार करोड़ रुपये की लागत से होने वाले थाना संपर्क मार्ग के उन्नयन कार्य का भूमि पूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने 77वें वन महोत्सव के तहत राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रावलाक्यार के परिसर में पौधारोपण भी किया। कार्यक्रम के दौरान 80 देवदार के पौधे रोपे गए।

जनसभा को संबोधित करते हुए शिक्षा मंत्री ने कहा कि जुब्बल-नावर-कोटखाई विधानसभा क्षेत्र में सड़क निर्माण और उन्नयन कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। थाना संपर्क मार्ग के उन्नयन से थाना सहित आसपास के गांवों के लोगों को बेहतर यातायात सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि पिछले तीन वर्षों से अधिक समय में क्षेत्र के संतुलित और सर्वांगीण विकास के लिए लगातार प्रयास किए गए हैं। अब तक विधानसभा क्षेत्र में 186 नई सड़कों की सफल पासिंग हो चुकी है और इस वर्ष के अंत तक यह आंकड़ा 200 के पार पहुंचने की उम्मीद है।

कोटखाई में विकास कार्यों को गति : रोहित ठाकुर ने कहा कि कोटखाई में विभिन्न विकास परियोजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जा रहा है। करीब 15 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित विकास भवन इसका उदाहरण है। यह भवन पिछले 15 वर्षों से लंबित था, जिसे वर्तमान सरकार ने पूरा किया। इससे लोगों को एक ही छत के नीचे विभिन्न सरकारी सुविधाएं मिल रही हैं। उन्होंने बताया कि प्रगतिनगर स्थित तकनीकी शिक्षा संस्थान के उन्नयन के लिए 110 करोड़ रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति और वित्तीय अनुमोदन प्राप्त हुआ है। संस्थान में रोजगारपरक नए पाठ्यक्रम भी शुरू किए गए हैं। इसके अलावा आईटीआई भवन, छात्रावास, स्टाफ क्वार्टर और राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गुम्मा के भवन निर्माण कार्य में भी प्रगति पर हैं।

महंगी कोचिंग के बिना सरकारी स्कूलों के 76 विद्यार्थियों ने जेईई-नीट में रचा इतिहास

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। महंगी कोचिंग और बड़े शहरों की सुविधाओं के बिना भी हिमाचल प्रदेश के सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों ने जेईई और नीट जैसी कठिन प्रतियोगी परीक्षाओं में शानदार प्रदर्शन किया है। सीमित संसाधनों के बावजूद विद्यार्थियों की मेहनत और शिक्षकों के मार्गदर्शन ने सरकारी स्कूलों की शिक्षा व्यवस्था की क्षमता को साबित किया है। शिक्षा विभाग अब इन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित करने की तैयारी कर रहा है।

वर्ष 2021-22 से 2024-25 के बीच प्रदेश के सरकारी स्कूलों के 76 विद्यार्थियों ने जेईई मेन्स परीक्षा में सफलता हासिल की। इनमें से 45 विद्यार्थियों ने विभिन्न इंजीनियरिंग महाविद्यालयों में प्रवेश लिया। 12 विद्यार्थियों का चयन राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान हमीरपुर और एक विद्यार्थी का चयन भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान में हुआ। इसी अवधि में आठ विद्यार्थियों ने मेडिकल महाविद्यालयों में प्रवेश हासिल कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए शिक्षा विभाग की ओर से निश्शुल्क कोचिंग की सुविधा दी गई थी। शिक्षा मंत्री के निर्देश पर पिछले तीन वर्षों में इस योजना से विद्यार्थियों को मिले लाभ का आकलन किया गया। लगातार सामने आए परीक्षा परिणामों ने योजना की उपयोगिता को मजबूत किया है।

जेईई मेन्स में सफल विद्यार्थियों की संख्या भी लगातार बढ़ी। वर्ष 2021-22 में 17, 2022-23 में 19, 2023-24 में 20 और 2024-25 में 20 विद्यार्थियों ने सफलता हासिल की। वर्ष 2025-26 में भी सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन किया। इस वर्ष 36 विद्यार्थियों ने जेईई मेन्स उत्तीर्ण किया, जिनमें 27 छात्र और नौ छात्राएं शामिल हैं। छह विद्यार्थी जेईई एडवांस के लिए चयनित हुए। चार विद्यार्थियों को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान हमीरपुर, एक को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कुरुक्षेत्र और एक को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की में प्रवेश मिला।

मशोबरा स्कूल बना अंडर-14 जोनल खेलों का सर्वश्रेष्ठ विद्यालय

419 विद्यार्थियों ने विभिन्न खेलों और सांस्कृतिक स्पर्धाओं में दिखाई प्रतिभा

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला दुर्गापुर में पिछले चार दिनों से चल रही मशोबरा ब्लॉक की अंडर-14 छात्र एवं छात्रा वर्ग की जोनल खेलकूद प्रतियोगिता रविवार को संपन्न हो गई। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला मशोबरा ने ऑल राउंड बेस्ट स्कूल का खिताब अपने नाम किया। चार दिवसीय प्रतियोगिता में मशोबरा खंड के 18 विद्यालयों से 419 छात्र-छात्राओं ने विभिन्न खेलों और सांस्कृतिक स्पर्धाओं में भाग लिया।

प्रधानाचार्य अश्वनी कुमार और खेल प्रभारी नंदलाल शर्मा ने बताया कि वॉलीबाल के छात्र वर्ग में मशोबरा और छात्रा वर्ग में पीरन स्कूल विजेता रहा। कबड्डी में छात्र वर्ग का खिताब एनडी स्कूल जनेड्घाट तथा छात्रा वर्ग का आरपीएस बलदेयां ने जीता। खो-खो के छात्र और छात्रा दोनों वर्गों में पीरन स्कूल ने ट्रॉफी अपने नाम की। बैडमिंटन के दोनों वर्गों में बलदेयां स्कूल विजेता रहा।

योग में छात्र एवं छात्रा दोनों वर्गों में मशोबरा स्कूल प्रथम रहा। रिदमिक योगा के छात्रा वर्ग में बलदेयां स्कूल ने पहला स्थान हासिल किया। शतरंज के छात्र वर्ग में एमपीएम मशोबरा तथा छात्रा वर्ग में एचडी जनेड्घाट विजेता रहे। जूडो के छात्र वर्ग में बलदेयां और छात्रा वर्ग में मशोबरा स्कूल ने बाजी मारी।

भाषण प्रतियोगिता के छात्र वर्ग में पीरन तथा छात्रा वर्ग में बलदेयां स्कूल प्रथम रहे। वन एक्ट प्ले के छात्र वर्ग में एमईएस मशोबरा और छात्रा वर्ग में आरपीएस बलदेयां ने पहला स्थान हासिल किया। समूहगान में छात्र वर्ग का खिताब आरपीएस बलदेयां तथा छात्रा वर्ग का एमपीएस मशोबरा ने जीता। लोक नृत्य के छात्र वर्ग में आरपीएस बलदेयां और छात्रा वर्ग में मशोबरा स्कूल विजेता रहा।

समापन समारोह में समाजसेवी अरुण चौहान मुख्य अतिथि तथा जिला परिषद सदस्य बलदेयां वार्ड ओम प्रकाश ठाकुर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि ने विजेता और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

प्रधानाचार्य अश्वनी कुमार ने प्रतियोगिता के सफल आयोजन में सहयोग देने वाले विभिन्न विभागों, विद्यालयों, स्थानीय लोगों और अन्य सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर पंचायत समिति मशोबरा अध्यक्ष तारा चंद ठाकुर, बीडीसी सदस्य रीता, अरोमा वैली अध्यक्ष मनविंद्र सिंह सहित विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य, शारीरिक शिक्षक, खिलाड़ी और बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

शिमला के ढली में कार से चिट्टा बरामद, दो युवक हुए गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। राजधानी शिमला के ढली थाना क्षेत्र में पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक कार से 6.34 ग्राम हेरोइन यानी चिट्टा बरामद किया है। पुलिस ने कार सवार दो युवकों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मादक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार ढली थाना की विशेष टीम 28 अगस्त को भट्टाकुफर से ढली सुरंग की ओर गश्त पर जा रही थी। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि एक कार में नशीला पदार्थ रखा गया है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने संदिग्ध कार को रोककर नियमानुसार तलाशी ली।

तलाशी के दौरान कार में बैठे एक युवक के पैरों के नीचे रखे फुटमैट को हटाया गया। इसके नीचे एक पारदर्शी प्लास्टिक पाउच मिला। पुलिस के अनुसार पाउच में 6.34 ग्राम हेरोइन बरामद हुई।

पुलिस ने मामले में सुनी निवासी 25 वर्षीय दुष्यंत वर्मा और कुल्लू जिले की आनी तहसील निवासी 24 वर्षीय अक्षय शर्मा को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार दोनों युवक उस समय कार में सवार थे।

एसएसपी शिमला गौरव सिंह ने रविवार को बताया कि दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम की धारा 21 और 29 के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपियों को न्यायालय में पेश किया जाएगा। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि बरामद चिट्टा कहां से लाया गया था और इसके पीछे किसी अन्य व्यक्ति या गिरोह की भूमिका तो नहीं है। मामले की जांच जारी है।

जुन्गा अस्पताल में आधुनिक उपकरणों से आसान होगी आंखों की जांच

सीएसआर के तहत मिले अत्याधुनिक उपकरण, ग्रामीण मरीजों को स्थानीय स्तर पर मिलेगी सुविधा

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। जुन्गा अस्पताल में अब मरीजों को आंखों की जांच और दृष्टि संबंधी समस्याओं के लिए शिमला का रुख नहीं करना पड़ेगा। उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक ने कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व के तहत अस्पताल को अत्याधुनिक नेत्र चिकित्सा उपकरण उपलब्ध करवाए हैं। इन उपकरणों के मिलने से जुन्गा सहित आसपास की पंचायतों के लोगों को स्थानीय स्तर पर बेहतर नेत्र जांच और उपचार की सुविधा मिल सकेगी।

बैंक की ओर से अस्पताल को स्लिट लैम्प बायोमाइक्रोस्कोप, मोटराइज्ड टेबल, ऑटोरिफ्रैक्टोमीटर, ट्रायल लेंस सेट, स्ट्रीक रेटिनोस्कोप और ऑफ्थैल्मिक ऑपरेशन टेबल सहित कई आधुनिक उपकरण भेंट किए गए हैं। इन उपकरणों का विधिवत शुभारंभ जिला परिषद सदस्य खुश विक्रम सेन और पृथ्वी विक्रम सेन ने किया।

इस अवसर पर खंड चिकित्सा अधिकारी मशोबरा डॉ. राकेश गोयल ने अस्पताल को आधुनिक नेत्र उपकरण उपलब्ध करवाने के लिए बैंक के पदाधिकारियों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के अस्पताल में आधुनिक नेत्र चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध होना क्षेत्रवासियों के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इससे लोगों को स्थानीय स्तर पर स्वास्थ्य सेवाएं मिलने के साथ शिमला जाने की जरूरत भी कम होगी।

जुन्गा में आंखों की जांच सुविधा हुई बेहतर

जुन्गा अस्पताल की नेत्र विशेषज्ञ डॉ. गरिमा ने बताया कि नए उपकरणों से आंखों की जांच, दृष्टि संबंधी समस्याओं का निदान और आवश्यक उपचार अधिक प्रभावी ढंग से किया जा सकेगा। अस्पताल में अब चश्मे का नंबर जांचने के साथ सफेद मोतिया जैसी समस्याओं की प्रारंभिक पहचान भी संभव होगी। पहले कई मरीजों को चश्मे का नंबर लेने और अन्य नेत्र जांच के लिए डीडीयू शिमला रेफर करना पड़ता था। उन्होंने कहा कि नई सुविधा से मरीजों और उनके परिजनों का समय और आने-जाने का खर्च बचेगा। बुजुर्गों और ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को इसका विशेष लाभ मिलेगा। इससे जुन्गा अस्पताल में नेत्र चिकित्सा सेवाओं को भी मजबूती मिलेगी।

विदाई गार्ड ऑफ ऑनर के साथ ली विदाई, सेना प्रशिक्षण कमान में छोड़ी दूरदर्शी नेतृत्व की अमिट विरासत

लेफ्टिनेंट जनरल देवेंद्र शर्मा 39 वर्ष बाद हुए सेवानिवृत्त

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। लेफ्टिनेंट जनरल देवेंद्र शर्मा, पीवीएसएम, एवीएसएम, एसएम, आर्मी ट्रेनिंग कमांड के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, 31 अगस्त 2026 को भारतीय सेना से सेवानिवृत्त हुए। इसके साथ ही राष्ट्र के प्रति उनकी 39 वर्षों की गौरवपूर्ण सैन्य सेवा का अध्याय पूर्ण हुआ। वह ऐसे सैन्य परिवार से आते हैं, जिसने सामूहिक रूप से एक शताब्दी से अधिक समय तक देश की सेवा की है। उनके पिता विंग कमांडर शिव कुमार शर्मा लड़ाकू विमान पायलट रहे, जबकि बड़े भाई एयर कमोडोर शैलेंद्र शर्मा भी वायुसेना में मिराज-2000 पायलट रहे हैं।

मेयो कॉलेज, अजमेर के पूर्व छात्र लेफ्टिनेंट जनरल शर्मा ने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी और भारतीय सैन्य अकादमी में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। उन्हें सर्वश्रेष्ठ ऑल राउंडर और सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का सम्मान मिला। 19 दिसंबर 1987 को उन्होंने 'द सिंध हॉर्स' में कमीशन प्राप्त किया। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद रोधी अभियानों में वीरता के लिए उन्हें सेना मेडल से सम्मानित किया गया। उन्होंने बख्तरबंद रेजिमेंट, आर्मर्ड ब्रिगेड, इन्फैंट्री डिवीजन और पिवट कोर की कमान संभाली। संयुक्त राष्ट्र मिशन के तहत कांगो में उन्होंने 52 देशों के 21 हजार से अधिक सैनिकों के प्रशासन की जिम्मेदारी भी निभाई।

आर्मी ट्रेनिंग कमांड में उनका कार्यकाल परिवर्तनकारी रहा। उनके नेतृत्व में ड्रोन युद्धक प्रशिक्षण को संस्थागत बनाया गया और 50 हजार से अधिक सैन्यकर्मियों को प्रशिक्षित किया गया। मैन्युवर वारफेयर रेंज, शहरी युद्धक नोड्स तथा साइबर और इलेक्ट्रॉनिक युद्धक रेंज विकसित करने की पहल हुई। साथ ही कई सैन्य सिद्धांत, प्रकाशन, समझौते और प्रशिक्षण सुधार आगे बढ़ाए गए।

शिमला और हिमाचल प्रदेश में भी उनके कार्यकाल में महत्वपूर्ण कार्य हुए। अन्नाडेल में श्रद्धांजलि स्थल का समर्पण किया गया। आर्मी हेरिटेज म्यूजियम का आधुनिकीकरण, पूर्व सैनिकों के लिए सुविधाओं का विस्तार और नागरिक-सैन्य समन्वय को मजबूत करने की पहल की गई।

सेवानिवृत्ति के अवसर पर लेफ्टिनेंट जनरल शर्मा ने अन्नाडेल स्थित श्रद्धांजलि स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित कर शहीद सैनिकों को नमन किया। इसके बाद 111 इन्फैंट्री बटालियन टेरिटोरियल आर्मी की सम्मान गार्ड ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया। वे भारतीय सेना में दूरदर्शी नेतृत्व, प्रशिक्षण सुधार और राष्ट्रसेवा की अमिट विरासत छोड़कर सेवानिवृत्त हुए।

सेवानिवृत्ति के बाद भी लेफ्टिनेंट जनरल देवेंद्र शर्मा की सेवाओं और उपलब्धियों को सेना के इतिहास में महत्वपूर्ण स्थान मिलेगा। उनके नेतृत्व में प्रशिक्षण व्यवस्था को आधुनिक तकनीक और बदलती युद्ध परिस्थितियों के अनुरूप तैयार करने पर विशेष जोर दिया गया। सैन्यकर्मियों की क्षमताओं को बढ़ाने के साथ उन्होंने भविष्य की चुनौतियों के लिए नवाचार और तकनीकी दक्षता को प्राथमिकता दी। उनका कार्यकाल युवा अधिकारियों और सैनिकों के लिए प्रेरणादायी रहा। राष्ट्रसेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता सैन्य जगत में लंबे समय तक याद की जाएगी।

माजरा के बीईईओ रामपाल को मिलेगा राष्ट्रीय शिक्षा सम्मान

भारतेन्दु संवाददाता, नाहन। सिरमौर जिले के शिक्षा खंड माजरा के खंड प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी रामपाल को शिक्षा में नवाचार, पर्यावरण संरक्षण और बेहतर प्रशासनिक कार्यों के लिए राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। हिमाचल प्रदेश से इस सम्मान के लिए शिक्षा निदेशालय ने 10 नाम भेजे थे, जिनमें रामपाल का चयन एकमात्र बीईईओ के रूप में हुआ है। राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली की ओर से यह सम्मान दो और तीन सितंबर को प्रदान किया जाएगा। दो सितंबर को पुरस्कार प्रस्तुति और तीन सितंबर को सम्मान समारोह आयोजित होगा। रामपाल के चयन की प्रक्रिया अगस्त 2025 में शुरू हुई थी। उन्होंने ऑनलाइन प्रश्नावली पूरी करने के बाद अपना परिचय विवरण भेजा। इसके बाद नवाचार से संबंधित प्रस्तुति तैयार कर उसे चित्रों और वीडियो के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। रामपाल ने प्लास्टिक कचरे का उपयोग कर गणित के संकेतक बोर्ड और गणितीय चिह्न तैयार करने का नवाचार किया। इससे विद्यार्थियों को गणित समझने में आसानी हुई और प्लास्टिक के पुन: उपयोग से पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया।

शिमला में नशे पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई चार आरोपियों पर कसा कानूनी शिकंजा

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिमला जिले में चिट्टा और हेरोइन की तस्करी के खिलाफ पुलिस ने अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए चार लोगों को जांच के दायरे में लिया है। झाकड़ी, चौपाल और ढली बाईपास में हुई कार्रवाई के दौरान पुलिस ने कुल करीब 16 ग्राम नशीला पदार्थ बरामद किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम के तहत कार्रवाई शुरू कर दी है।

झाकड़ी में 8.53 ग्राम चिट्टा बरामद : झाकड़ी में 13 अगस्त को किराये के कमरे की तलाशी के दौरान पुलिस ने 8.53 ग्राम चिट्टा बरामद किया था। इस मामले में धीरज शर्मा और आशीष को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका था। जांच के दौरान पूछताछ में पुलिस को ननखड़ी निवासी 34 वर्षीय राजन मेहता की कथित संलिप्तता के बारे में जानकारी मिली।

पुलिस के अनुसार धीरज शर्मा ने पूछताछ में बताया कि वह 12 अगस्त को राजन मेहता की कार में चिट्टा खरीदने के लिए जिरकपुर गया था। जांच के दौरान राजन मेहता के मोबाइल की कॉल डिटेल और लोकेशन का विश्लेषण भी किया गया। पुलिस के मुताबिक उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर राजन को 25 अगस्त को गिरफ्तार किया गया। उसे न्यायालय में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

चौपाल में एक युवक पर कार्रवाई : दूसरे मामले में चौपाल पुलिस ने 3.49 ग्राम चिट्टा बरामद होने के मामले में 27 वर्षीय आशीष ब्रागटा के खिलाफ कार्रवाई शुरू की है। पुलिस के अनुसार 14 अगस्त को अतर सिंह को 3.49 ग्राम चिट्टा के साथ गिरफ्तार किया गया था। उससे पूछताछ और आगे की जांच में नशीले पदार्थ से जुड़े संपर्कों की जानकारी सामने आई।

पुलिस के अनुसार जांच में चौपाल निवासी आशीष ब्रागटा की कथित संलिप्तता पाई गई है। उसके खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम की धारा 29 के तहत कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

होमस्टे से 4.010 ग्राम हेरोइन बरामद : ढली बाईपास स्थित एक होमस्टे में भी पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो युवकों से 4.010 ग्राम हेरोइन बरामद की। पुलिस के अनुसार 30 अगस्त को गश्त के दौरान सूचना मिली थी कि होमस्टे के एक कमरे में दो युवक चिट्टा बेच रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने कमरे की तलाशी ली।

कमरे में संजौली निवासी 38 वर्षीय महेश ठाकुर उर्फ महेशी और कुल्लू जिले के आनी निवासी 23 वर्षीय देवेंद्र कुमार मौजूद थे। तलाशी के दौरान डबल बेड पर चादर के नीचे तकिये के पास से 4.010 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पुलिस ने दोनों के खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। आरोपियों से पूछताछ की जा रही है और नशीले पदार्थ के स्रोत तथा संभावित नेटवर्क का पता लगाने के लिए जांच आगे बढ़ाई जा रही है।

न्यूज ब्रीफ

सरकार ने निशु मोंगरा को सौंपी बड़ी जिम्मेदारी बनाए 20 सूत्रीय कार्यक्रम के अध्यक्ष

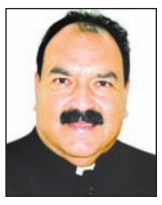

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। चौधरी नरेंद्र निशु मोंगरा को प्रदेश सरकार द्वारा कांगड़ा विधानसभा क्षेत्र के 20 सूत्रीय कार्यक्रम का अध्यक्ष बनाया गया है, 20 सूत्रीय कार्यक्रम के अध्यक्ष बनाए जाने पर जिला कांगड़ा में खुशी की लहर है। प्रदेश सरकार द्वारा उन्हें एक और जिम्मेवारी सौंपी गई है, जिसके लिए उन्होंने प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू का धन्यवाद व आभार जताया है। बता दें कि इससे पहले भी निशु मोंगरा को एपीएमसी के जिला व प्रदेश ओबीसी कांग्रेस विभाग के अध्यक्ष की जिम्मेदारी बेखूबी निभा रहे हैं। विशेष बातचीत के दौरान निशु मोंगरा ने कहा कि यह पद केवल एक दायित्व नहीं, बल्कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को पहुंचाने का एक माध्यम है। सरकार के सभी 20 सूत्रों (जैसे गरीबी उन्मूलन, किसान कल्याण, स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक सुरक्षा) का लाभ जनता तक बिना किसी भेदभाव के समय पर पहुंचे। इसके लिए वह भरपूर प्रयास करेंगे। अपने क्षेत्र की सम्मानित जनता और सभी कर्मठ कार्यकर्ताओं को भी धन्यवाद देता हूँ, जिनके सहयोग और आशीर्वाद के बिना यह संभव नहीं था। मुझे पूरा विश्वास है कि आने वाले समय में आप सभी का मार्गदर्शन और सहयोग मुझे इसी तरह मिलता रहेगा ताकि हम मिलकर विकास की एक नई गाथा लिख सकें। उन्होंने कहा कि आपका सेवक आपके द्वार कार्यक्रम में लोगों को सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं को जनता तक पहुंचा जा रहा है उनकी समस्याओं का भी समाधान किया जा रहा है। कांगड़ा विधानसभा क्षेत्र के लिए यह एक संकेत है कि निशु मोंगरा कांगड़ा के लिए उभरता हुआ चेहरा बनकर सामने आ रहे हैं।

जाहू में दो लोग करंट लगने से झुलसे

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। जाहू में दो युवकों को अचानक करंट लगने से बड़ा हादसा होने से बाल-बाल टल गया। हादसे में दोनों युवक झुलस गए, जबकि एक युवक की हालत गंभीर होने के कारण उसे पीजीआई चंडीगढ़ रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार पंजाब निवासी गुरप्रीत और उत्तर प्रदेश निवासी सुखदेव, दोनों की उम्र करीब 17 वर्ष बताई जा रही है। दोनों शाम के समय घूमने के लिए निकले थे। बताया जा रहा है कि सुनहेलखंड के किनारे भूमि कटाव को रोकने के लिए सपार के ऊपर से गुजर रहे थे। इसी स्थान के ऊपर से 132 केवी की हाई-वोल्टेज बिजली की तारें गुजर रही हैं। हालांकि, दोनों युवकों ने बिजली की तारों को सीधे हाथ नहीं लगाया, लेकिन हाई वोल्टेज लाइन के प्रभाव के कारण अचानक करंट लग गया। करंट लगते ही दोनों युवक झुलसकर जमीन पर गिर गए और क्षेत्र की बिजली भी अचानक बंद हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और दोनों युवकों को उपचार के लिए बल्हड़ा अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में उपचार के बाद सुखदेव को वापस भेज दिया गया, जबकि गुरप्रीत की हालत गंभीर होने के कारण उसे पहले एम्स रेफर किया गया। बाद में उसे पीजीआई चंडीगढ़ भेज दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही बिजली विभाग के कर्मचारियों ने तत्काल बिजली आपूर्ति बंद कर दी, जिससे संभावित बड़े हादसे को टाला जा सका। जाहू पुलिस चौकी प्रभारी अजय कुमार ने बताया कि सुखदेव करंट लगने से कम झुलसा था, जिसे बल्हड़ा अस्पताल में उपचार देने के बाद वापस भेज दिया गया है। वहीं गुरप्रीत की हालत गंभीर होने के कारण उसे पीजीआई रेफर किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

विशाल संस्कार देवभूमि प्रोडक्शन की नई भक्ति प्रस्तुति 'मेरी मां चामुंडा' का दिल्ली में भव्य लॉन्च

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। धार्मिक, सांस्कृतिक व भक्ति संगीत के क्षेत्र में कार्यरत विशाल संस्कार देवभूमि प्रोडक्शन की नई भक्ति प्रस्तुति 'मेरी मां चामुंडा' का नई दिल्ली में विधिवत शुभारंभ किया गया। हिमाचल प्रदेश की आराध्य देवी मां चामुंडा को समर्पित इस भजन का शुभारंभ सिद्ध कालका पीठ के महंत सुरिंद्र नाथ अवधूत महाराज ने किया। भजन लॉन्च के अवसर पर विशाल संस्कार देवभूमि प्रोडक्शन के संस्थापक पंडित विशाल शर्मा सहित भजन से जुड़े कलाकार, सहयोगी और कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सतीश शर्मा, अनन्या गुप्ता, नीलम ठाकुर, करण पाल, मलकित सिंह, नर्वदा शर्मा, उदय, कायरा और अंजना कुमारी सहित अन्य लोग मौजूद रहे। 'मेरी मां चामुंडा' भजन के माध्यम से हिमाचल की देवभूमि की धार्मिक आस्था, संस्कृति और भक्तों की भावनाओं को संगीत के जरिए प्रस्तुत किया गया है। महंत श्री सुरिंद्र नाथ अवधूत महाराज ने पूरी टीम को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि धार्मिक एवं सांस्कृतिक रचनाएं लोगों को अपनी परंपराओं और संस्कारों से जोड़ने का प्रभावी माध्यम हैं। पंडित विशाल शर्मा ने कहा कि प्रोडक्शन का उद्देश्य भक्ति, संस्कृति और संस्कार से जुड़े गुणवत्तापूर्ण प्रोजेक्ट्स को बेहतर मंच प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि 'मेरी मां चामुंडा' श्रद्धा और देवभूमि की सांस्कृतिक भावनाओं को समर्पित प्रस्तुति है।

अपने पैतृक गांव सेरा से कांगू की ओर जाते समय मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू जगह-जगह पर लोगों का अभिवादन स्वीकार करते हुए।

आईजीएमसी शिमला में स्वाइन फ्लू से 64 वर्षीय व्यक्ति की मौत

फेफड़ों की बीमारी से था पीड़ित, हिमाचल में स्वाइन फ्लू के 8 मामले

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में स्वाइन फ्लू से 64 वर्षीय मरीज की मौत हो गई है। मरीज का इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज व अस्पताल (आईजीएमसी), शिमला में उपचार चल रहा था। अस्पताल प्रशासन के अनुसार मरीज पहले से फेफड़ों की गंभीर बीमारी और निमोनिया समेत कई स्वास्थ्य संबंधी जटिलताओं से पीड़ित था।

मृतक की पहचान रामाशीष राम के रूप में हुई है। वह बिलासपुर सदर के साईं डोभा के रहने वाले थे। उन्हें 13 अगस्त को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उपचार के दौरान 29 अगस्त को उनकी स्वाइन फ्लू की जांच पॉजिटिव आई थी। उनकी हालत गंभीर बनी हुई थी और उपचार के बावजूद रविवार सुबह करीब 6 बजकर 46 मिनट पर उनकी मौत हो गई। अस्पताल की ओर से जारी जानकारी के अनुसार मरीज को पहले से इंटरस्टिशियल लंग डिजीज (आईएलडी) और फेफड़े के निचले हिस्से में निमोनिया था। इसके अलावा उनकी मेडिकल स्थिति से जुड़ी अन्य जटिलताएं भी दर्ज थीं। अस्पताल प्रशासन के अनुसार इन गंभीर बीमारियों और अन्य जटिलताओं ने भी मरीज की स्थिति को गंभीर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आईजीएमसी के चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर राहुल राव ने कहा कि मरीज की मौत को केवल स्वाइन फ्लू संक्रमण से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। मरीज पहले से गंभीर फेफड़ों की बीमारी, निमोनिया और अन्य स्वास्थ्य संबंधी जटिलताओं से पीड़ित था। इन बीमारियों के साथ उपचार के दौरान सामने आई जटिलताओं को भी मृत्यु के कारणों के संदर्भ में देखा जाना जरूरी है। अस्पताल प्रशासन ने लोगों से स्वाइन फ्लू और इन्फ्लुएंजा के लक्षणों को लेकर सतर्क रहने की अपील की है। तेज बुखार, खांसी, गले में खराश और सांस लेने में परेशानी जैसे लक्षण दिखाई देने पर समय पर चिकित्सकीय सलाह लेने को कहा गया है। बुजुर्गों और पहले से फेफड़ों या अन्य गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोगों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। अस्पताल ने लोगों से भीड़भाड़ वाले स्थानों पर सावधानी बरतने, खांसते या छींकते समय मुंह और नाक ढकने तथा चिकित्सकीय सलाह के अनुसार उपचार लेने की अपील की है। बता दें कि हिमाचल प्रदेश में अब तक स्वाइन फ्लू से संक्रमित आठ मामले सामने आ चुके हैं। इनमें चार मामले टांडा मेडिकल कॉलेज, दो मामले आईजीएमसी शिमला और दो मामले मंडी जिले में सामने आए हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों तक बेहतर स्वास्थ्य व आधारभूत सुविधाएं पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता : हर्षवर्धन

भारतेन्दु संवाददाता, नाहन। उद्योग, संसदीय मामले व श्रम रोजगार मंत्री हर्षवर्धन चौहान ने शिलाई विधानसभा क्षेत्र के प्रवास कार्यक्रम के दौरान रविवार को शिलाई विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत टिटयाना में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। जनसभा को संबोधित करते हुए उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान ने कहा कि शिलाई विधानसभा क्षेत्र को विकास को नई दिशा देने के उद्देश्य से योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि क्षेत्र के प्रत्येक गांव तक बेहतर सड़क संपर्क, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुदृढ़ स्वास्थ्य सेवाएं, पेयजल उपलब्धता तथा अन्य आधारभूत सुविधाओं के विस्तार को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने कहा कि इन महत्वाकांक्षी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए लगभग 400 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है और अधिकांश परियोजनाओं पर तेजी से कार्य जारी है, जिससे क्षेत्र के लोगों को आने वाले समय में व्यापक लाभ मिलेगा।

वेटरनरी फार्मासिस्टों की समस्याओं को लेकर कांगड़ा में बैठक, विभिन्न मुद्दों पर हुआ मंथन

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। पशुपालन विभाग कर्मचारी महासंघ (वेटरनरी फार्मासिस्ट) जिला कांगड़ा की बैठक जिला अध्यक्ष अजय पांबड़ा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में वेटरनरी फार्मासिस्टों से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों और विभागीय कार्यों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में वेटरनरी फार्मासिस्टों के कार्यों, विभागीय व्यवस्था, पदोन्नति, कर्मचारियों की समस्याओं तथा ऑनलाइन कार्यों सहित कई विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान पशु औषधालयों में वैक्सीनेटर की नियुक्ति, ऑनलाइन कार्यों के लिए मोबाइल फोन एवं सिम उपलब्ध करवाने, पशु गणना की लंबित देनदारी का भुगतान, पंचायत वेटरनरी सहायकों के नियमितिकरण तथा समय पर वेतन जारी करने सहित अन्य मांगों पर चर्चा हुई। कर्मचारियों ने कहा कि वेटरनरी फार्मासिस्ट पशुधन के उपचार तथा विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। ऐसे में उन्हें कार्य के अनुरूप आवश्यक सुविधाएं एवं अधिकार उपलब्ध करवाए जाने चाहिए। बैठक में संगठन की ओर से सरकार एवं विभाग के समक्ष कर्मचारियों की लंबित मांगों को प्रभावी ढंग से उठाने तथा समस्याओं के समाधान के लिए आगामी रणनीति पर भी चर्चा की गई। पदाधिकारियों ने कहा कि वेटरनरी फार्मासिस्टों की मांगों का शीघ्र समाधान किया जाना आवश्यक है, ताकि विभागीय कार्य सुचारू रूप से संचालित हो सकें और पशुपालकों को बेहतर सेवाएं मिल सकें। बैठक में वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष शैलेंद्र पठानिया, जिला महासचिव अमित सिंह, उपप्रधान मस्तान सिंह, सुरेंद्र सिंह, सहसचिव संजीव खड्डा, कुलदीप कुमार सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

धमसेहड़ अग्निकांड प्रभावित परिवारों को सेवा भारती ने वितरित की राहत सामग्री

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। मंडी जिला के धमसेहड़ गांव के आगजनी प्रभावित परिवारों को सेवा भारती इकाई की ओर से राहत सामग्री वितरित की गई। मंडी जिला के सराज क्षेत्र की सोमगाड़ पंचायत के धमसेहड़ गांव में बीते 28 अगस्त को नैणू राम पुत्र तांदू राम का दो मंजिला मकान जल कर राख हुआ था। आगजनी में प्रभावित परिवारों के सिर्फ पहने हुए कपड़े ही बच पाए, बाकी सारा सामान घर में ही जल गया। सेवा भारती इकाई बगस्याड़ के अध्यक्ष हुकम चंद, सचिव ईश्वर दास और सह कोषाध्यक्ष किशोरी लाल व जोगण दास और चुनी लाल आदि को आगजनी की सूचना मिलते ही घटनास्थल पर पहुंचे व प्रभावित परिवार को राहत सामग्री प्रदान की। राहत सामग्री में चावल 10 किलो, आटा 10 किलो, दाल 2 किलो, तेल, आलू, चीनी एक किलो, नमक, हल्दी आदि शामिल हैं। इसके अलावा बिस्तर, आठ कंबल, दो मैट्रेस, दो तकिए, किचन किट, कुकर एक, पतीला एक, तवा एक, चकला बेलन, बाल्टी, मग, परात, पांच गिलास, छह थालियां, एक लोटा, पांच चम्मच, एक कड़छी तथा तिरपाल और बच्चों के लिए दो स्कूल बैग, कापियां 20, एक पेपर बोर्ड इत्यादि सामग्री वितरित की। सेवा भारती के कार्यकर्ताओं ने प्राकृतिक आपदाओं से बचने के लिए पूर्व में ही ध्यान रखने की बात समझाई तथा पीड़ितों के लिए सांत्वना दी। प्रभावित परिवार ने सेवा भारती इकाई बंजार का धन्यवाद किया और कहा कि सेवा भारती हमारे लिए उम्मीद की किरण बनकर आया है। साथ ही स्थानीय लोगों ने सेवा भारती की कार्य की सराहना की है।

नाबालिग से दुराचार के आरोप में युवक काबू

भारतेन्दु संवाददाता, इंदौरा। पुलिस थाना डमटाल के अंतर्गत नाबालिग लड़की से दुराचार के मामले में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। पीड़िता की माता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट सहित विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। मामले की जानकारी मिलते के बाद एसपी नूरपुर इलमा अफरोज भी मौके पर पहुंचीं और संबंधित पक्षों के बयान दर्ज किए। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। आरोपी की पहचान कपिल, पुत्र सतनाम सिंह मसीह के रूप में हुई है। एसपी नूरपुर धर्मचंद वर्मा ने बताया कि पीड़िता का मेडिकल करवाया जा रहा है। आरोपी को पुलिस चौकी प्रभारी ढांगूपीर देवराज शर्मा ने अदालत इंदौरा में पेश किया, जहां से उसे आगामी पूछताछ के लिए चार दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आवश्यक कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

डमटाल में विधायक मलेंद्र राजन ने किया पौधरोपण

इंदौरा में 17 हेक्टेयर भूमि पर होगा पौधरोपण, 1.18 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य

भारतेन्दु संवाददाता, इंदौरा। नूरपुर वन मंडल के तत्वाधान में इंदौरा विधानसभा क्षेत्र के हिल टॉप दुर्गा माता मंदिर, डमटाल में 77वें राज्य स्तरीय वन महोत्सव के तहत कार्यक्रम आयोजित किया गया। विधायक मलेंद्र राजन ने कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि भाग लिया और पौधरोपण कर लोगों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। विधायक मलेंद्र राजन ने कहा कि वनों का संरक्षण एवं विस्तार वर्तमान समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। पौधरोपण को केवल अभियान तक सीमित रखने के बजाय लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल और संरक्षण सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि राजीव गांधी वन संवर्धन योजना के तहत इंदौरा विधानसभा क्षेत्र में 17 हेक्टेयर भूमि पर पौधरोपण किया जा रहा है। योजना में महिला मंडलों, युवक मंडलों और स्वयं सहायता समूहों की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है, जिससे पौधरोपण के साथ ग्रामीणों को स्वरोजगार के अवसर भी उपलब्ध हों।

उन्होंने बताया कि इस वर्ष वन मंडल नूरपुर में 155 हेक्टेयर भूमि पर करीब 1 लाख 18 हजार पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने का आह्वान किया। विधायक ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान की सराहना करते हुए लोगों से अपनी मां के सम्मान में एक पौधा लगाने और उस वृक्ष बनने तक देखभाल करने की अपील की। उन्होंने कहा कि पौधरोपण के लिए ऐसी प्रजातियों का चयन किया जाना चाहिए, जो पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ वन्यजीवों को भोजन और आश्रय भी उपलब्ध करवाएं। मलेंद्र राजन ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के बीच पौधरोपण पर्यावरण संरक्षण का प्रभावी माध्यम है। युवाओं को पर्यावरण संरक्षण अभियानों में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ एवं हरित वातावरण उपलब्ध करवाने के लिए पौधरोपण को जन आंदोलन बनाना होगा। कार्यक्रम में एसडीएम डॉ. सुरिंदर ठाकुर, डीएफओ संदीप कोहली, डीएसपी संजीव यादव, एक्सईएन बिजली संदीप, एसीएफ निशांत पराशर, रेंज ऑफिसर अब्दुल हमीद, एसएचओ विशाल राठौर, बिजली विभाग के एसडीओ संदीप, जल शक्ति विभाग के एसडीओ अनिल कुमार, पंचायत प्रतिनिधि और स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

जरूरतमंदों को सरकारी योजनाओं से जोड़ना प्राथमिकता: धर्माणी

बिलासपुर में 7,786 परिवार 'अपना परिवार सुखी परिवार' योजना में चयनित

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। नगर व ग्राम नियोजन, आवास, तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक एवं औद्योगिक प्रशिक्षण मंत्री राजेश धर्माणी ने मुख्यमंत्री 'अपना परिवार सुखी परिवार' योजना के तहत ग्राम पंचायत पनोह और बकरोआ में पात्र परिवारों से जनसंवाद किया। इस दौरान उन्होंने योजना की प्रगति और पात्र परिवारों की समस्याओं की जानकारी ली।

राजेश धर्माणी ने कहा कि प्रदेश सरकार समाज के अंतिम पायदान पर खड़े परिवारों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रयासरत है। करीब दो लाख अति निर्धन परिवारों की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति सुधारने के उद्देश्य से शुरू की गई इस योजना का शुभारंभ 2 अक्टूबर को किया जाएगा। उन्होंने बताया कि बिलासपुर जिले में अब तक 7,786 परिवारों का चयन किया जा चुका है। इनमें घुमारवीं विकासखंड के 2,266, सदर के 2,695, झंडूता के 2,304 और श्रीनैना देवी जी के 521 परिवार शामिल हैं। उन्होंने अधिकारियों को 20 सितंबर तक पात्र परिवारों के चयन की प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि योजना में अनाथ बच्चों वाले परिवारों, विधवा एवं तलाकशुदा महिलाओं के परिवारों, सक्षम कमाने वाले सदस्य से वंचित परिवारों, गंभीर बीमारी या दिव्यांगता से प्रभावित परिवारों तथा अत्यंत कम आय वाले और मनरेगा में कार्यरत जरूरतमंद परिवारों को शामिल किया गया है। वार्षिक आय सीमा 50 हजार से बढ़ाकर 75 हजार रुपये तथा कमाने वाले सदस्य की दिव्यांगता की पात्रता 50 से घटाकर 40 प्रतिशत की गई है। धर्माणी ने बताया कि घुमारवीं विधानसभा क्षेत्र में संपर्क सड़कों के निर्माण एवं सुधार पर 80 करोड़ रुपए से अधिक खर्च किए जा रहे हैं। टिकाऊ सीमेंट-कंक्रीट सड़कों को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने भगेड़ में सार्वजनिक शौचालय के निर्माण के लिए 25 लाख रुपए देने की घोषणा की। साथ ही भगेड़ जंक्शन में रेन शेल्टर और जमीन उपलब्ध होने पर बस स्टैंड निर्माण की प्रक्रिया आगे बढ़ाने का आश्वासन दिया। बकरोआ में हिमुडा के सहयोग से कमर्शियल कॉम्प्लेक्स विकसित करने तथा औहर में करीब 150 करोड़ रुपये से पर्यटन परिसर विकसित करने की जानकारी भी दी। क्षेत्र में 33 केवी सब-स्टेशन स्थापित किया जा रहा है। इस अवसर पर हिमुडा बोर्ड के निदेशक जितेंद्र चंदेल सहित पंचायत प्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी, कर्मचारी और योजना के लाभार्थी उपस्थित रहे।

स्वारघाट फोरलेन पर 16 ग्राम चिट्टे के साथ मंडी के दो युवक काबू

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। बिलासपुर पुलिस की विशेष जांच टीम ने नशा तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए स्वारघाट के गरा फोरलेन पर दो युवकों को 16 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस थाना स्वारघाट के तहत गरा फोरलेन पर लगाए गए नाके के दौरान किरतपुर से मंडी भराड़ी की ओर जा रही एक स्कूटी को जांच के लिए रोका गया। तलाशी के दौरान स्कूटी सवार युवकों के कब्जे से 16 ग्राम चिट्टा बरामद हुआ। पुलिस ने नशीले पदार्थ को कब्जे में लेकर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की पहचान वेदांश बैहल (30), पुत्र हरविलास बैहल, निवासी चौबाटा बाजार, मंडी सदर तथा शुभम (29), पुत्र नरेश कुमार, निवासी दरभयाना मोहल्ला, लोअर समखेतर, मंडी सदर के रूप में हुई है। पुलिस थाना स्वारघाट में दोनों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस नशीले पदार्थ के स्रोत और सप्लाई नेटवर्क को लेकर जांच कर रही है।

पूर्व विधायक राम रत्न शर्मा के निधन पर प्रो. प्रेम कुमार धूमल व अनुराग सिंह ठाकुर ने जताया शोक

◆ अंतिम यात्रा में इंद्रदत्त लखनपाल ने कंधा देकर दी श्रद्धांजलि, जनसेवा सामाजिक योगदान को किया याद

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। बड़सर विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक एवं वरिष्ठ समाजसेवी राम रत्न शर्मा के निधन पर पूर्व मुख्यमंत्री प्रो. प्रेम कुमार धूमल, सांसद अनुराग सिंह ठाकुर और बड़सर के विधायक इंद्रदत्त लखनपाल ने गहरा दुःख व्यक्त किया है। राम रत्न शर्मा की अंतिम यात्रा में शामिल होकर इंद्रदत्त लखनपाल ने उनकी अर्थी को कंधा दिया और भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना प्रकट की। पूर्व मुख्यमंत्री प्रो. प्रेम कुमार धूमल ने कहा कि राम रत्न शर्मा का सार्वजनिक जीवन समाज व राष्ट्र के प्रति समर्पण की मिसाल रहा। उन्होंने अपने राजनीतिक व सामाजिक जीवन में सदैव जनहित को प्राथमिकता दी। उनके निधन से सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में एक अनुभवी एवं समर्पित व्यक्तित्व का अभाव उत्पन्न हुआ है। उन्होंने कहा कि राम रत्न शर्मा के साथ बिताए समय और उनके जनसेवा के कार्य हमेशा स्मरण में रहेंगे। सांसद अनुराग ने राम रत्न शर्मा के निधन को क्षेत्र के लिए एक बड़ी क्षति बताते हुए कहा कि उन्होंने जनप्रतिनिधि के रूप में लोगों की समस्याओं को समझने और उनके समाधान के लिए निरंतर प्रयास किए। नादौन विधानसभा क्षेत्र से दो बार विधायक के रूप में उनका योगदान उल्लेखनीय रहा। उन्होंने कहा कि श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य मंदिर निर्माण के लिए चले लंबे आंदोलन में राम रत्न शर्मा की सक्रिय भूमिका और उनकी आस्था को हमेशा सम्मान के साथ याद किया जाएगा। भारतीय संस्कृति व सनातन परंपराओं के प्रति उनकी प्रतिबद्धता उनके व्यक्तित्व का अभिन्न हिस्सा थी। अनुराग ने कहा कि राम रत्न शर्मा केवल राजनीतिक क्षेत्र तक सीमित नहीं रहे, बल्कि सामाजिक जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में भी उन्होंने सक्रिय भूमिका निभाई। योग के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली का संदेश जन-जन तक पहुंचाने में उनका योगदान महत्वपूर्ण रहा। पतंजलि से जुड़े रहते हुए उन्होंने लोगों को योग और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने का कार्य किया। बड़सर विधायक इंद्रदत्त लखनपाल ने कहा कि राम रत्न शर्मा का जीवन जनसेवा, सामाजिक सरोकार और राष्ट्र एवं संस्कृति के प्रति समर्पण से जुड़ा रहा। अंतिम यात्रा में उन्हें कंधा देते हुए उन्हें विदाई देना उनके लिए भावुक क्षण था।

कांगू में जनस्वास्थ्य शिविर के दौरान 2 हजार से अधिक लोगों का किया चेकअप

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू द्वारा रविवार को गांव कांगू में शुरू किए गए जन स्वास्थ्य शिविर में चेकअप के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ी। इस शिविर में जनरल मेडिसिन, ईएनटी, हड्डी रोग, नेत्र रोग, शल्य चिकित्सा, महिला रोग, बाल रोग, मनोरोग, दंत रोग, न्यूरो सर्जरी, हृदय रोग और कई अन्य रोगों के विशेषज्ञ डॉक्टरों ने लोगों का चेकअप किया। आयुर्वेद और होम्योपैथी के विशेषज्ञों ने भी अपनी सेवाएं प्रदान कीं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सतीश कुमार फोतेदार ने बताया कि इस शिविर में लगभग 2020 लोगों का चैकअप किया गया। उन्होंने बताया कि गाइनी यानि स्त्री रोग विभाग की ओपीडी में सर्वाधिक 365 महिलाओं ने चैकअप करवाया। ऑर्थो यानि हड्डी रोग के विशेषज्ञों ने 253 और मेडिसिन विभाग के विशेषज्ञ डॉक्टरों ने 236 लोगों के स्वास्थ्य की जांच की। इसी प्रकार नेत्र रोग विशेषज्ञों ने 189, ईएनटी यानि कान, नाक एवं गले के विशेषज्ञों ने 159, त्वचा रोग के विशेषज्ञों ने 144, हृदय रोग 122, बाल रोग 77, गैस्ट्रोएंटोलॉजी 43, डेंटल 43, न्यूरोलॉजी 30, सर्जरी 23 और मनोचिकित्सा विभाग के विशेषज्ञ डॉक्टरों ने 18 लोगों की जांच की। स्वास्थ्य विभाग ने कुल मिलाकर 1740 लोगों की जांच की, जिनमें से महिलाओं की संख्या 1114, पुरुषों की 549 और शिशुओं की संख्या 77 रही। इस दौरान 1860 लोगों के विभिन्न प्रकार के टेस्ट, 72 लोगों के अल्ट्रासाउंड, 76 लोगों के शुगर टेस्ट, 43 लोगों के एचबी टैस्ट, 43 लोगों का बीएमआई, 35 के एक्स-रे और 110 लोगों के टीबी टैस्ट किए गए। 12 लोगों के मौके पर ही आयुष्मान कार्ड भी बनाए गए। इस दौरान लोगों को मुफ्त दवाइयां भी वितरित की गईं। उधर, आयुर्वेद विभाग के विशेषज्ञों ने भी 205 लोगों का चैकअप किया। इनमें 95 महिलाएं, 103 पुरुष और 7 शिशु शामिल हैं। होम्योपैथी के विशेषज्ञों से 75 लोगों ने अपनी जांच करवाई। इनमें 46 पुरुष और 29 महिलाएं शामिल रहीं।

खतरा भारी बारिश की चेतावनी के बीच बांधों से छोड़ा पानी, प्रदेश में 64 सड़कें बंद

हिमाचल में चार दिन भारी बारिश का अलर्ट

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में मानसून एक बार फिर सक्रिय होने के संकेत दे रहा है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने 31 अगस्त से 3 सितंबर तक प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में भारी बारिश की चेतावनी दी है। इस दौरान कई जिलों में भारी बारिश का येलो अलर्ट रहेगा। इस बीच सिरमौर के गिरि जटोंन बांध से पानी छोड़ा गया है और निचले व मैदानी इलाकों के लोगों को सतर्क रहने को कहा गया है। नाथपा बांध से भी शनिवार शाम अतिरिक्त पानी छोड़ा गया था। पिछले 24 घंटों में सिरमौर जिला के धौलाकुआं में सबसे अधिक 38.5 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है। प्रदेश में मानसून की गतिविधियां पिछले कुछ दिनों में कमजोर रही थीं, लेकिन अब बारिश का दौर फिर बढ़ने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार 31 अगस्त को कांगड़ा और सिरमौर में भारी बारिश का येलो अलर्ट है। 1 सितंबर को बिलासपुर, चंबा, कांगड़ा, मंडी, शिमला और सिरमौर में भारी बारिश की संभावना है। 2 सितंबर को हमीरपुर, चंबा और कांगड़ा में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है। 3 सितंबर को भी कुछ हिस्सों में भारी बारिश हो सकती है। विभाग के सात दिन के पूर्वानुमान में 31 अगस्त से 5 सितंबर तक अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना जताई गई है। 4 और 5 सितंबर को भारी बारिश की चेतावनी नहीं है। उधर, नाथपा बांध में पानी की आवक बढ़ने के बाद शनिवार शाम से रेडियल गेटों के माध्यम से करीब 145 क्यूमेक्स अतिरिक्त पानी छोड़ा गया। शिमला सहित प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में रविवार सुबह से बादल छाए हुए हैं। वहीं मैदानी इलाकों में बारिश कम होने या नहीं होने के कारण उमस बढ़ गई है। मौसम विभाग के अनुसार इस मानसून सीजन में अब तक प्रदेश में सामान्य से 10 फीसदी कम बारिश हुई है।

मानसून ने इस साल 30 जून को हिमाचल में दस्तक दी थी और आम तौर पर सितंबर के अंत तक इसकी विदाई की प्रक्रिया पूरी होती है। ऐसे में अगले कुछ दिनों की बारिश मानसून की आगे की गतिविधियों के लिहाज से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। बारिश कम होने के बाद भी मानसून से जुड़ी परेशानियां पूरी तरह खत्म नहीं हुई हैं। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार रविवार सुबह तक प्रदेश में भूस्खलन के कारण 64 सड़कें बंद थीं और 225 बिजली ट्रांसफार्मर काम नहीं कर रहे थे। इसके अलावा 9 पेयजल परियोजनाएं भी प्रभावित थीं। सड़क बंद होने के मामलों में मंडी सबसे आगे है। यहां 24 सड़कें बंद हैं। कुल्लू में 16, कांगड़ा और सिरमौर में सात-सात, ऊना में चार, शिमला में तीन, चंबा में दो और लाहौल-स्पीति में एक सड़क बंद है। बिजली आपूर्ति के मामले में मंडी के गोचर में 217 और लाहौल-स्पीति के उदयपुर में आठ ट्रांसफार्मर ठप हैं। पेयजल योजनाओं में हमीरपुर के बड़सर की सात और शिमला के रामपुर की दो योजनाएं प्रभावित हैं। इस मानसून सीजन में बारिश और इससे जुड़े हादसों में अब तक 250 लोगों की मौत और 449 लोग घायल हुए हैं। इनमें 147 लोगों की मौत सड़क हादसों में हुई है, जबकि भूस्खलन, फ्लैश फ्लड, बहने, फिसलने, पहाड़ी से गिरने और बारिश से जुड़ी अन्य घटनाओं में 103 लोगों की जान गई है।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

उप मुख्य अभियंता/निर्माण, उत्तर रेलवे, चंडीगढ़ भारत के राष्ट्रपति के वास्ते एवं ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए एक पैकेट प्रणाली के अंतर्गत निविदा आमंत्रित की जाती है।

निविदा का प्रकार	ई-निविदा (एक पैकेट प्रणाली)
निविदा संख्या	2-डब्ल्यू.सी/294/सीडीओ-I दिनांक 29.08.2026
कार्य का नाम	चंडीगढ़ में आवासी एवं सेवा भवनों, स्टोर की मरम्मत व अनुरक्षण, सड़कों का निर्माण एवं मरम्मत तथा अन्य संबद्ध कार्य।
कार्य की अनुमानित लागत	₹1,64,85,444/- (रुपये एक करोड़ चौसठ लाख पचासी हजार चार सौ चवालीस केवल)
धरोहर राशि	₹3,29,700/- (रुपये तीन लाख उनतीस हजार सात सौ केवल)
कार्य समापन की अवधि	12 (बारह) महीने
ई-निविदा जमा करने और निविदा खोलने की तिथि और समय	निविदाएं दिनांक 21.09.2026 को 15:00 बजे तक रेलवे वेबसाइट अर्थात www.ireps.gov.in पर अपलोड की जा सकती हैं। निविदाकर्ता ई-निविदा में भाग ले सकते हैं जो 21.09.2026 को 15:00 बजे खोली जाएगी।
विस्तृत निविदा सूचना और निविदा दस्तावेज	विस्तृत ई-निविदा सूचना और निविदा दस्तावेज वेबसाइट www.ireps.gov.in पर दिनांक 31.08.2026 से 21.09.2026 तक उपलब्ध होगा।

निविदा सं.: 2-डब्ल्यू.सी/294/सीडीओ-I दिनांक 29.08.2026 2990/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

15 सितंबर के बाद पंजाब में गठबंधन की तस्वीर बदलने के संकेत

भाजपा के फैसले पर टिकी निगाहें, अकाली गठबंधन और दल-बदल से गर्माएगा पंजाब का सियासी माहौल

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब विधानसभा चुनाव में अभी करीब छह महीने का समय बाकी है, लेकिन राजनीतिक दलों ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। आने वाले दिनों में पंजाब की राजनीति में गठबंधन, दल-बदल और चुनावी रणनीति को लेकर तस्वीर तेजी से बदल सकती है। खासतौर पर 15 सितंबर के बाद भाजपा की गतिविधियों और उसके संभावित राजनीतिक गठबंधन पर सभी की नजर रहेगी।

भाजपा 15 सितंबर से पंजाब में नशा विरोधी रैलियों का सिलसिला शुरू करने जा रही है। पार्टी इन रैलियों के जरिये नशे के मुद्दे को प्रमुखता से उठाने के साथ जनता के बीच अपनी राजनीतिक पकड़ का आकलन भी करेगी। रैलियों में मिलने वाला जनसमर्थन आगामी विधानसभा चुनाव की रणनीति तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। पार्टी यह भी परखना चाहेगी कि नशे के खिलाफ

उसका अभियान जनता के बीच कितना प्रभाव पैदा कर रहा है और संगठन चुनावी माहौल बनाने में कितना सक्षम है।

पंजाब प्रभारी सतीश पूनिया का दौरा अहम : इसी बीच भाजपा के नवनियुक्त पंजाब प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया 31 अगस्त से दो दिवसीय पंजाब दौरे पर पहुंच रहे हैं। इस दौरान प्रदेश नेतृत्व के साथ संगठन के विभिन्न स्तरों पर बैठकें होंगी। बैठकों में चुनावी तैयारियों, संगठन की स्थिति और आगामी रणनीति पर चर्चा की जाएगी। संभावित गठबंधन को लेकर पंजाब भाजपा के नेताओं से भी फीडबैक लिया जा सकता है। पूनिया के दौरे को पार्टी की आगामी रणनीति के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

अकाली दल के साथ गठबंधन पर नजर : भाजपा के सामने सबसे बड़ा राजनीतिक सवाल अकाली दल को लेकर है। पार्टी के सामने सुखबीर सिंह बादल के नेतृत्व वाले शिरोमणि अकाली दल के साथ दोबारा तालमेल करने या अकाली दल के दूसरे धड़े के साथ नया राजनीतिक समीकरण बनाने का विकल्प है। दोनों स्थितियों के अपने अलग राजनीतिक मायने हैं।

यदि भाजपा किसी अकाली धड़े के साथ गठबंधन करती है तो कई विधानसभा क्षेत्रों में वोटों का गणित बदल सकता है। संभावित गठबंधन में बसपा की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो सकती है। ऐसे में भाजपा के लिए फैसला केवल सीटों के बंटवारे तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि सामाजिक और क्षेत्रीय समीकरणों को भी ध्यान में रखना होगा।

कांग्रेस और आप अलग हुए तो बढ़ेगा मुकाबला : दूसरी ओर कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के अलग-अलग चुनाव लड़ने की स्थिति में पंजाब का मुकाबला और रोचक हो सकता है। अकाली दल भी यदि अलग मैदान में उतरता है तो कई विधानसभा क्षेत्रों में त्रिकोणीय या बहुकोणीय मुकाबला बनने की संभावना रहेगी। ऐसे मुकाबलों में कुछ हजार मतों का अंतर भी चुनावी परिणाम बदल सकता है।

चुनाव से पहले दल-बदल की राजनीति भी जोर पकड़ सकती है। विभिन्न दलों के असंतुष्ट नेता अपने राजनीतिक भविष्य को देखते हुए पाला बदल सकते हैं। प्रमुख दल ऐसे नेताओं की गतिविधियों पर नजर रख रहे हैं।

15 सितंबर के बाद साफ होगी तस्वीर : कुल मिलाकर 15 सितंबर के बाद पंजाब की राजनीति में रैलियों के साथ गठबंधन की रणनीति और नेताओं के दल बदलने पर भी नजर रहेगी। भाजपा के नशा विरोधी अभियान को मिलने वाला जनसमर्थन, डॉ. सतीश पूनिया के दौरे से मिलने वाला फीडबैक और अकाली दल को लेकर पार्टी का फैसला चुनावी दिशा तय करने में अहम हो सकता है।

'स्लीपर सेल' पर वड़िंग-रंधावा आमने-सामने, कांग्रेस की अंदरूनी कलह फिर हुई उजागर

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब कांग्रेस में जारी गुटबाजी के बीच प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग और वरिष्ठ नेता सुखजिंदर सिंह रंधावा के बीच 'स्लीपर सेल' और 'समझौता करने वाले नेताओं' को लेकर बयानबाजी तेज हो गई है। दोनों नेताओं के बीच बढ़ती तल्खी ने पार्टी की अंदरूनी खींचतान को एक बार फिर सार्वजनिक कर दिया है।

बाबा बकाला के राखड़ पुन्नया सम्मेलन के दौरान रंधावा ने कांग्रेस में 'स्लीपर सेल' और 'कंप्रोमाइज्ड लीडर' होने का मुद्दा उठाया था। उनके बयान के बाद प्रदेश अध्यक्ष राजा वड़िंग ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वह रंधावा से मिलकर पूछेंगे कि उन्होंने किन नेताओं के बारे में यह बात कही है। वड़िंग ने कहा कि राजनीतिक दलों में ऐसे लोग हो सकते हैं, लेकिन उनकी पहचान कर उन्हें सामने लाना जरूरी है।

वड़िंग के मुताबिक, ऐसे नेता पार्टी के राजनीतिक विरोधियों से भी ज्यादा नुकसान पहुंचा सकते हैं। उन्होंने रंधावा से इस मामले में स्पष्ट जानकारी देने की अपेक्षा जताई, ताकि यह पता चल सके कि आखिर उनका इशारा किसकी तरफ था।

इसके बाद शनिवार देर शाम सुखजिंदर सिंह रंधावा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर वड़िंग को जवाब दिया। उन्होंने लिखा, 'वही घर है, वही रंधावा, जदों भी तुसी आओगे तुहाडा... मोस्ट वेलकम।' रंधावा की इस पोस्ट के बाद कांग्रेस नेताओं और राजनीतिक हलकों में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया। इसे वड़िंग के बयान पर रंधावा का सीधा राजनीतिक जवाब माना जा रहा है।

वहीं, बाबा बकाला में आयोजित राखड़ पुन्नया सम्मेलन में राजा वड़िंग की गैरमौजूदगी को लेकर भी सवाल उठे। सम्मेलन में चन्नी खेमे के नेताओं की प्रमुख मौजूदगी रही। सुखजिंदर सिंह रंधावा के अलावा राणा गुरजीत सिंह और तृप्त राजिंदर सिंह बाजवा समेत कई वरिष्ठ नेता कार्यक्रम में शामिल हुए।

न्यूज ब्रीफ

फिरोजपुर की जीत कौर ने जीता 21 लाख का इनाम

भारतेन्दु संवाददाता, फिरोजपुर। पंजाब स्टेट डियर वीकली लॉटरी में 21 लाख रुपये का पहला इनाम जीतने वाली फिरोजपुर के गोबिंद नगरी की रहने वाली जीत कौर सामने आई हैं। टिकट दिखाने दुकान पहुंचीं जीत कौर को दुकानदार परविंदर सिंह ने इनाम निकलने की जानकारी दी। खबर सुनते ही वह खुशी से झूम उठीं। मौके पर ढोल बजाए गए और पटाखे भी फोड़े गए। पति की मौत के बाद जीत कौर अपने इकलौते बेटे के साथ रहती हैं। उन्होंने बताया कि उनका घर टूटा हुआ है और लंबे समय से पक्का मकान बनाने का सपना था। उन्होंने कहा कि 21 लाख रुपये की इनामी राशि से अब वह अपना यह सपना पूरा करेंगी। दुकानदार ने बताया कि वह लगातार विजेता की तलाश कर रहे थे।

बठिंडा थर्मल प्लांट की चौथी यूनिट बंद होने से बिजली उत्पादन ठप

भारतेन्दु संवाददाता,बठिंडा। लेहरा मोहब्बत स्थित गुरु हरिगोबिंद थर्मल प्लांट की 210 मेगावाट क्षमता वाली चौथी यूनिट भी तकनीकी खराबी के कारण बंद हो गई। इससे प्लांट की चारों यूनिटों से बिजली उत्पादन ठप हो गया है। इससे पहले तीन यूनिट करीब 15 दिनों से बंद हैं। चौथी यूनिट से वीरवार को करीब 167 मेगावाट बिजली पैदा हो रही थी। तकनीकी टीमें इसे दोबारा चालू करने में जुटी हैं। अधिकारी के अनुसार आउटसोर्स कर्मचारियों की हड़ताल से भी प्लांट के संचालन और रखरखाव पर असर पड़ा है। कर्मचारी पीएसपीसीएल में सीधे नियुक्ति की मांग को लेकर हड़ताल पर हैं। प्रबंधन बंद यूनिटों की तकनीकी जांच और मरम्मत कर उन्हें चरणबद्ध तरीके से शुरू करने का प्रयास कर रहा है।

एक दिन की देरी से टला बड़ा संकट, कैलाश यात्रा पर गए 21 लोग सुरक्षित

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। नेपाल में आई भीषण बाढ़ के बीच कैलाश मानसरोवर यात्रा पर गए चंडीगढ़ के सेक्टर-19 निवासी चार्टर्ड अकाउंटेंट रचित गोयल और उनके 20 साथी सुरक्षित हैं। यात्रा के दौरान एक साथी की तबीयत अचानक बिगड़ने के कारण दल को कैलाश पर्वत की चढ़ाई एक दिन के लिए स्थगित करनी पड़ी। ऊंचाई पर सांस लेने में परेशानी के चलते साथी आगे बढ़ने की स्थिति में नहीं था। बाद में दल को पता चला कि जिस दिन उन्होंने चढ़ाई टाली थी, उसी दौरान नेपाल में बड़ा हादसा हुआ। रचित गोयल के अनुसार, यदि दल तय कार्यक्रम के अनुसार आगे बढ़ता तो उनके सामने गंभीर संकट खड़ा हो सकता था। उन्होंने इसे भगवान शिव की कृपा बताया। उनका कहना है कि साथी की तबीयत खराब होना महज संयोग नहीं था, बल्कि उसी एक दिन की देरी ने उन्हें बड़े खतरे से बचा लिया। नेपाल में बाढ़ से बड़ी संख्या में लोगों की मौत हुई है और कई भारतीय भी लापता बताए गए हैं।

नशे के खिलाफ आवाज उठाने वाले सरपंच पर तीसरी बार जानलेवा हमला

भारतेन्दु संवाददाता, अमृतसर। पंजाब के अटारी गांव के सरपंच हरप्रीत सिंह ने आरोप लगाया है कि नशा तस्करों के सहयोगियों ने उन पर और उनके एक समर्थक पर हमला किया। सरपंच के अनुसार नशे के खिलाफ आवाज उठाने के कारण उनकी जान लेने की यह तीसरी कोशिश है। उन्होंने इंटरनेट मीडिया पर वीडियो जारी कर कई लोगों के नाम उजागर किए और उन पर नशे के कारोबार में शामिल होने के आरोप लगाए। हरप्रीत सिंह का कहना है कि गांव में खुलेआम नशा बिकने और सीमा पार से तस्करी की शिकायतों के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई।

पहचान पत्र मांगने पर होटल में हुआ विवाद

भारतेन्दु संवाददाता, अमृतसर। श्री हरि मंदिर साहिब के पास स्थित केसी होटल में रविवार सुबह पहचान पत्र मांगने को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि तीन युवक होटल में ठहरी लड़कियों के कमरों में जाने की बात कह रहे थे। होटल प्रबंधन ने उनसे पहचान पत्र मांगा तो वे गाली-गलौज करने लगे और कर्मचारियों से मारपीट की। कुछ देर बाद तीनों युवक पांच-छह अन्य साथियों के साथ दोबारा होटल पहुंचे। आरोप है कि सभी ने होटल प्रबंधन के सदस्यों के साथ मारपीट की और होटल के शीशे तोड़ दिए। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने होटल प्रबंधन से जानकारी लेने के साथ आसपास लगे निगरानी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है।

अनाथ बच्चों के सपनों को मिलेगा सहारा, पंजाब सरकार ने 432 करोड़ का बजट किया निर्धारित

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब में माता-पिता का साया खो चुके और परिवार की देखभाल से वंचित बच्चों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए राज्य सरकार ने आर्थिक सहायता का दायरा मजबूत किया है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में अनाथ एवं आश्रित बच्चों के लिए सरकार ने 432.38 करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया है। इसमें से अब तक 181.23 करोड़ रुपये जारी किए जा चुके हैं। सरकार के अनुसार, योजना का लाभ प्रदेश के करीब 2.45 लाख बच्चों को मिल रहा है।

सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि पात्र बच्चों को आर्थिक सहायता समय पर मिले। आर्थिक परेशानियों के कारण बच्चों की पढ़ाई प्रभावित न हो और उन्हें आगे बढ़ने के पर्याप्त अवसर मिलें, इसके लिए योजना के

तहत लगातार सहायता उपलब्ध करवाई जा रही है।

21 वर्ष से कम आयु के बच्चे योजना में शामिल : योजना के तहत 21 वर्ष से कम आयु के उन बच्चों को आर्थिक सहायता दी जाती है, जिनके माता-पिता दोनों की मृत्यु हो चुकी है। इसके अलावा ऐसे बच्चों को भी योजना के दायरे में शामिल किया गया है, जिनके माता-पिता दोनों घर से अनुपस्थित हैं या शारीरिक अथवा मानसिक रूप से असमर्थ होने के कारण बच्चों की देखभाल करने की स्थिति में नहीं हैं। ऐसे बच्चों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए सरकार आर्थिक मदद उपलब्ध करवाती है।

शिक्षा और भविष्य को लेकर सरकार गंभीर : डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि आर्थिक मजबूरी के कारण किसी भी बच्चे की शिक्षा और उसके सपनों पर असर नहीं पड़ना चाहिए। सरकार की ओर से मिलने वाली सहायता बच्चों की पढ़ाई, रोजमर्रा की आवश्यकताओं और भविष्य की तैयारियों में सहायक साबित हो रही है।

लुधियाना में किसानों का पक्का मोर्चा मांगें पूरी होने तक धरना रहेगा जारी

भारतेन्दु संवाददाता, लुधियाना

भारतीय किसान यूनियन एकता उगराहां की ओर से रविवार को लुधियाना के मिनी सचिवालय स्थित उपायुक्त कार्यालय के बाहर पक्का मोर्चा शुरू कर दिया गया। किसान नेताओं ने स्पष्ट किया कि उनकी मांगें पूरी होने तक धरना दिन-रात लगातार जारी रहेगा। दोपहर करीब 12 बजे किसान ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के साथ मिनी सचिवालय पहुंचे और धरना शुरू किया।

किसान अपने साथ ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में राशन, पानी और धरने के लिए जरूरी सामान लेकर पहुंचे हैं। सड़क किनारे ट्रैक्टर-ट्रॉलियां खड़ी की गई हैं। किसान नेताओं का कहना है कि इससे यातायात प्रभावित नहीं हो रहा है। धरने में शामिल किसानों के लिए भोजन, पानी और चाय की व्यवस्था भी की गई है। रात में बारिश की संभावना को देखते हुए तिरपाल समेत अन्य जरूरी इंतजाम किए गए हैं।

किसान नेता सुदागर सिंह घुड़ाणी ने कहा कि यह मोर्चा 24 घंटे जारी रहेगा। किसान दिन-रात मौके पर मौजूद रहेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार और प्रशासन तक किसानों की मांगों की आवाज पहुंचाने के लिए यह पक्का मोर्चा लगाया गया है। जब तक मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं होती, आंदोलन जारी रहेगा।

किसानों की प्रमुख मांगों में भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को रद्द करना शामिल है। किसान नेताओं का कहना है कि इस तरह के समझौते का कृषि क्षेत्र पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। विदेशी कृषि उत्पादों की आमद बढ़ने से पंजाब के किसानों की फसलों, डेयरी कारोबार और इससे जुड़े उद्योगों को नुकसान होने की आशंका है। किसान सरकार से इस मामले में अपने हितों को प्राथमिकता देने की मांग कर रहे हैं।

इसके अलावा किसानों ने भूमि पूलिंग नीति को रद्द करने की मांग भी उठाई है। उनका कहना है कि किसानों की जमीन लेने की प्रक्रिया को किसी भी रूप में आगे नहीं बढ़ाया जाना चाहिए।

चन्नी गुट के शक्ति प्रदर्शन से बढ़ा विवाद, वड़िंग खेमे की गैरमौजूदगी बनी चर्चा का विषय

राहुल गांधी के दौरे से पहले पंजाब कांग्रेस की गुटबाजी ने हाईकमान की बढ़ाई चिंता

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब कांग्रेस में गुटबाजी खत्म करना पार्टी हाईकमान के लिए लगातार चुनौती बना हुआ है। दिल्ली में एकजुटता का दावा करने वाले प्रदेश के नेता पंजाब पहुंचते ही अलग-अलग खेमों में नजर आने लगते हैं। ऐसे समय में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी के सितंबर में प्रस्तावित पंजाब दौरे से पहले प्रदेश नेताओं को एक मंच पर लाना हाईकमान के लिए बड़ी परीक्षा बन गया है।

पार्टी के लिए सबसे बड़ी परेशानी पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के नेतृत्व वाले गुट को लेकर है। चन्नी गुट प्रदेश में अलग-अलग कार्यक्रमों के जरिये लगातार अपनी राजनीतिक ताकत का प्रदर्शन कर रहा है। हाल में लुधियाना के इसड़ू में आयोजित कार्यक्रम के बाद अमृतसर के बाबा बकाला में रक्खड़ पुन्नया के अवसर पर हुई रैली में भी यही

तस्वीर देखने को मिली। इन कार्यक्रमों में चन्नी गुट की सक्रियता साफ दिखाई दी, जबकि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग के खेमे की भागीदारी सीमित रही।

कांग्रेस में गुटबाजी कोई नई बात नहीं है। पहले भी राजिंदर कौर भट्ठल, नवजोत सिंह सिद्धू और कैप्टन अमरिंदर सिंह के अलग-अलग गुट रहे हैं। उनके बीच मतभेद और बयानबाजी भी होती रही, लेकिन हाईकमान कई मौकों पर सभी नेताओं को एक मंच पर लाने में सफल रहा। मौजूदा स्थिति में चन्नी गुट ने राजा वड़िंग के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है और कई प्रयासों के बावजूद दोनों खेमों के बीच दूरी कम नहीं हो पा रही है।

शुक्रवार को बाबा बकाला में रक्खड़ पुन्नया के अवसर पर चन्नी गुट की ओर से आयोजित रैली में प्रदेश अध्यक्ष राजा वड़िंग का चित्र पोस्टर पर जरूर दिखाई दिया, लेकिन वह स्वयं कार्यक्रम में नहीं पहुंचे। उनके गुट का कोई प्रमुख नेता भी मंच पर नजर नहीं आया। इससे पार्टी के भीतर चल रही खींचतान एक बार फिर खुलकर सामने आ गई।

बाद में प्रदेश नेतृत्व की ओर से यह तर्क दिया गया कि कार्यक्रम स्थानीय स्तर पर आयोजित किया गया था और यह जरूरी नहीं कि प्रत्येक कार्यक्रम में पार्टी के सभी वरिष्ठ नेता मौजूद रहें। शनिवार को राजा वड़िंग ने भी सफाई देते हुए कहा कि उनके अलावा कई अन्य वरिष्ठ नेता भी कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए थे। हालांकि, राजनीतिक हलकों में इसे कांग्रेस के भीतर जारी गुटीय खींचतान से जोड़कर देखा जा रहा है।

पीयू चुनाव में 16,448 छात्र डालेंगे वोट, पुलिस की कड़ी निगरानी

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव के लिए शनिवार को प्रचार का आखिरी दिन रहा। कई दिनों से कैंपस में चल रहा चुनावी शोर अब थम गया है। हालांकि इंटरनेट मीडिया के माध्यम से प्रत्याशियों और छात्र संगठनों का प्रचार जारी है। सोमवार को मतदान के बाद तय होगा कि छात्रसंघ की कमान किस संगठन और उम्मीदवार के हाथों में जाएगी। इस चुनाव को आगामी पंजाब विधानसभा चुनाव की राजनीतिक जमीन तैयार करने की दृष्टि से भी अहम माना जा रहा है।

चुनाव प्रचार के दौरान पंजाब और हरियाणा के नेताओं के साथ अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों और चर्चित गायकों ने भी अपने-अपने समर्थित प्रत्याशियों के पक्ष में प्रचार किया। हरियाणा से कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा और पंजाब से आम आदमी पार्टी के सांसद गुरमीत सिंह मीत हेयर पीयू पहुंचे। हरियाणवी गायक मासूम शर्मा और गजेंद्र फोगाट के अलावा लंदन ओलंपिक में कांस्य पदक जीत चुके योगेश्वर

◆ 450 पुलिस जवान संभालेंगे कैंपस की सुरक्षा, चुनाव परिणाम पर रहेंगी सभी की नजरें

दत्त ने भी इंटरनेट मीडिया के जरिए प्रत्याशियों के लिए समर्थन मांगा।

इस बार कुल 16,448 छात्र मतदान के पात्र हैं। पिछले वर्ष 16,124 छात्र मतदाता थे। पिछले चुनाव में करीब 59 प्रतिशत मतदान हुआ था। इस बार मतदान प्रतिशत बढ़ाना छात्र संगठनों के सामने बड़ी चुनौती है। रक्षाबंधन के कारण घर गए छात्रों की वापसी और रविवार की छुट्टी के बाद सोमवार को मतदान होने से मतदान प्रतिशत पर असर पड़ सकता है।

चुनाव को शांतिपूर्ण ढंग से कराने के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। कैंपस में 140 विश्वविद्यालय सुरक्षा कर्मियों और 450 चंडीगढ़ पुलिस जवानों की तैनाती रहेगी। संवेदनशील स्थानों पर कैमरों से निगरानी की जाएगी और अतिरिक्त सीसीटीवी लगाए गए हैं। कैंपस में प्रवेश करने वाले वाहनों की भी जांच की जा रही है।

नशे के खिलाफ 20 सितंबर को जुटेगी युवा शक्ति

सेक्टर-17 प्लाजा में हजारों युवा लेंगे नशे से दूर रहने और समाज को जागरूक करने का संकल्प

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब के साथ-साथ हरियाणा और चंडीगढ़ में भी नशे की चुनौती लगातार गंभीर होती जा रही है। युवाओं को नशे के खिलाफ जागरूक करने और उन्हें इस सामाजिक अभियान से जोड़ने के उद्देश्य से 20 सितंबर को चंडीगढ़ के सेक्टर-17 प्लाजा में 'रद्दठ ',द्दड्डद्वठ्ठह्यह्ल ष्ठह्म्ह्वद्दह्य' कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में शहर के विभिन्न कॉलेजों, शिक्षण संस्थानों और समाज के अलग-अलग वर्गों से हजारों युवाओं के शामिल होने की उम्मीद है। कार्यक्रम के माध्यम से युवा पीढ़ी को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के साथ नशे से दूर रहने और दूसरों को भी इसके खिलाफ जागरूक करने का संकल्प दिलाया जाएगा।

कार्यक्रम के संयोजक संजीव राणा ने कहा कि नशा आज केवल किसी एक व्यक्ति या परिवार की समस्या नहीं रह गया है, बल्कि यह समाज और देश की युवा शक्ति के सामने गंभीर चुनौती बन चुका है। नशे की गिरफ्त में आने वाला युवा अपने स्वास्थ्य, शिक्षा और भविष्य को नुकसान पहुंचाने के साथ परिवार और समाज को भी प्रभावित करता है। ऐसे में युवाओं को स्वयं आगे आकर नशे के खिलाफ मजबूत सामाजिक अभियान का नेतृत्व करना होगा।

नई पीढ़ी दिखाएगी सामाजिक जिम्मेदारी : संजीव राणा ने कहा कि 'रद्दठ ' को अक्सर सोशल मीडिया, नए रुझानों और विरोध-प्रदर्शनों से जोड़कर देखा जाता है, लेकिन 20 सितंबर का कार्यक्रम यह संदेश देगा कि नई पीढ़ी समाज और राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारी को भी गंभीरता से समझती है। हजारों युवा एक मंच पर एकत्र होकर नशे के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करेंगे।

उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में युवा यह संकल्प लेंगे कि वे स्वयं नशे से दूर रहेंगे और अपने आसपास के दूसरे युवाओं को भी इसके दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक करेंगे। इस अभियान का उद्देश्य युवाओं में केवल नशे के प्रति भय पैदा करना नहीं, बल्कि उन्हें स्वस्थ जीवनशैली और सकारात्मक सोच के लिए प्रेरित करना भी है।

अभिभावकों से भी अभियान में जुड़ने की अपील : संजीव राणा ने कहा कि यह कार्यक्रम केवल युवाओं का नहीं, बल्कि उन सभी माता-पिता और परिवारों का भी है, जो अपने बच्चों को सुरक्षित, स्वस्थ और नशामुक्त देखना चाहते हैं। उन्होंने अभिभावकों से भी 20 सितंबर को सेक्टर-17 प्लाजा पहुंचकर अभियान का हिस्सा बनने की अपील की।

उन्होंने कहा कि बच्चों को नशे से बचाने की जिम्मेदारी केवल सरकार, पुलिस या शिक्षण संस्थानों की नहीं हो सकती। परिवार और समाज की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। अभिभावकों को अपने बच्चों के साथ संवाद बनाए रखना होगा और उनकी संगत, व्यवहार तथा मानसिक स्थिति को समझने का प्रयास करना होगा।

युवा शक्ति बनेगी नशे के खिलाफ दीवार : संजीव राणा ने कहा कि भारत की सबसे बड़ी ताकत उसकी युवा शक्ति है। इस शक्ति को नशे की गिरफ्त में जाने से रोकना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। जागरूक और संगठित युवा ही नशे के खिलाफ सबसे मजबूत दीवार बन सकते हैं।

उन्होंने कहा कि 20 सितंबर को सेक्टर-17 प्लाजा से नशे के खिलाफ एक मजबूत संदेश दिया जाएगा। हजारों युवाओं की भागीदारी से यह अभियान नई पीढ़ी को नशामुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित करेगा। कार्यक्रम में युवाओं के साथ अभिभावकों और समाज के अन्य वर्गों को भी जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि 'नशे को ना, जिंदगी को हां' के संदेश के साथ युवाओं और समाज को सुरक्षित भविष्य का संकल्प लेना होगा। यदि परिवार, शिक्षण संस्थान, सामाजिक संगठन और युवा मिलकर प्रयास करें तो नशे की चुनौती से प्रभावी ढंग से निपटा जा सकता है।

सीवर लाइन बिछाए बिना भुगतान का आरोप अफसरों को बचाने के लिए जूनियर्स पर दबाव

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

नगर निगम चंडीगढ़ में अमृत योजना के तहत इंडस्ट्रियल एरिया फेज-1 में कराए गए सीवर पाइपलाइन कार्य को लेकर गड़बड़ी का मामला सामने आया है। आरोप है कि 598 मीटर सीवर पाइपलाइन बिछाने के नाम पर भुगतान किया गया, जबकि मौके पर निरीक्षण के दौरान करीब 380 मीटर पाइपलाइन ही मिली। इस तरह कागजों और मौके पर हुए कार्य में करीब 218 मीटर का अंतर सामने आया है।

मामले में यह भी आरोप लगाया जा रहा है कि अधिकारियों की भूमिका पर सवाल उठने के बाद कनिष्ठ कर्मचारियों पर दबाव बनाया जा रहा है। उनसे कथित तौर पर यह लिखकर देने को कहा जा रहा है कि सर्वे रिपोर्ट गलत तैयार की गई थी और सीवर पाइपलाइन अन्य स्थानों पर भी बिछाई गई है। हालांकि, संबंधित कर्मचारियों का कहना है कि सर्वे रिपोर्ट वास्तविक स्थिति के आधार पर तैयार की गई है।

मामला सामने आने के बाद नगर निगम के मुख्य अभियंता कार्यालय ने इसे गंभीरता से लेते हुए विस्तृत जांच

के आदेश दिए हैं। 27 अगस्त को जारी पत्र में अधीक्षण अभियंता को व्यक्तिगत निगरानी में जांच करने और तीन दिन के भीतर तथ्यात्मक रिपोर्ट मुख्य अभियंता कार्यालय में जमा कराने के निर्देश दिए गए हैं।

एस्टीमेट और मौके के काम का होगा मिलान : जांच में स्वीकृत प्राक्कलन और डीएनआईटी में निर्धारित कार्यक्षेत्र का मौके पर हुए वास्तविक कार्य से मिलान किया जाएगा। साथ ही माप पुस्तिका में दर्ज मात्रा, तैयार बिलों और ठेकेदार को किए गए भुगतान की भी जांच होगी। 598 मीटर और 380 मीटर के आंकड़ों का संयुक्त रूप से दोबारा माप कर सत्यापन किया जाएगा।

अधिकारियों की भूमिका भी जांच के दायरे में : जांच केवल पाइपलाइन की मात्रा तक सीमित नहीं रहेगी। कनिष्ठ अभियंता से लेकर कार्यकारी अभियंता स्तर तक उन अधिकारियों की भूमिका भी देखी जाएगी, जिन्होंने माप दर्ज की, जांच की, उसे प्रमाणित किया और बिलों को मंजूरी दी। संबंधित माप पुस्तिका, स्वीकृत प्राक्कलन, बिल, भुगतान विवरण और अन्य दस्तावेज भी जांच रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करने होंगे।

यदि स्वीकृत कार्यक्षेत्र से बाहर बिना सक्षम अनुमति के अतिरिक्त काम कराकर उसका भुगतान किए जाने की पुष्टि होती है तो जिम्मेदारी तय कर नियमों के तहत कार्रवाई की जाएगी।

बारिश के बावजूद श्रद्धालुओं का उत्साह बरकरार, सुरक्षा बलों की निगरानी में सुचारु यात्रा जारी

सुहावने मौसम में वैष्णो देवी यात्रा जारी नौ हजार श्रद्धालु भवन की ओर हुए रवाना

भारतेंदु संवाददाता, कटड़ा। सुहावने मौसम और ठंडी हवाओं के बीच रविवार को मां वैष्णो देवी की यात्रा लगातार जारी रही। तड़के कुछ समय के लिए हुई बारिश के बावजूद श्रद्धालुओं के उत्साह में कमी नहीं आई। परिवार और मित्रों के साथ पहुंचे श्रद्धालु जयकारे लगाते हुए भवन की ओर बढ़ते रहे। बारिश के दौरान कुछ श्रद्धालु यात्रा मार्ग पर बनाए गए आश्रय स्थलों में रुककर मौसम साफ होने का इंतजार करते नजर आए। बारिश थमने के बाद उन्होंने दोबारा यात्रा शुरू कर दी।

बरसात के मौसम को देखते हुए मां वैष्णो देवी के सभी यात्रा मार्गों पर श्राइन बोर्ड प्रशासन की ओर से विशेष सतर्कता बरती जा रही है। आपदा प्रबंधन दल, पुलिस और सीआरपीएफ के जवान लगातार तैनात हैं। यात्रा मार्गों पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधाओं की निगरानी की जा रही है। संभावित मौसम संबंधी चुनौतियों को देखते हुए संबंधित विभागों की टीमें भी सक्रिय हैं।

यात्रा मार्गों पर साफ-सफाई व्यवस्था बनाए रखने के लिए सफाई कर्मचारियों की टीमें तैनात हैं। बारिश के कारण रास्तों पर किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए भी निगरानी की जा रही है। प्रशासन की ओर से श्रद्धालुओं से मौसम को ध्यान में रखते हुए सावधानी बरतने की अपील की जा रही है।

भवन की ओर बढ़ते रहे श्रद्धालु : रविवार को मौसम पल-पल बदलता रहा। दोपहर तक त्रिकूट पर्वत पर बादलों का जमघट लगा रहा। इसके बीच कई बार सूर्य के दर्शन भी हुए। दिनभर ठंडी हवाएं चलती रहीं। मौसम सुहावना होने से यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं को राहत मिली। बारिश के बावजूद श्रद्धालु पंजीकरण करवाने के बाद जयकारे लगाते हुए भवन की ओर रवाना होते रहे।

दोपहर दो बजे तक करीब नौ हजार श्रद्धालु पंजीकरण करवाकर भवन की ओर जा चुके थे। वहीं, कटड़ा पहुंचने वाले श्रद्धालुओं का सिलसिला भी लगातार जारी रहा। यात्रा मार्ग पर जगह-जगह श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए संबंधित टीमें मौजूद रहीं।

बाजारों में यात्रा बढ़ने की उम्मीद : वर्तमान में श्रद्धालुओं की संख्या में अपेक्षाकृत कमी के कारण कटड़ा के बाजारों में सामान्य दिनों की तुलना में कम रौनक दिखाई दे रही है। हालांकि, भवन से दर्शन कर लौटने वाले श्रद्धालु प्रसाद और अन्य सामान की खरीदारी करते नजर आए। इससे बाजारों में कुछ चहल-पहल बनी रही।

कटड़ा के व्यापारियों को उम्मीद है कि कृष्ण जन्माष्टमी उत्सव के बाद मां वैष्णो देवी की यात्रा में बढ़ोतरी होगी। व्यापारी वर्ग का कहना है कि श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने से बाजारों में भी कारोबार को गति मिलेगी। होटल, दुकान और अन्य पर्यटन आधारित कारोबार से जुड़े लोग भी यात्रा बढ़ने की उम्मीद लगाए हुए हैं।

मीरवाइज ने आगा रुहुल्लाह को अनुच्छेद 370 पर दिया समर्थन

मीरवाइज ने सभी दलों से जम्मू-कश्मीर के अधिकारों की आवाज उठाने की अपील की

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर की राजनीति में अनुच्छेद 370 और राज्य के दर्जे को लेकर एक बार फिर सियासी बहस तेज हो गई है। हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के चेयरमैन मीरवाइज उमर फारूक ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के श्रीनगर सांसद आगा रुहुल्लाह मेहदी के अनुच्छेद 370 को लेकर अपनाए गए रुख का खुलकर समर्थन किया है। साथ ही उन्होंने नेशनल कॉन्फ्रेंस पर विधानसभा चुनाव के दौरान किए गए वादों को पूरा नहीं करने का आरोप लगाया।

मीरवाइज ने कहा कि आगा रुहुल्लाह ही नहीं बल्कि सभी राजनीतिक दलों और संगठनों को जम्मू-कश्मीर के लोगों के अधिकारों और संवैधानिक गारंटियों के लिए आवाज उठानी चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य का दर्जा और अनुच्छेद 370 की बहाली जैसे मुद्दों को राजनीतिक दलों को मजबूती से उठाना चाहिए।

लोगों के अधिकारों को लेकर जताई चिंता : मीरवाइज ने आरोप लगाया कि जम्मू-कश्मीर के लोगों के अधिकारों को कमजोर किया गया है और क्षेत्र को बांट दिया गया है। उन्होंने कहा कि बिजली, सड़क और विकास से जुड़े मुद्दे महत्वपूर्ण हैं, लेकिन लोगों के संवैधानिक अधिकार और भविष्य इससे भी बड़ा विषय हैं। उनके अनुसार, राजनीतिक दलों को इन मुद्दों को प्राथमिकता देनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि वर्ष 1947 के बाद केंद्र सरकार की ओर से जम्मू-कश्मीर के लोगों से किए गए संवैधानिक वादों को लेकर लगातार सवाल उठते रहे हैं। ऐसे में सभी दलों को लोगों के अधिकारों के लिए सामूहिक रूप से आवाज उठाने की जरूरत है। आगा रुहुल्लाह मेहदी पहले भी अनुच्छेद 370 की बहाली को लेकर अपनी मांग स्पष्ट कर चुके हैं। उनके रुख को लेकर नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला से मतभेद सामने आए हैं।

युवाओं और रोजगार का उठाया मुद्दा

मेहदी ने जम्मू-कश्मीर के युवाओं की स्थिति पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की लगभग 65 प्रतिशत आबादी युवा है, लेकिन उनके सामने रोजगार और अवसरों की कमी बड़ी चुनौती बनी हुई है। उन्होंने आशंका जताई कि युवाओं का भविष्य लगातार अनिश्चित होता जा रहा है। मीरवाइज के समर्थन से अनुच्छेद 370 और राज्य के दर्जे का मुद्दा एक बार फिर जम्मू-कश्मीर की राजनीति के केंद्र में आ गया है।

न्यूज ब्रीफ

जम्मू-कश्मीर के मेडिकल इंटर्न आज से हड़ताल पर स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग, 2023 में हुई थी सिफारिश

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में कार्यरत एमबीबीएस और बीडीएस इंटर्न 31 अगस्त से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने की तैयारी में हैं। इंटर्न का कहना है कि मासिक भत्ते में बढ़ोतरी की सिफारिश के बावजूद सरकार की ओर से निर्णय लेने में लगातार देरी की जा रही है। वर्तमान में उन्हें हर महीने 12 हजार रुपये भत्ता मिल रहा है, जिसे वे देश के अन्य राज्यों की तुलना में काफी कम बता रहे हैं। इंटर्न के अनुसार एक साल की अनिवार्य इंटर्नशिप के दौरान उन्हें लंबे समय तक काम करना पड़ता है और कठिन चिकित्सकीय जिम्मेदारियां निभानी होती हैं। इसके बावजूद उन्हें अपेक्षाकृत कम आर्थिक सहायता मिल रही है। भत्ते में संशोधन का प्रस्ताव फिलहाल वित्त विभाग के पास लंबित बताया जा रहा है। जीएमसी डोडा की रेजिडेंट चिकित्सक एसोसिएशन ने भी सरकार से इस मामले में शीघ्र निर्णय लेने की मांग की है। एसोसिएशन ने कहा कि कई राज्यों में इंटर्न के भत्ते में बढ़ोतरी हो चुकी है। उत्तर प्रदेश में हाल ही में इसे बढ़ाकर 30 हजार रुपये प्रतिमाह किया गया है। वर्ष 2023 में गठित समिति ने जम्मू-कश्मीर में एमबीबीएस और बीडीएस इंटर्न का भत्ता 12 हजार से बढ़ाकर 25 हजार रुपये प्रतिमाह करने की सिफारिश की थी।

पूर्व मंत्री गुलाम हसन खान का शोपियां में लंबी बीमारी के बाद निधन से क्षेत्र में शोक

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मंत्री और वरिष्ठ नेता गुलाम हसन खान का शनिवार शाम दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले में लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। परिवार के एक सदस्य ने उनके निधन की जानकारी दी। उनके निधन की खबर सामने आने के बाद राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। गुलाम हसन खान ने वर्ष 2002 में जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव जीतकर सक्रिय राजनीति में महत्वपूर्ण कदम रखा था। चुनाव में जीत दर्ज करने के बाद वह विधानसभा पहुंचे और बाद में सरकार में समाज कल्याण राज्य मंत्री के रूप में जिम्मेदारी संभाली। मंत्री पद पर रहते हुए उन्होंने समाज कल्याण से जुड़े विभिन्न मामलों में अपनी सेवाएं दीं। राजनीतिक जीवन के बाद के दौर में खान ने पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी से अलग राह अपना ली थी। वर्ष 2008 में उन्होंने विधानसभा चुनाव निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर लड़ा, हालांकि इस चुनाव में उन्हें सफलता नहीं मिली। परिवार के अनुसार, गुलाम हसन खान का अंतिम संस्कार शोपियां स्थित उनके पैतृक कब्रिस्तान में किया जाएगा। उनके निधन की सूचना मिलते ही परिवार, रिश्तेदारों, समर्थकों और स्थानीय लोगों में शोक की लहर फैल गई।

खाद्य सुरक्षा पर शिकंजा, 140 ठिकानों की जांच से मचा हड़कंप

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने जम्मू-कश्मीर के विभिन्न जिलों में खाद्य सुरक्षा को लेकर व्यापक जांच अभियान चलाया। अभियान के दौरान 140 खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया और गुणवत्ता व सुरक्षा की जांच के लिए खाद्य पदार्थों के 55 नमूने लिए गए। इनमें दूध एवं दूध से बने उत्पाद, खाद्य तेल और मसाले शामिल रहे। अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 की धारा 32 के अंतर्गत विभिन्न खाद्य कारोबारियों को 17 सुधार नोटिस जारी किए गए। वहीं धारा 69 के तहत 11 मामलों का निपटारा करते हुए कुल 11 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया।

गृह मंत्रालय नए शासन ढांचे को दे रहा अंतिम रूप, प्रधानमंत्री जल्द जाएंगे लद्दाख

लद्दाख को अनुच्छेद 371 के तहत मिलेगा विशेष संवैधानिक सुरक्षा कवच

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। केंद्र सरकार लद्दाख के लिए अनुच्छेद 371 के तहत विशेष संवैधानिक सुरक्षा और नए शासन ढांचे को अंतिम रूप देने में जुटी है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि गृह मंत्रालय लद्दाख की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विशेष व्यवस्था तैयार कर रहा है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जल्द ही लद्दाख का दौरा कर सकते हैं और प्रस्तावित ढांचे को लेकर स्थानीय लोगों से बातचीत करेंगे।

रिजिजू ने कहा कि वर्तमान स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद और अन्य व्यवस्थाएं लद्दाख की आवश्यकताओं को पूरी तरह पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं हैं। इसलिए क्षेत्र की भूमि, पर्यावरण, पारंपरिक प्रथाओं और स्थानीय रोजगार की सुरक्षा के लिए विशेष प्रावधान तैयार किए जा रहे हैं। प्रस्तावित व्यवस्था को राज्य का दर्जा दिए बिना लद्दाख की विशिष्ट परिस्थितियों के अनुरूप लागू करने की योजना है।

उन्होंने बताया कि लद्दाख के नए प्रशासनिक नक्शे के अनुसार अब सात जिले और उनके लिए सात अलग-अलग परिषदें होंगी। पहले यहां केवल लेह और करगिल जिले थे। नए शासन मॉडल में स्थानीय जरूरतों और क्षेत्रीय विकास को विशेष महत्व दिए जाने की संभावना है।

लद्दाख के दो प्रमुख राजनीतिक समूहों लेह एपेक्स बॉडी और करगिल डेमोक्रेटिक अलायंस के प्रतिनिधि वर्ष 2023 से गृह मंत्रालय के साथ संवैधानिक सुरक्षा उपायों को लेकर बातचीत कर रहे हैं। दोनों पक्षों के बीच अगले दौर की वार्ता सितंबर में नई दिल्ली में प्रस्तावित है।

डोडा मेडिकल कॉलेज में फिर नेतृत्व संकट, छह साल में तीसरे प्रिंसिपल ने छोड़ा पद

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू संभाग के डोडा मेडिकल कॉलेज में प्रिंसिपल पद को लेकर एक बार फिर असमंजस की स्थिति पैदा हो गई है। कॉलेज के वर्तमान प्रिंसिपल डॉ. देवराज डोगरा ने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के लिए आवेदन किया है। खास बात यह है कि छह वर्ष में यह तीसरा मौका है जब डोडा मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल ने समय से पहले पद छोड़ने की इच्छा जताई है। इससे दूरदराज के मेडिकल कॉलेजों में वरिष्ठ चिकित्सकों की नियुक्ति और उनकी रुचि को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। जीएमसी डोडा में पहला शैक्षणिक सत्र वर्ष 2020 में शुरू हुआ था। पहले प्रिंसिपल डॉ. तारिक आजाद ने अपना कार्यकाल पूरा किया। इसके बाद डॉ. नूर अली ने कुछ समय तक प्रभार संभाला। स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग ने जीएमसी जम्मू के प्रीवेंटिव सोशल मेडिसिन विभाग के प्रमुख डॉ. दिनेश कुमार को अतिरिक्त प्रभार दिया, लेकिन उन्होंने भी समय से पहले सेवानिवृत्ति ले ली।

तवी वंडरलैंड में सांस्कृतिक संध्या, डोगरी कश्मीरी और पंजाबी प्रस्तुतियों ने बांधा समां

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। भगवती नगर स्थित तवी वंडरलैंड पार्क शनिवार शाम संगीत, नृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से गुलजार हो उठा। जम्मू स्मार्ट सिटी की ओर से आयोजित यूफोरिया-एन इवनिंग टू सेलिब्रेट कल्चर कार्यक्रम में बड़ी संख्या में परिवारों, युवाओं और स्थानीय लोगों ने भाग लिया। करीब तीन घंटे चले कार्यक्रम में कलाकारों ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से दर्शकों का खूब मनोरंजन किया।

कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना से हुई। इसके बाद गायन और नृत्य की प्रस्तुतियों का सिलसिला शुरू हुआ। डोगरी और पंजाबी गायकों ने अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। वहीं पारंपरिक डोगरी और कश्मीरी नृत्यों के साथ पंजाबी नृत्य की जोशीली प्रस्तुति ने कार्यक्रम में उत्साह भर दिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डीआइजी जम्मू श्रीधर पाटिल मौजूद रहे। जम्मू नगर निगम आयुक्त एवं जम्मू स्मार्ट सिटी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डा. देवांश यादव सहित वरिष्ठ अधिकारी, कलाकार और बड़ी संख्या में लोग भी उपस्थित रहे।

प्रस्तुतियों को इस तरह क्रमबद्ध किया गया था कि गायन और नृत्य बारी-बारी से होते रहे। एंकर ने प्रत्येक प्रस्तुति का परिचय देते हुए दर्शकों को विभिन्न संगीत और प्रदर्शन कलाओं से रूबरू कराया। कार्यक्रम में जम्मू-कश्मीर की समृद्ध लोक परंपराओं की विशेष झलक देखने को मिली। डीआइजी श्रीधर पाटिल ने कहा कि इस तरह के आयोजन लोगों को एक साथ आने और सुरक्षित वातावरण में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद लेने का अवसर देते हैं।

ड्यूटी के दौरान दो अग्निशमन कर्मियों की हृदयाघात से मौत

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में शनिवार को अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा के दो कर्मियों की ड्यूटी के दौरान हृदयाघात से मौत हो गई। दोनों कर्मी अलग-अलग स्थानों पर तैनात थे। एक कर्मी श्रीनगर के बटामालू स्थित अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा मुख्यालय में सेवाएं दे रहा था, जबकि दूसरा बड़गाम जिले के मागाम फायर स्टेशन में तैनात था। अधिकारियों के अनुसार श्रीनगर के बेमिना निवासी बिलाल अहमद को बटामालू स्थित मुख्यालय में ड्यूटी के दौरान अचानक हृदयाघात हुआ। वह वर्ष 1998 बैच के सदस्य थे और मुख्यालय में अपनी जिम्मेदारी निभा रहे थे। अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया, लेकिन उनकी मौत हो गई। वहीं दूसरी घटना बड़गाम जिले के मागाम स्थित फायर स्टेशन में हुई।

लिद्दर नदी में पवित्र छड़ी मुबारक का विसर्जन, अमरनाथ यात्रा हुई संपन्न

छड़ी मुबारक के विसर्जन के साथ यात्रा के सभी धार्मिक अनुष्ठान संपन्न

भारतेंदु संवाददाता, पहलगाम। पहलगाम में रविवार को लिद्दर नदी में पवित्र छड़ी मुबारक का विसर्जन किया गया। इसके साथ ही इस वर्ष की अमरनाथ यात्रा का पारंपरिक और आध्यात्मिक रूप से समापन हो गया। धार्मिक श्रद्धा और उत्साह के बीच आयोजित समारोह में अनुष्ठान पूरे किए गए। कई सप्ताह तक चली प्रार्थनाओं, धार्मिक अनुष्ठानों और पवित्र गुफा के दर्शन के बाद वार्षिक तीर्थयात्रा संपन्न हुई।

छड़ी मुबारक को भगवान शिव का प्रतीक माना जाता है और अमरनाथ यात्रा के समापन से जुड़े धार्मिक अनुष्ठानों में इसका विशेष महत्व है। पहलगाम में लिद्दर नदी में इसका विसर्जन यात्रा के अंतिम धार्मिक संस्कार के तौर पर किया गया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने धार्मिक परंपराओं के अनुसार पूजा-अर्चना और अन्य अनुष्ठानों में हिस्सा लिया। विसर्जन समारोह को देखते हुए प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम किए थे।

बनी में शुरू हुई अखरोट की तुड़ाई, तीन हजार परिवारों को मिला खेती से रोजगार

भारतेंदु संवाददाता, बनी, कठुआ। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले के पहाड़ी क्षेत्र बनी में अखरोट की तुड़ाई का मौसम शुरू हो गया है। किसान और उनके परिवार इन दिनों बागों में अखरोट तोड़ने और उन्हें तैयार करने में जुटे हैं। पारंपरिक तरीके से उगाए जाने वाले अखरोट किसानों के लिए केवल फसल नहीं, बल्कि पूरे साल की मेहनत और आय का महत्वपूर्ण साधन हैं। पेड़ों से अखरोट तोड़ने के बाद उनकी सफाई की जाती है। इसके बाद उन्हें करीब पांच से छह दिन तक धूप में सुखाया जाता है। पूरी तरह तैयार होने के बाद अखरोट बाजार में बिक्री के लिए भेजे जाते हैं। बनी के किसान मदन लाल करीब 30 वर्षों से बागवानी कर रहे हैं। उनके पास लगभग 100 अखरोट के पेड़ हैं, जिनमें हमदान और सुलेमान प्रमुख किस्में हैं। उनके अनुसार एक वर्ष में उत्पादन करीब 50 हजार अखरोट तक पहुंच जाता है।

सोपोर में अवैध खनन पर पुलिस का शिकंजा

अवैध खनन में इस्तेमाल 10 मोटर पंप और ट्रैक्टर पुलिस ने किए जब्त

भारतेंदु संवाददाता, सोपोर। अवैध खनन और प्राकृतिक संसाधनों के गैरकानूनी दोहन के खिलाफ सोपोर पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। पुलिस ने सोपोर पुलिस जिले के विभिन्न इलाकों में छापेमारी और जांच अभियान चलाकर अवैध खनन में इस्तेमाल किए जा रहे 10 मोटर वाले पंप और अन्य उपकरणों को जब्त किया है। इसके अलावा अवैध रूप से निकाले गए खनिज और सामग्री के परिवहन में इस्तेमाल किए जा रहे एक ट्रैक्टर को भी कब्जे में लिया गया है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, यह कार्रवाई अलग-अलग क्षेत्रों में अवैध खनन गतिविधियों की निगरानी के दौरान की गई। जांच के दौरान ऐसे उपकरण और वाहन पाए गए, जिनका इस्तेमाल कथित तौर पर बिना अनुमति खनिज निकालने और उसे एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाने के लिए किया जा रहा था। पुलिस ने सभी जब्त उपकरणों और ट्रैक्टर को अपने कब्जे में लेकर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है।

◆अवैध खनन रोकने के लिए पुलिस ने संबंधित विभागों संग निगरानी और कार्रवाई बढ़ाई

अधिकारियों ने बताया कि अवैध खनन से प्राकृतिक संसाधनों को नुकसान पहुंचने के साथ पर्यावरण पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। नदियों और अन्य जलस्रोतों से नियमों के विपरीत खनिज निकालने से इनके प्राकृतिक स्वरूप में बदलाव आने और आसपास के क्षेत्रों में खतरा बढ़ने की आशंका रहती है। इसी को देखते हुए पुलिस और संबंधित विभागों की ओर से निगरानी बढ़ाई जा रही है।

सोपोर पुलिस ने कहा कि अवैध खनन पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए भू-विज्ञान एवं खनन विभाग तथा सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग के साथ समन्वय बनाकर कार्रवाई की जा रही है।

मिड-डे-मील कुक ने मानदेय बढ़ाने की उठाई मांग, सितंबर में बड़े आंदोलन की दी चेतावनी

भारतेंदु संवाददाता, ऊधमपुर। सरकारी स्कूलों में बच्चों के लिए मिड-डे-मील तैयार करने वाले कुक अपनी मांगों को लेकर सड़क पर उतर आए। उन्होंने मुख्य शिक्षा अधिकारी कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर सरकार और शिक्षा विभाग के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने मानदेय बढ़ाने के साथ स्थायी कर्मचारी का दर्जा देने की मांग की। बाद में उन्होंने मांगों का ज्ञापन मुख्य शिक्षा अधिकारी को सौंपा।

आल डेलीवेजर्स संघर्ष समिति के चेयरमैन सन्नी चिब के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन में प्रवीन अख्तर समेत कई कुक शामिल हुए। उन्होंने कहा कि उन्हें मिड-डे-मील तैयार करने के बदले केवल 900 रुपये मानदेय दिया जाता है। महंगाई के दौर में इतनी कम राशि में परिवार का खर्च चलाना मुश्किल है। उन्होंने मानदेय में 900 रुपये की बढ़ोतरी करने की मांग की।

◆कुक बोले - छह माह तक नहीं मिलता मानदेय, परिवार चलाना हुआ मुश्किल

कुक ने भुगतान में देरी का मुद्दा भी उठाया। उनका कहना है कि कई बार उन्हें छह महीने या उससे अधिक समय तक मानदेय नहीं मिलता, जिससे आर्थिक परेशानियां बढ़ जाती हैं। उन्होंने कहा कि स्कूलों में बच्चों के लिए भोजन तैयार करने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाने के बावजूद उनकी समस्याओं का समाधान नहीं किया जा रहा है।

सन्नी चिब ने सरकार पर अस्थायी कर्मचारियों से किए वादे पूरे नहीं करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यदि मांगों पर जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो सितंबर में जम्मू में बड़े स्तर पर आंदोलन किया जाएगा। प्रदर्शनकारियों ने स्पष्ट किया कि मानदेय बढ़ाने और स्थायी कर्मचारी का दर्जा देने तक उनका संघर्ष जारी रहेगा।

सड़कसुधार | सड़क सुधरी तो द्रंग में बढ़ेगा पर्यटन, स्थानीय कारोबार और रोजगार को मिलेगा बढ़ावा

महबूबा ने तंगमर्ग-द्रंग सड़क मरम्मत की सरकार से की मांग

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने बारामूला जिले के तंगमर्ग के पास स्थित पर्यटन स्थल द्रंग की खराब सड़क व्यवस्था को लेकर जम्मू-कश्मीर सरकार से तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की है। उन्होंने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और लोक निर्माण विभाग के आयुक्त-सचिव से तंगमर्ग से द्रंग को जोड़ने वाली सड़क की हालत सुधारने तथा जल्द मरम्मत सुनिश्चित करने का आग्रह किया है।

महबूबा मुफ्ती ने कहा कि द्रंग प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर क्षेत्र है और इसमें जम्मू-कश्मीर के प्रमुख पर्यटन स्थलों में शामिल होने की अपार संभावनाएं हैं। हालांकि सड़क की खराब स्थिति के कारण पर्यटकों और स्थानीय लोगों को यहां पहुंचने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि बेहतर सड़क संपर्क के अभाव में क्षेत्र की पर्यटन क्षमता का पूरा लाभ नहीं मिल पा रहा है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने हाल में अपनी मां गुलशन नजीर के साथ द्रंग का दौरा किया था। उन्होंने अपने अनुभव को साझा करते हुए बताया कि द्रंग बेहद खूबसूरत प्राकृतिक स्थल है। यहां स्वच्छ वातावरण, हरियाली और आकर्षक झरना पर्यटकों को आकर्षित करने की क्षमता रखते हैं। उन्होंने कहा कि इतनी प्राकृतिक सुंदरता होने के बावजूद तंगमर्ग से द्रंग तक जाने वाली सड़क की दयनीय हालत चिंता का विषय है।

सड़क सुधरी तो चमकेगा द्रंग

महबूबा मुफ्ती ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में पर्यटन रोजगार और स्थानीय अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है। ऐसे में जिन क्षेत्रों में प्राकृतिक पर्यटन की संभावनाएं हैं, वहां बुनियादी ढांचे को मजबूत किया जाना चाहिए। द्रंग जैसे अपेक्षाकृत कम चर्चित क्षेत्रों को विकसित करने से पर्यटन का लाभ नए इलाकों तक पहुंचाया जा सकता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सरकार और संबंधित विभाग उनकी मांग पर जल्द कार्रवाई करेंगे। सड़क की मरम्मत और संपर्क व्यवस्था बेहतर होने से द्रंग को जम्मू-कश्मीर के पर्यटन परिपथ में प्रमुख स्थान दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया जा सकता है।

महबूबा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट के माध्यम से मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और लोक निर्माण विभाग के आयुक्त-सचिव से इस मामले में व्यक्तिगत रूप से ध्यान देने की अपील की। उन्होंने कहा कि सड़क की मरम्मत होने से द्रंग तक पर्यटकों की आवाजाही आसान होगी और स्थानीय पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

उन्होंने कहा कि द्रंग को जम्मू-कश्मीर के पर्यटन मानचित्र पर उचित स्थान मिलना चाहिए। इसके लिए सबसे जरूरी आधारभूत सुविधाओं में सड़क संपर्क का मजबूत होना शामिल है। सड़क बेहतर होने से स्थानीय लोगों को भी आवागमन में राहत मिलेगी और पर्यटकों की संख्या बढ़ने की संभावना बनेगी।

राष्ट्रीय राजमार्गों पर हिमाचली फूड कॉर्नर बनें पर्यटन आकर्षण का केंद्र

विशाल कल्याण
सहायक प्रोफेसर, महाराजा अग्रसेन यूनिवर्सिटी, सोलन (हि.प्र.)

हिमाचल प्रदेश अपनी प्राकृतिक सुंदरता, समृद्ध संस्कृति, लोक परंपराओं और स्वादिष्ट पारंपरिक खान-पान के लिए पूरे देश और दुनिया में प्रसिद्ध है। हर वर्ष करोड़ों पर्यटक यहां की वादियों, मंदिरों, बर्फ से ढके पहाड़ों और स्थानीय संस्कृति का अनुभव करने आते हैं, लेकिन राष्ट्रीय राजमार्गों पर स्थित अधिकतर ढाबों और रेस्तरां में पर्यटकों को पिज्जा, बर्गर, मोमोज, नूडल्स जैसे फास्ट फूड अधिक मिलते हैं, जबकि हिमाचल के पारंपरिक व्यंजन बहुत कम दिखाई देते हैं। यह स्थिति सांस्कृतिक पहचान के साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था के लिए भी बड़ी चुनौती है।

हिमाचल का पारंपरिक भोजन केवल स्वाद नहीं, बल्कि यहां की जलवायु, कृषि और जीवनशैली से जुड़ी सांस्कृतिक धरोहर है। धाम, सिड्डू, मदरा, बबरू, चना मद्रा, पटांडे, सेपू बड़ी, तुदकिया भात, भेय, मक्की की रोटी, सरसों का साग और लिंगड़ी की सब्जी जैसे व्यंजन स्थानीय परंपरा का हिस्सा हैं। ये व्यंजन न केवल पौष्टिक हैं, बल्कि स्थानीय अनाज, दालों और प्राकृतिक संसाधनों पर आधारित हैं। यदि इन्हें राजमार्गों के भोजनालयों में प्रमुख स्थान दिया जाए, तो पर्यटक हिमाचल के वास्तविक स्वाद और संस्कृति से परिचित हो सकते हैं।

आज फास्ट फूड का प्रसार तेजी से बढ़ा है, क्योंकि यह जल्दी उपलब्ध होता है और बड़े ब्रांडों का प्रभाव अधिक है, लेकिन अधिकांश पर्यटक किसी नए स्थान पर वहां का स्थानीय भोजन अनुभव करना चाहते हैं। यदि उन्हें हर जगह वही वैश्विक फास्ट फूड मिलेगा, तो वे हिमाचल की विशिष्ट खाद्य पहचान से वंचित रह जाएंगे। पारंपरिक भोजन को बढ़ावा देने से स्थानीय किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। हिमाचल के किसान मक्का, जौ, राजमा, दालें, घी और स्थानीय मसालों का उत्पादन करते हैं। यदि होटल और ढाबे इनका अधिक उपयोग करें, तो किसानों की आय बढ़ेगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। इसके साथ ही महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों और छोटे उद्यमियों के लिए रोजगार के नए अवसर भी उत्पन्न होंगे।

स्वास्थ्य की दृष्टि से भी पारंपरिक भोजन फास्ट फूड की तुलना में अधिक लाभदायक है। इसमें मोटे अनाज, दालें, दही और देसी घी का संतुलित उपयोग होता है, जबकि फास्ट फूड में अधिक तेल, नमक और चीनी होती है, जिससे कई स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ती हैं। सरकार और पर्यटन विभाग इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। राष्ट्रीय राजमार्गों पर ढाबों को प्रोत्साहित किया जा सकता है कि वे अपने मेन्यू में पारंपरिक हिमाचली व्यंजन शामिल करें। इसके लिए प्रमाणन, कर छूट और पर्यटन सूची में स्थान जैसी सुविधाएं दी जा सकती हैं।

इसके साथ 'हिमाचली फूड कॉर्नर' जैसी अवधारणाएं विकसित की जा सकती हैं, जहां भोजन के साथ उसकी सांस्कृतिक जानकारी भी दी जाए। डिजिटल माध्यमों और सोशल मीडिया के जरिए इन व्यंजनों का प्रचार किया जाए ताकि वे एक पर्यटन आकर्षण बन सकें। फास्ट फूड को पूरी तरह समाप्त करने की आवश्यकता नहीं है, लेकिन पारंपरिक भोजन को समान या अधिक महत्व दिया जाना चाहिए। संतुलित दृष्टिकोण अपनाकर हिमाचल अपनी खाद्य विरासत को संरक्षित कर सकता है। हिमाचल के राष्ट्रीय राजमार्ग केवल एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचने का माध्यम नहीं हैं, बल्कि वे राज्य की संस्कृति, परंपरा और पहचान के परिचायक भी हैं। यदि इन मार्गों पर यात्रियों का स्वागत हिमाचली व्यंजनों की खुशबू से हो, तो यह न केवल पर्यटकों के अनुभव को समृद्ध करेगा बल्कि स्थानीय किसानों, महिलाओं, उद्यमियों और राज्य की अर्थव्यवस्था को भी नई दिशा देगा। समय की मांग है कि हिमाचल अपने पारंपरिक भोजन को केवल त्योहारों और विशेष अवसरों तक सीमित न रखे, बल्कि उसे हर राजमार्ग, हर ढाबे और हर पर्यटक की थाली तक पहुंचाए।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

भारत का भविष्य जाति धर्म में नहीं शिक्षा, विज्ञान और युवा शक्ति में है

पवन कुमार (मुख्य अध्यापक)
राजकीय उच्च पाठशाला कल्हणी, जिला मंडी (हिमाचल प्रदेश)

दुनिया आज बहुत तेजी से बदल रही है। विज्ञान, तकनीक, शिक्षा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में नए-नए बदलाव हो रहे हैं। अनेक देश भविष्य की चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए अपने संसाधनों और ऊर्जा को अनुसंधान, तकनीक, रोजगार और शिक्षा पर लगा रहे हैं। ऐसे समय में भारत जैसे विशाल और युवा देश के सामने एक महत्वपूर्ण सवाल खड़ा है कि क्या हम अपनी सामूहिक ऊर्जा भविष्य निर्माण में लगा रहे हैं या जाति, धर्म और आरक्षण जैसे मुद्दों पर आपसी संघर्ष में उसे गंवा रहे हैं?

आरक्षण को लेकर बहस लोकतंत्र का हिस्सा है। इसके पक्ष और विपक्ष में तर्क दिए जा सकते हैं और दिए जाने भी चाहिए, लेकिन यह बहस समाज को बांटने वाली लड़ाई नहीं बननी चाहिए। किसी गरीब, पिछड़े या वंचित बच्चे का भविष्य केवल उसकी सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियों के कारण समाप्त नहीं होना चाहिए। इसी तरह किसी दूसरे वर्ग के युवा के मन में यह भावना भी नहीं होनी चाहिए कि उसके साथ अन्याय हो रहा है। इसलिए आवश्यकता नारेबाजी की नहीं, बल्कि आंकड़ों, तथ्यों, शिक्षा और न्यायपूर्ण नीतियों पर गंभीर चर्चा की है। सामाजिक न्याय और समान अवसर दोनों को साथ लेकर चलना ही किसी स्वस्थ लोकतंत्र की पहचान है।

आज दुनिया के अनेक देश रोबोटिक्स, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अंतरिक्ष, चिकित्सा, रक्षा तकनीक और आधुनिक शिक्षा में बड़े निवेश कर रहे हैं। चीन स्वचालन और रोबोटिक्स में तेजी से आगे बढ़ रहा है। अमेरिका, जापान, दक्षिण कोरिया और यूरोप के कई देश भी नई तकनीकों को अपनी अर्थव्यवस्था और सुरक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा बना रहे हैं। ऐसे में भारत केवल अपने गौरवशाली इतिहास पर गर्व करके नहीं रुक सकता। हमें यह देखना होगा कि अगले 25 से 50 वर्षों के लिए हम कैसी शिक्षा, तकनीक, अर्थव्यवस्था और सामाजिक व्यवस्था तैयार कर रहे हैं।

भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी युवा आबादी है। हमारे बच्चे और युवा ही आने वाले भारत की तस्वीर तय करेंगे। लेकिन यदि उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, रोजगार और अवसरों के लिए संघर्ष करना पड़े और उनका अधिकांश समय जाति तथा धर्म की बहस में उलझ जाए, तो नुकसान केवल एक व्यक्ति का नहीं, पूरे देश का होगा। हमें अपने बच्चों से यह पूछना चाहिए कि वे क्या बनना चाहते हैं, न कि सबसे पहले यह कि वे किस जाति या समुदाय से संबंधित हैं। उनकी पहचान उनके ज्ञान, प्रतिभा, मेहनत और चरित्र से होनी चाहिए।

आज अनेक प्रतिभाशाली विद्यार्थी और युवा बेहतर शिक्षा तथा रोजगार के लिए विदेश जाना चाहते हैं। बेहतर अवसर की तलाश गलत नहीं है और विदेश जाने वाले प्रत्येक व्यक्ति को देशद्रोही कहना भी उचित नहीं। वास्तविक प्रश्न यह है कि हम अपने देश में ऐसी परिस्थितियां क्यों नहीं बना पा रहे, जहां प्रतिभाशाली युवाओं को पर्याप्त अवसर मिल सकें। भारत की सफलता तब होगी जब उसका युवा दुनिया में कहीं भी जाकर अपनी क्षमता का परिचय दे और साथ ही अपने देश के विकास में योगदान देने की इच्छा भी रखे।

हमें एक-दूसरे से लड़ने के बजाय अशिक्षा, बेरोजगारी, गरीबी, भ्रष्टाचार, अंधविश्वास, भेदभाव और वैज्ञानिक सोच की कमी से लड़ना होगा। किसी गरीब बच्चे का शत्रु दूसरा गरीब बच्चा नहीं है। किसी समुदाय के ऐतिहासिक नुकसान का समाधान दूसरे समुदाय से नफरत करना नहीं हो सकता। इसी प्रकार किसी युवा को अन्याय महसूस हो तो समाधान हिंसा या भीड़ की शक्ति नहीं, बल्कि संवाद, कानून, तथ्य और लोकतांत्रिक व्यवस्था है।

भारत को आने वाले समय में पांच क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देना होगा— शिक्षा, विज्ञान एवं तकनीक, रोजगार, सामाजिक एकता और वैज्ञानिक सोच। हर बच्चे को अच्छी शिक्षा मिले, युवाओं को रोजगार योग्य कौशल मिले और देश में अनुसंधान तथा आधुनिक विनिर्माण को बढ़ावा मिले। जाति और धर्म व्यक्तिगत तथा सामाजिक पहचान का हिस्सा हो सकते हैं, लेकिन राष्ट्रीय पहचान और मानवता को उनसे ऊपर रखना होगा। बच्चों को सवाल पूछने, तर्क करने और असहमति का सम्मान करने की शिक्षा देनी होगी।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

संपादकीय

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर होता भारत

भारत में रक्षा आत्मनिर्भरता अब केवल हथियारों और सैन्य उपकरणों के निर्माण तक सीमित नहीं रह गई है। आधुनिक दौर में किसी सैन्य प्लेटफॉर्म की वास्तविक क्षमता इस बात से भी तय होती है कि उसके रखरखाव, मरम्मत, आधुनिकीकरण और तकनीकी उन्नयन की व्यवस्था कितनी मजबूत है। जबलपुर में टी-72 और टी-90 टैंकों के ओवरहॉल और अपग्रेडेशन के लिए करीब 472 करोड़ रुपये की परियोजना का भूमिपूजन इसी बदलती सोच का महत्वपूर्ण उदाहरण है। यह परियोजना भारतीय सेना की परिचालन तैयारियों को मजबूत करने के साथ मध्य प्रदेश को रक्षा विनिर्माण के उभरते केंद्र के रूप में स्थापित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

व्हीकल फैक्ट्री जबलपुर में विकसित होने वाली आधुनिक सुविधा से सेना के टैंकों के रखरखाव और पुनरुद्धार की घरेलू क्षमता बढ़ेगी। अभी इन टैंकों के ओवरहॉल की प्रमुख जिम्मेदारी चेन्नई के निकट आवड़ी स्थित हेवी व्हीकल्स फैक्ट्री पर है। जबलपुर में नई सुविधा विकसित होने से टैंकों को लंबी दूरी तक ले जाने की आवश्यकता कम होगी। इससे समय और परिवहन लागत दोनों की बचत होगी तथा सेना को आवश्यकता के अनुसार टैंकों को जल्द से जल्द परिचालन स्थिति में वापस लाने में सहायता मिलेगी। पहले चरण में हर वर्ष 12 टी-72 और टी-90 टैंकों के पूर्ण ओवरहॉल और आधुनिकीकरण की योजना है। इसके लिए आधुनिक संयंत्र के साथ परीक्षण ट्रैक भी विकसित किया जाएगा।

आधुनिक युद्ध का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। ड्रोन, मिसाइल, साइबर तकनीक और अंतरिक्ष आधारित प्रणालियों की भूमिका लगातार बढ़ रही है। इसके बावजूद टैंकों की उपयोगिता समाप्त नहीं हुई है। जमीनी युद्ध में बख्तरबंद वाहनों की भूमिका आज भी महत्वपूर्ण है। इसलिए पुराने सैन्य प्लेटफॉर्म को नई तकनीक, बेहतर सेंसर, संचार प्रणाली और आधुनिक सुरक्षा क्षमताओं से लैस करना जरूरी है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का यह विचार महत्वपूर्ण है कि बदलते युद्धक्षेत्र के अनुरूप सैन्य उपकरणों को लगातार उन्नत किया जाना चाहिए। किसी हथियार प्रणाली की उपयोगिता केवल उसके निर्माण के समय निर्धारित नहीं होती बल्कि उसे बदलती परिस्थितियों के अनुरूप सक्षम बनाए रखने से उसकी प्रभावशीलता बनी रहती है।

इस परियोजना का प्रभाव केवल सेना तक सीमित नहीं रहेगा। रक्षा क्षेत्र से जुड़े सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के लिए भी इसमें बड़े अवसर पैदा हो सकते हैं। टैंकों के रखरखाव और आधुनिकीकरण में अनेक प्रकार के कलपुर्जों, तकनीकी उपकरणों, इलेक्ट्रॉनिक प्रणालियों और विशेषज्ञ सेवाओं की जरूरत होती है। यदि स्थानीय उद्योगों को इस पूरी प्रक्रिया से जोड़ा जाता है तो जबलपुर और आसपास के क्षेत्रों में रक्षा आधारित औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र विकसित किया जा सकता है। इससे स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और तकनीकी कौशल का विकास भी होगा।

रक्षा आत्मनिर्भरता का एक और महत्वपूर्ण पहलू आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती है। यदि किसी सैन्य उपकरण के निर्माण के लिए देश को विदेशों से कलपुर्जों और तकनीकी सेवाओं पर निर्भर रहना पड़े तो आत्मनिर्भरता अधूरी ही मानी जाएगी। इसलिए डिजाइन, उत्पादन, परीक्षण, रखरखाव, स्पेयर पार्ट्स और आधुनिकीकरण तक पूरी व्यवस्था को देश के भीतर मजबूत करना आवश्यक है। जबलपुर की परियोजना इसी व्यापक सोच को आगे बढ़ाती है।

भारत पिछले एक दशक में रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति कर चुका है। वर्ष 2014 में घरेलू रक्षा उत्पादन करीब 46 हजार करोड़ रुपये था, जो अब लगभग 1.80 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। इसी अवधि में रक्षा निर्यात भी करीब एक हजार करोड़ रुपये से बढ़कर लगभग 39 हजार करोड़ रुपये हो गया है। वर्ष 2028-29 तक रक्षा निर्यात को 50 हजार करोड़ रुपये से अधिक करने का लक्ष्य रखा गया है। ये आंकड़े बताते हैं कि भारत धीरे-धीरे रक्षा उपकरणों के बड़े खरीदार से निर्माता और निर्यातक बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

मध्य प्रदेश के लिए जबलपुर परियोजना इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि राज्य के पास रक्षा क्षेत्र से जुड़ी औद्योगिक विरासत और कुशल मानव संसाधन मौजूद है। यदि सरकारी संस्थानों और निजी उद्योगों के बीच बेहतर समन्वय बनाया जाए तो यहां रक्षा उत्पादन के साथ अनुसंधान, परीक्षण और तकनीकी सेवाओं का मजबूत केंद्र विकसित किया जा सकता है। स्थानीय एमएसएमई को आपूर्ति श्रृंखला में शामिल करने से इसका लाभ व्यापक स्तर पर पहुंच सकता है।

दरअसल आत्मनिर्भर रक्षा व्यवस्था का अर्थ केवल हथियार बनाना नहीं बल्कि उनकी पूरी जीवनचक्र व्यवस्था को देश के भीतर विकसित करना है। सैन्य उपकरणों की नियमित देखभाल, मरम्मत, आधुनिकीकरण और तकनीकी उन्नयन युद्ध के समय सेना की तैयारियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। जबलपुर में टी-72 और टी-90 टैंकों के लिए प्रस्तावित सुविधा इसी आवश्यकता को पूरा करने की दिशा में मजबूत कदम है। भारत को अब इस पहल को केवल एक परियोजना तक सीमित नहीं रखना चाहिए। सरकार, रक्षा प्रतिष्ठानों, सार्वजनिक उपक्रमों, निजी कंपनियों और एमएसएमई के बीच ऐसा समन्वय विकसित किया जाना चाहिए जिससे देश में रक्षा क्षेत्र की पूरी आपूर्ति श्रृंखला तैयार हो सके।

-शिवांश धाकड़

कविता

एक अधूरा सपना

तंजिन तोपन, गांव मेह, डाकघर गेमूर
जिला लाहौल-स्पीति, हिमाचल प्रदेश

जिस रोज घर की दहलीज लांघी थी,
आंखों में हजारों सपने थे,
अपनों की उम्मीदें साथ लिए,
मन में कुछ अपने इरादे थे।
सोचा था दुनिया जीतूंगा मैं,
हर मुश्किल से लड़ जाऊंगा,
मेहनत की राहों पर चलकर,
एक दिन घर लौट आऊंगा।
उस दिन से अब तक हर पल,
दिल ने घर की राह निहारी है,
भीड़ में रहकर भी अक्सर,
अपनों की याद पुकारती है।
सपनों को हकीकत मिलती देख,
उम्मीदें भी बढ़ती जाती हैं,
लेकिन मंजिल जितनी पास लगे,
दूरियां उतनी बढ़ती जाती हैं।
कभी लगता है बस कल लौटूंगा,
फिर कोई नया मोड़ आ जाता है,
जिम्मेदारियों का बोझ अचानक,
सारे अरमानों को रोक जाता है।
अब घर वापसी की वह आस,
दीये की लौ सी मद्धम है,
डर लगता है कहीं हवाओं में,
यह आखिरी उम्मीद भी न बुझ जाए।

राम मंदिर अयोध्या से ज्यादा जरूरी है भगवान राम के आदर्श को जानना

संजय गोस्वामी
स्वतंत्र लेखक

भगवान श्रीराम भारतीय संस्कृति के केवल आराध्य देव ही नहीं, बल्कि सत्य, मर्यादा, सेवा, त्याग, करुणा और धर्म के सर्वोच्च आदर्श हैं। आज जब समाज में धार्मिक आस्था बढ़ रही है, मंदिरों का निर्माण हो रहा है और भव्य आयोजन किए जा रहे हैं, तब यह भी आवश्यक है कि भगवान श्रीराम के जीवन मूल्यों को भी जन-जन तक पहुंचाया जाए।

यदि समाज में मंदिरों में चढ़ावे की चोरी जैसी घटनाएं सामने आती हैं, तो यह केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं, बल्कि संस्कारों की कमी का भी संकेत है। सच्ची रामभक्ति केवल मंदिरों में दीप जलाने या जयकारे लगाने तक सीमित नहीं है, बल्कि उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने में निहित है।

भगवान श्रीराम ने अपने पूरे जीवन में यह संदेश दिया कि शक्ति का उपयोग सदैव धर्म, न्याय और लोककल्याण के लिए होना चाहिए। उन्होंने अन्याय, अहंकार और अधर्म के विरुद्ध संघर्ष किया। रावण महान विद्वान, शिवभक्त और अपार शक्तियों का स्वामी था, किंतु उसका अहंकार और शक्ति का दुरुपयोग ही उसके पतन का कारण बना। दूसरी ओर श्रीराम ने भगवान शिव की आराधना कर विजय का आशीर्वाद प्राप्त किया और मर्यादा का पालन करते हुए धर्म की स्थापना की। इससे स्पष्ट होता है कि केवल पूजा पर्याप्त नहीं, बल्कि विनम्रता, संयम और सदाचार भी उतने ही आवश्यक हैं।

रामायण में अहिल्या उद्धार का प्रसंग प्रभु की करुणा और चरणों की महिमा का अद्भुत उदाहरण है। गौतम ऋषि के श्राप से पत्थर बनी अहिल्या वर्षों तक प्रभु की प्रतीक्षा करती रहीं। भगवान श्रीराम के चरण-स्पर्श से उन्हें पुनः जीवन प्राप्त हुआ। यह प्रसंग केवल एक चमत्कार नहीं, बल्कि इस सत्य का प्रतीक है कि प्रभु की कृपा मनुष्य के जीवन में नई चेतना और नई शुरुआत का मार्ग खोल सकती है। भगवान के चरण पवित्रता, करुणा और मोक्ष के प्रतीक माने गए हैं। शास्त्रों में कहा गया है कि उनके चरणों की धूल भी मनुष्य के पापों का नाश कर उसे सद्मार्ग की ओर प्रेरित करती है।

भगवान विष्णु के चरणों से प्रकट हुई गंगा संपूर्ण मानवता को पवित्र करती है। उनके चरणों में अंकित शंख, ऊर्ध्वरेखा, दर्पण और सुमेरु जैसे चिह्न गहन आध्यात्मिक संदेश देते हैं। शंख विजय और धर्म का प्रतीक है, ऊर्ध्वरेखा निरंतर उन्नति का, दर्पण आत्मचिंतन का और सुमेरु स्थिरता तथा सर्वोच्च उपलब्धि का। इन प्रतीकों का सार यही है कि जो व्यक्ति अपने जीवन को प्रभु के चरणों में समर्पित कर देता है, उसका जीवन संतुलित, शांत और उद्देश्यपूर्ण बन जाता है। हनुमानजी का जीवन भी श्रीराम के प्रति अटूट श्रद्धा और समर्पण का सर्वोत्तम उदाहरण है। जामवंत द्वारा अपनी शक्ति का स्मरण कराए जाने पर हनुमानजी ने समुद्र लांघकर माता सीता का पता लगाया। यह घटना हमें सिखाती है कि मनुष्य के भीतर अपार सामर्थ्य होती है, लेकिन उसे जागृत करने के लिए आत्मविश्वास, गुरु का मार्गदर्शन और ईश्वर पर अटूट विश्वास आवश्यक है। राम नाम की शक्ति मनुष्य को असंभव प्रतीत होने वाले कार्य भी करने का साहस देती है। भगवान श्रीराम का जीवन यह भी सिखाता है कि सुख और दुःख जीवन के दो पक्ष हैं। विपत्ति में धैर्य, सफलता में विनम्रता, कर्म में निष्ठा और व्यवहार में करुणा ही संतुलित जीवन का आधार है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

व्यक्तित्व विशेष

निहारिका सिंह का फिल्मी सफर

निहारिका सिंह
जन्म : 31 अगस्त 1982

निहारिका सिंह भारतीय फिल्म अभिनेत्री, निर्माता, मॉडल और सौंदर्य प्रतियोगिता विजेता हैं, जिन्होंने मनोरंजन जगत में अपनी मेहनत और प्रतिभा के बल पर अलग पहचान बनाई। उनका जन्म 31 अगस्त 1982 को नई दिल्ली में हुआ था। बचपन में उनके पिता उत्तर प्रदेश और बाद में उत्तराखंड सरकार के पर्यटन विभाग से जुड़े रहे, जिसके कारण निहारिका को उत्तर भारत के विभिन्न शहरों और पहाड़ी क्षेत्रों में रहने का अवसर मिला। उनकी माता नई दिल्ली में एक डिजाइन संस्थान चलाती थीं। निहारिका ने अपनी शुरुआती शिक्षा का बड़ा हिस्सा नैनीताल के एक बालिका आवासीय विद्यालय में पूरा किया।

उन्होंने वर्ष 1999 में देहरादून में पहली बार रैंप पर चलकर मॉडलिंग की दुनिया में कदम रखा। इसके बाद उन्होंने नई दिल्ली के श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स में बीकॉम ऑनर्स की पढ़ाई शुरू की और साथ ही मॉडलिंग के कार्य भी करती रहीं। मनोरंजन जगत में करियर बनाने के लिए वह वर्ष 2003 में मुंबई चली गईं। वर्ष 2005 उनके करियर का महत्वपूर्ण पड़ाव साबित हुआ, जब उन्होंने फेमिना मिस इंडिया प्रतियोगिता में तीसरा स्थान हासिल किया और मिस अर्थ इंडिया का खिताब अपने नाम किया। इसी प्रतियोगिता में उन्हें मिस फोटोजेनिक और मिस ब्यूटीफुल हेयर जैसे सम्मान भी मिले। बाद में उन्होंने फिलीपींस में आयोजित मिस अर्थ 2005 प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व किया।

मॉडलिंग के दौरान निहारिका सिंह कई प्रिंट विज्ञापनों, फैशन पत्रिकाओं, संगीत वीडियो और टेलीविजन विज्ञापनों में नजर आईं। उन्होंने वर्ष 2006 में बानूंगी मैं मिस इंडिया नामक रियलिटी कार्यक्रम का भी संचालन किया। इसके बाद उनका रुझान फिल्मों की ओर बढ़ा। अभिनय करियर की शुरुआत में उन्हें कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा। वर्ष 2006 में उन्होंने निर्देशक राज कंवर के बैनर के साथ फिल्मों का अनुबंध किया, लेकिन प्रस्तावित फिल्में नहीं बन सकीं। बाद में उन्होंने हिमेश रेशमिया के साथ ए न्यू लव इश्टोरी में काम किया और अभिनय की बारीकियां सीखने के लिए बैरी जॉन से प्रशिक्षण भी लिया।

युवाओं को जेल भेजने के बजाय सुधार और पुनर्वास का रास्ता दिखाना जरूरी

डॉ. विनोद कुमार धवन
सेवानिवृत्त, आईपीएस अधिकारी

नशामुक्त अभियान के लिए उठाए गए कदम सराहनीय हैं, लेकिन सवाल यह है कि ये पहल सिर्फ मौखिक दावों तक ही क्यों सीमित हैं? नीतिगत दस्तावेजों को जनता के साथ साझा क्यों नहीं किया जाता? विशेषकर उन क्षेत्रों में जहां नशे का जाल तेजी से फैल रहा है और पुलिस एक सकारात्मक बदलाव या निवारक तंत्र के रूप में वहां पहुंचने में विफल रही है। यदि प्रभावित लोगों, आम जनता, पंचायती राज संस्थाओं और मीडिया को इस अभियान में शामिल किया जाए, तो नशे के खिलाफ और सामाजिक बदलाव के लिए कहीं अधिक सफलताएं मिल सकती हैं।

नशे की समस्या से निपटने के लिए पुलिस का तर्कसंगत और पारदर्शी दृष्टिकोण सार्वजनिक होना चाहिए, ताकि जन-भागीदारी बढ़े। केवल एफआईआर दर्ज करना पर्याप्त नहीं है। इस चुनौती का समाधान नागरिकों, प्रशासन और समाज के सामूहिक समन्वय व सहयोग से ही संभव है। नशे की लत केवल आपराधिक नहीं, बल्कि सामाजिक समस्या है। केवल एफआईआर और गिरफ्तारी से इसका समाधान संभव नहीं। बेरोजगारी, आजीविका की कमी, लंबित राजस्व विवाद, भ्रष्टाचार और राजनीतिक हस्तक्षेप जैसी सामाजिक-आर्थिक चुनौतियां युवाओं को नशे की ओर धकेलती हैं। इसलिए पुलिसिंग के साथ सामाजिक भागीदारी और प्रभावी निवारक उपाय भी आवश्यक हैं। पुलिस द्वारा जागरूकता के नाम पर खेल प्रतियोगिताओं या मैराथन का आयोजन करना जनता को जगाने के लिए तो ठीक हो सकता है, लेकिन यह उन परिवारों के लिए कोई ठोस समाधान नहीं है जिनके बच्चे इस दलदल में फंस रहे हैं। वे वास्तविक और धरातलीय सहभागिता चाहते हैं। पुलिस द्वारा जब्त ड्रग्स की करोड़ों की अंतरराष्ट्रीय कीमत का प्रचार करना समाज पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। रोजगार के सीमित अवसरों के बीच ऐसा प्रचार कुछ युवाओं को अवैध कमाई के आकर्षण की ओर प्रेरित कर सकता है। इसलिए पुलिस को अपनी सूचना प्रस्तुत करने की शैली अधिक जिम्मेदार और संवेदनशील बनानी चाहिए। पुलिस को केवल गिरफ्तारियों और जब्ती तक सीमित रहने के बजाय निवारक अभियानों पर भी समान ध्यान देना चाहिए। संतुलित पुलिसिंग से न केवल नशे के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई होगी, बल्कि आम जनता से जुड़े रोजमर्रा के अपराधों और पीड़ितों की समस्याओं का भी बेहतर समाधान सुनिश्चित होगा। हिमाचल प्रदेश में नशे की बढ़ती समस्या से निपटने के लिए सक्रिय और सुधारवादी नीति की आवश्यकता है। केवल पहली बार गलती करने वाले युवाओं को गिरफ्तार कर जेल भेजना समस्या का समाधान नहीं, बल्कि उन्हें कठोर अपराध की ओर धकेल सकता है। ऐसे युवाओं के लिए पुनर्वास और सुधार के अवसर उपलब्ध कराए जाने चाहिए। जब समाज और व्यवस्था नशीले पदार्थों की उपलब्धता रोकने में विफल रहे हैं, तब परिस्थितियों के शिकार युवाओं को ही अपराधी मानना न्यायसंगत नहीं है। प्रभावी नीति का लक्ष्य असली तस्करों पर कठोर कार्रवाई और युवाओं को पुनः मुख्यधारा से जोड़ना होना चाहिए।

हमारे तथाकथित क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम (पुलिस, अभियोजन और वकीलों) ने पहली बार गलती करने वाले न जाने कितने युवाओं के मानसिक और मनोवैज्ञानिक भविष्य को जेलों में खूंखार अपराधियों के बीच धकेलकर बर्बाद कर दिया है। जिन जनप्रतिनिधियों को हम कानून बनाने के लिए चुनते हैं, क्या वे सोए हुए हैं? असली अपराधियों को पकड़ने में नाकाम रहने वाले सांसदों, विधायकों, अदालतों और कानून निर्माताओं को इस स्थिति के लिए सह-आरोपी क्यों नहीं बनाया जाना चाहिए? पहली बार गलती करने वाले युवाओं को जेलों में अपराधियों की तरह वेलकम किया जाता है, जहां भ्रष्ट पुलिस तंत्र द्वारा हर कदम पर उनका शोषण होता है।

यह बेहद घिनौना है। इस देश के कानून आज एक अंधे व्यक्ति की तरह हो गए हैं, जो कानून की तकनीकी बारीकियों को तो देख सकते हैं, लेकिन शोषित युवाओं के दर्द और उनके पीछे के कारणों को समझने में असमर्थ हैं। सुधारात्मक दृष्टिकोण के साथ पहली बार अपराध करने वाले युवाओं को पुनर्वास और सुधार का अवसर दिया जाना चाहिए। निवारक तंत्र को मजबूत करना आवश्यक है ताकि उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ा जा सके। रेव पार्टियों और नशा तस्करी की घटनाएं पुलिस व्यवस्था की चुनौतियों को उजागर करती हैं। ऐसे मामलों में त्वरित और प्रभावी कार्रवाई के लिए मजबूत समन्वय और पेशेवर दृष्टिकोण आवश्यक है। नशामुक्त अभियान को सफल बनाने के लिए कानून के शासन और संस्थागत प्रि, याओं का सख्ती से पालन तथा जवाबदेही सुनिश्चित करना जरूरी है।

पुलिसिंग में पारदर्शिता लाने के लिए, हिमाचल सरकार या अन्य स्रोतों (निजी फंड, सहायता, स्मारिका कोष आदि) से रैलियों और मैराथन के आयोजन के लिए आवंटित किए जाने वाले बजट का कड़ा ऑडिट किया जाना चाहिए। यह जांचा जाना चाहिए कि कितना पैसा वास्तविक पुलिसिंग, ड्रग्स को रोकने, और बड़े तस्करों को पकड़ने में खर्च किया जा रहा है और कितना सिर्फ दिखावे में।पहली बार गलती करने वाले इन मासूम युवाओं को खुद को सुधारने और समाज की मुख्यधारा में शामिल होकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का पूरा अवसर मिलना चाहिए, जो कि हमारे संविधान की मूल भावना भी है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

'भारतेन्दु शिखर

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं स्वामी शिवांश धाकड़ द्वारा शर्मा भवन, न्यू रणजीत नगर, एप्पल फ्रूट मंडी, नजदीक ढली टनल, शिमला (हि.प्र.) 171006 से प्रकाशित एवं बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद शिमला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/2000/02437
ई-मेल : bhartendunewsmedia@gmail.com, फोन नंबर : 88946-77702

न्यूज ब्रीफ

बंद मकान में मिले छह दिन पुराने बुजुर्ग दंपती के शव, हत्या और लूट की आशंका

एजेंसी, झांसी। सीपरी बाजार थाना क्षेत्र की गोविंदपुरी कॉलोनी में बंद मकान से बुजुर्ग पति-पत्नी के करीब छह दिन पुराने शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतकों की पहचान विश्वनाथ पाल (70) और उनकी पत्नी भुवन देवी (65) के रूप में हुई। दोनों शव किराएदार के कमरे में जमीन पर पड़े मिले। शरीर सड़-गल चुके थे। परिजनों ने हत्या कर करीब दो लाख रुपये और गहने लूटने का आरोप लगाया है। बेटे जगपाल के मुताबिक किराएदार सतेंद्र ने शनिवार शाम फोन कर बताया कि माता-पिता दरवाजा नहीं खोल रहे हैं। मौके पर पहुंचकर जगपाल गेट फांदकर अंदर गया, जहां दोनों के शव मिले। अलमारी खुली थी और सामान बिखरा पड़ा था। परिजनों ने कमरे से खून से सने दो तौलिए मिलने की बात कही है। आईजी आकाश कुलहरि ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे गए हैं। किराएदार पर शक जताया गया है और उसकी तलाश की जा रही है।

ब्रह्म मुहूर्त में संगम तट पर हुआ बड़े हनुमान जी का पावन स्नान

एजेंसी, प्रयागराज। प्रयागराज में रविवार सुबह ब्रह्म मुहूर्त में संगम तट पर विराजमान बड़े हनुमान जी महाराज को विधि-विधान से पावन स्नान कराया गया। सुबह करीब 3:45 बजे गंगा जी और यमुना के पवित्र जल से हनुमान जी का अभिषेक किया गया। मंदिर के मुख्य पुजारी महंत बलवीर गिरि ने धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने भक्ति और आस्था के साथ स्नान और पूजन के दर्शन किए। मान्यता है कि संगम में गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती का मिलन होता है, इसलिए यहां बड़े हनुमान जी का स्नान विशेष धार्मिक महत्व रखता है। स्नान के बाद मंदिर में दर्शन-पूजन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ रही। भक्तों ने मां गंगा और हनुमान जी से सुख, समृद्धि और परिवार की मंगलकामना की। संगम तट का यह अनुष्ठान प्रयागराज की आध्यात्मिक परंपरा और आस्था का प्रतीक है।

शराब ठेके के सामने विवाद में अधेड़ की गोली मारकर हत्या, आरोपी फरार

एजेंसी, फतेहपुर। फतेहपुर के हुसैनगंज थाना क्षेत्र के असनी गांव में शनिवार देर रात शराब ठेके के सामने विवाद के दौरान 52 वर्षीय मनीष दुबे की गोली मारकर हत्या कर दी गई। बताया गया कि मनीष का बेटा ठेके के सामने से गुजर रहा था, तभी सेल्समैन गोबर्धन निषाद के पुत्र अमन सिंह और मनु सिंह से उसका विवाद हो गया। बेटे ने अपने पिता को मौके पर बुला लिया। विवाद बढ़ने पर दोनों आरोपितों ने लाइसेंसी रिवाल्वर से मनीष पर गोली चला दी। गंभीर हालत में स्वजन उन्हें जिला अस्पताल ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में उनकी मौत हो गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव कब्जे में लेकर जांच शुरू की। परिजनों की तहरीर पर नामजद मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस फरार आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है। वहीं एक आरोपित के पिता को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

नुमाइश मैदान में पौधारोपण, दुकानदारों को सौंपी पौधों की जिम्मेदारी

एजेंसी, औरैया। औरैया में पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से समाजसेवी संगठन एक विचित्र पहल सेवा समिति ने रविवार को तिलक नगर स्थित नुमाइश मैदान में जीवनधारा पौधारोपण अभियान चलाया। समिति अध्यक्ष राजीव पोरवाल के नेतृत्व में शमी, हरसिंगार, बेलपत्र, चितवन, कदम और अशोक समेत विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए। लोगों को उनकी पसंद के पौधे निःशुल्क वितरित भी किए गए। पौधों की देखभाल और सुरक्षा की जिम्मेदारी आसपास के दुकानदारों को सौंपी गई। अभियान के बाद पर्यावरण संरक्षण पर गोष्ठी आयोजित की गई। समिति के संस्थापक आनंद नाथ गुप्ता ने कहा कि पेड़-पौधे वायु शुद्ध करने, कार्बन डाइऑक्साइड सोखने और तापमान नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

यूपी के रेलवे, बस स्टेशनों और हवाई अड्डों पर खुलेंगे महिला उत्पाद विपणन केंद्र

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने महिला विपणन केंद्र के प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए निर्देश

एजेंसी, लखनऊ

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने रविवार को उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़ी योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने मिशन निदेशक से स्वयं सहायता समूहों के संबंध में जानकारी ली और योजनाओं के धरातलीय क्रियान्वयन को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से तीन करोड़ महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़ने और एक करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाने के लक्ष्य को मिशन मोड में पूरा करने को कहा।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि स्वयं सहायता समूहों से जुड़े उत्पादों के वितरण और ब्रांडिंग को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश में ब्लॉक स्तर पर 543 प्रेरणा सरल स्टोर स्थापित किए गए हैं। तीन हजार से अधिक उत्पादों को ऑनलाइन और ऑफलाइन विपणन मंचों से जोड़ा गया है। उन्होंने इन उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाने की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए, ताकि महिलाओं को उनके उत्पादों का उचित मूल्य मिल सके और उनकी आय में वृद्धि हो।

उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी सौर ऊर्जा आधारित गतिविधियों में बढ़ाने पर भी जोर दिया। अधिकारियों को निर्देश दिया कि लखपति दीदी के लक्ष्य को पूरा करने के लिए ग्रामीण स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। उद्योगों और उद्यमियों को सौर ऊर्जा के लाभों की जानकारी देकर सौर ऊर्जा स्थापना से जुड़ी गतिविधियों को बढ़ावा देने की दिशा में काम किया जाए।

केशव प्रसाद मौर्य ने ड्रोन दीदी योजना की भी समीक्षा की। उन्होंने बताया कि प्रदेश के 75 जिलों में 11,81,660 हेक्टेयर क्षेत्र के लिए ड्रोन सखियों का चयन किया गया है। प्रथम चरण में महिलाओं को 114 ड्रोन उपलब्ध कराए गए हैं। उन्होंने अधिकारियों से ड्रोन तकनीक का उपयोग किसानों की आय बढ़ाने, खेती की लागत कम करने और रासायनिक उर्वरकों के इस्तेमाल को घटाने के लिए करने को कहा। साथ ही जैविक खेती को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री ने टेक होम राशन योजना का विस्तार जल्द सभी 75 जिलों तक करने को कहा। वर्तमान में 43 जिलों में 204 इकाइयां संचालित हैं, जिनमें करीब चार हजार सदस्य कार्यरत हैं।

उन्होंने दुग्ध उत्पादन, मधुमक्खी पालन और मत्स्य पालन जैसे क्षेत्रों में भी अधिक से अधिक स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को जोड़ने के निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री महिला उत्पादन विपणन योजना के तहत पायलट परियोजना के रूप में प्रदेश के 75 जिलों के 826 विकास खंडों के अलावा 100 रेलवे स्टेशनों, 100 बस स्टेशनों और पांच हवाई अड्डों पर महिला उत्पाद विपणन केंद्र स्थापित किए जाएंगे। अधिकारियों को इन केंद्रों की स्थापना के संबंध में प्रस्ताव शीघ्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बागपत के बिनौली गांव में 48 घंटे में पांच मौतों से मचा हड़कंप

एजेंसी, बागपत

बागपत के प्रमुख गांव बिनौली में पिछले 48 घंटों के भीतर दो महिलाओं समेत पांच लोगों की अचानक मौत से पूरे गांव में शोक की लहर है। लगातार हुई मौतों से ग्रामीण हतप्रभ हैं, जबकि मृतकों के स्वजन गमजदा हैं। एक के बाद एक हुई इन घटनाओं ने ग्रामीणों की चिंता भी बढ़ा दी है। शुक्रवार सुबह गांव निवासी 60 वर्षीय सब्जी विक्रेता जगमोहन शर्मा की तबीयत अचानक बिगड़ गई। स्वजन के अनुसार उन्हें हल्का बुखार था। हालत बिगड़ने पर परिवार के लोग उन्हें उपचार के लिए मेरठ ले गए, लेकिन सुभारती अस्पताल पहुंचने से पहले ही उनकी मौत हो गई।

48 घंटे में पांच मौतों ने बढ़ाई ग्रामीणों की चिंता।

शुक्रवार रात 42 वर्षीय सुमन की भी बुखार के बाद अचानक तबीयत खराब हुई। बताया गया कि रक्त प्रवाह अत्यधिक कम होने के कुछ देर बाद ही उनकी मौत हो गई। इसी दौरान 59 वर्षीय संतोष की भी मौत हो गई। लगातार दो महिलाओं की मौत से गांव में मातम छा गया। शनिवार सुबह 56 वर्षीय धामा की अचानक तबीयत बिगड़ गई। स्वजन उन्हें उपचार के लिए बिनौली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके अलावा 48 घंटे की अवधि में एक अन्य व्यक्ति की भी मौत हुई है। लगातार पांच मौतों से ग्रामीणों में चिंता का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि अचानक हो रही मौतों के कारणों को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है।

स्वास्थ्य विभाग की ओर से मामले की वास्तविक वजह सामने आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। मृतकों के घरों में शोक का माहौल है और गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है। स्वास्थ्य विभाग की जांच के बाद ही मौतों की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी। ग्रामीणों ने प्रशासन से मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच कराने की मांग की है। लगातार हुई मौतों से गांव में भय और चिंता का माहौल बना हुआ है।

भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री हरीश द्विवेदी पहुंचे लखनऊ, एयरपोर्ट पर सुनी मन की बात

एजेंसी, लखनऊ

राष्ट्रीय महामंत्री बनने के बाद हरीश द्विवेदी का पहली बार लखनऊ में भव्य स्वागत।

भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त राष्ट्रीय महामंत्री हरीश द्विवेदी रविवार को पहली बार राष्ट्रीय महामंत्री का दायित्व संभालने के बाद लखनऊ पहुंचे। चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया।

इस दौरान राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार सोमेंद्र तोमर, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष राजेश यादव, नीरज सिंह और विवेक मौर्य समेत कई नेता मौजूद रहे। हवाई अड्डे पर स्वागत के बाद हरीश द्विवेदी ने पार्टी नेताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' को सुना। वहीं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने प्रदेश मुख्यालय में पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ कार्यक्रम सुना। हरीश द्विवेदी के राष्ट्रीय महामंत्री बनने के बाद उनके प्रथम लखनऊ आगमन को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह दिखाई दिया।

बदमाशों से मुठभेड़ में पुलिस की कार्रवाई, तीन आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी, सुलतानपुर। उत्तर प्रदेश के सुलतानपुर जिले के मोतीगरपुर थाना क्षेत्र में शनिवार रात पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दो बदमाश गोली लगने से घायल हो गए, जबकि उनके तीसरे साथी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। घायल बदमाशों को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने रविवार को बताया कि मोतीगरपुर क्षेत्र में पुलिस टीम को बदमाशों से मुठभेड़ हुई। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की, जिसमें शिवम सिंह और रतन निषाद घायल हो गए। दोनों को तत्काल जिला अस्पताल भेजा गया। वहीं, उनके साथी सत्यम गौतम को पुलिस ने मौके से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार आरोपितों के कब्जे और उनकी निशानदेही पर अवैध तमंचा, पिस्टल, जिंदा और खोखा कारतूस तथा एक मोटरसाइकिल बरामद की गई है।

चित्रकूट में बाढ़ का कहर, मंदाकिनी पुल के पास धंसी हाईवे की सड़क

एजेंसी, चित्रकूट

चित्रकूट में 23 साल बाद मंदाकिनी नदी में आई रिकॉर्ड बाढ़ का पानी अब धीरे-धीरे उतरने लगा है। जलस्तर कम होने के बाद बाढ़ से हुई तबाही के निशान सामने आने लगे हैं। झांसी-मीरजापुर हाईवे पर कर्वी स्थित मंदाकिनी पुल के पास सड़क का करीब 10 फीट हिस्सा धंस गया है। इससे हाईवे पर यातायात व्यवस्था प्रभावित हो गई है।

बताया जा रहा है कि तेज बहाव के कारण पुल के किनारे की मिट्टी कट गई, जिससे पुल से जुड़ी सड़क का बड़ा हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। सड़क धंसने की जानकारी मिलते ही प्रशासन ने सुरक्षा के लिहाज से पुल पर बड़े वाहनों की आवाजाही रोक दी। यातायात पुलिस ने मौके पर बैरिकेडिंग कर दी है। फिलहाल दोपहिया और चार पहिया वाहनों को सावधानी के साथ वहां से निकाला जा रहा है। बड़े वाहनों को वैकल्पिक मार्गों से भेजा जा रहा है। इससे हाईवे पर चलने वाले वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सड़क क्षतिग्रस्त होने के कारण यातायात सामान्य होने में समय लग सकता है। बाढ़ के दौरान मंदाकिनी नदी का पानी कई इलाकों में पहुंच गया था। अब पानी कम होने के बाद सड़कों, पुलों और आसपास के क्षेत्रों में हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

परेशान मत हों, हर समस्या का कराएंगे प्रभावी समाधान : योगी आदित्यनाथ

एजेंसी, गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को लगातार दूसरे दिन गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन किया। इस दौरान उन्होंने करीब 200 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और सभी को जल्द समाधान का भरोसा दिलाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी को परेशान होने की जरूरत नहीं है। हर शिकायत का प्रभावी और पारदर्शी तरीके से निस्तारण कराया जाएगा।

जनता दर्शन में मुख्यमंत्री स्वयं लोगों तक पहुंचे और एक-एक करके उनके प्रार्थना पत्र लिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को शिकायतें भेजते हुए तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। अधिकारियों से कहा कि जनता की समस्याओं के समाधान में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पीड़ितों के साथ संवेदनशील व्यवहार करते हुए उन्हें न्याय दिलाया जाए। मुख्यमंत्री ने जमीन पर अवैध कब्जे और कमजोर लोगों को उजाड़ने की शिकायतों को गंभीरता से लिया। उन्होंने अधिकारियों को ऐसे मामलों में कड़ी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की मांग लेकर भी पहुंचे। मुख्यमंत्री ने उन्हें सरकार की ओर से हरसंभव मदद का भरोसा दिया। उन्होंने उपचार संबंधी अनुमानित खर्च की प्रक्रिया शीघ्र पूरी कर शासन को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। परिजनों के साथ पहुंचे बच्चों से मुख्यमंत्री ने पढ़ाई के बारे में जानकारी ली और उन्हें मन लगाकर पढ़ने के लिए प्रेरित किया। बच्चों को चॉकलेट भी दी। इससे पहले मुख्यमंत्री ने मंदिर की गोशाला में गोसेवा की। उन्होंने भोलू नाम के नंदी को गुड़-रोटी खिलाकर दुलारा और अन्य गोवंश को भी भोजन कराया।

वाराणसी में फिर बढ़ा गंगा का जलस्तर, चेतावनी बिंदु की ओर बढ़ाव

एजेंसी, वाराणसी

गंगा के बढ़ते जलस्तर से नौका संचालन प्रभावित, नाविकों की रोजी-रोटी पर संकट।

वाराणसी में गंगा का जलस्तर एक बार फिर बढ़ने लगा है। केंद्रीय जल आयोग की रविवार सुबह आठ बजे जारी रिपोर्ट के अनुसार, गंगा का पानी करीब चार सेंटीमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से बढ़ रहा है। बढ़ते जलस्तर के कारण नदी चेतावनी बिंदु की ओर तेजी से बढ़ रही है, जिससे तटवर्ती इलाकों में चिंता बढ़ गई है। राजघाट स्थित माप स्थल के अनुसार गंगा का चेतावनी बिंदु 70.262 मीटर है, जबकि खतरे का निशान 71.262 मीटर पर निर्धारित है। वहीं, उच्च बाढ़ स्तर 73.901 मीटर दर्ज किया गया है।

रविवार सुबह गंगा का जलस्तर 68.94 मीटर रहा। जलस्तर बढ़ने के साथ नदी का पानी उन क्षेत्रों में दोबारा पहुंचने लगा है, जहां हाल में पानी कम हुआ था। बढ़ते पानी का असर घाटों और आसपास के इलाकों में दिखाई देने लगा है। कई स्थानों पर गलियों में पानी पहुंचने से लोगों की परेशानी बढ़ रही है। अंतिम संस्कार की गतिविधियां गलियों और छतों तक सीमित हो गई हैं। आरती स्थलों को भी छतों पर स्थानांतरित किया गया है।

नौका संचालन प्रभावित होने से नाविकों और स्थानीय लोगों की रोजी-रोटी पर भी संकट गहरा गया है। प्रशासन ने स्थिति पर नजर रखने के लिए निगरानी टीमें गठित की हैं और संभावित राहत कार्यों की तैयारी शुरू कर दी है। प्रशासन ने लोगों से सावधानी बरतने की अपील की है। जलस्तर में लगातार बढ़ोतरी को देखते हुए तटवर्ती इलाकों में निगरानी बढ़ा दी गई है और राहत टीमों को तैयार रखा गया है।

रामकटोरा में सीवर पाइप लाइन भर जाने से मकानों में दूषित जल ओवरफ्लो

एजेंसी, वाराणसी। चेतगंज वार्ड के रामकटोरा क्षेत्र में सीवर पाइपलाइन जाम होने के कारण दूषित पानी मकानों में ओवरफ्लो होने से स्थानीय लोगों की परेशानी बढ़ गई है। गौतम होटल के सामने सड़क के नीचे बिछी सीवर पाइपलाइन पूरी तरह भर जाने के कारण घरों में गंदा पानी पहुंच रहा है। इससे लोगों को दुर्गंध और गंदगी के बीच रहने को मजबूर होना पड़ रहा है। रामकटोरा निवासी अमित पाण्डेय ने बताया कि उनके मकान में पिछले काफी समय से दूषित पानी ओवरफ्लो हो रहा है। सीवर का पानी घर में फैलने से परिवार के लोगों को काफी परेशानी हो रही है। दूषित पानी के संपर्क में आने से परिवार के एक सदस्य की तबीयत भी बिगड़ गई। उन्होंने बताया कि समस्या की सूचना जलकल विभाग को दी गई थी। विभाग के दो कर्मचारी मौके पर पहुंचे भी, लेकिन समस्या का समाधान किए बिना वापस लौट गए।

स्थानीय पार्षद श्रवण गुप्ता ने बताया कि सड़क पर सीवर लाइन भर जाने के कारण पानी की निकासी पूरी तरह बाधित है। इससे दूषित पानी मकानों में पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि समस्य बंधन, शनिवार और रविवार के कारण सीवर सफाई का काम नहीं हो सका। संभावना है कि सोमवार को जलकल विभाग के कर्मचारी मशीन की मदद से जाम सीवर लाइन की सफाई करेंगे। स्थानीय लोगों ने जल्द कार्रवाई कर दूषित पानी की समस्या से राहत दिलाने की मांग की है। जलभराव के कारण क्षेत्र में दुर्गंध और गंदगी फैल रही है। स्थानीय लोगों ने बीमारी फैलने की आशंका जताते हुए जल्द सीवर सफाई और दूषित पानी की निकासी की मांग की है। सोमवार को सीवर सफाई की उम्मीद, दूषित पानी से परेशान लोगों ने जल्द समाधान और बीमारी रोकने की मांग उठाई।

बारिश से जलभराव की समस्या, प्रयागराज में टेबलटॉप काटने का काम शुरू

एजेंसी, प्रयागराज

इस बार मानसून में प्रयागराज में लगातार हो रही बारिश से शहर के कई इलाकों में जलभराव की समस्या बढ़ गई है। जुलाई के बाद अगस्त में भी अच्छी बारिश होने के कारण सड़क, गली और चौराहों पर पानी जमा होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। जलभराव से राहत दिलाने के लिए अब नगर क्षेत्र में जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने की कवायद शुरू की गई है।

शहर के कई चौराहों पर वाहनों की गति नियंत्रित करने के लिए बनाए गए टेबलटॉप के किनारों को काटने का काम शुरू किया गया है। कुछ स्थानों पर इनकी वजह से बारिश का पानी आगे नहीं निकल पा रहा था। पानी की निकासी बाधित होने के कारण आसपास के क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति बन रही थी। इसे देखते हुए संबंधित स्थानों पर टेबलटॉप के किनारे काटे जा रहे हैं, ताकि पानी आसानी से निकल सके। अधिकारियों के अनुसार, शहर के जिन चौराहों पर टेबलटॉप जल निकासी में बाधा बन रहे थे, वहां आवश्यकता के अनुसार इन्हें काटा जाएगा। इसके साथ ही बारिश के दौरान जलभराव वाले क्षेत्रों पर भी नजर रखी जा रही है।

लगातार बारिश के कारण शहर के कई मोहल्लों में लोगों को आवाजाही में दिक्कत हो रही है। सड़कों पर पानी जमा होने से वाहन चालकों और पैदल राहगीरों को परेशानी उठानी पड़ रही है। जल निकासी बेहतर होने से ऐसे स्थानों पर पानी के जल्द निकलने की उम्मीद है। प्रशासन का प्रयास है कि मानसून के दौरान जलभराव की समस्या को कम किया जा सके और लोगों को राहत मिले। इसके साथ ही जल निकासी नालियों की सफाई और पानी की निकासी वाले मार्गों को सुचारु करने पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

सुधार

223 छात्रावासों में मरम्मत और रखरखाव के कार्य तय समय सीमा में गुणवत्ता के साथ पूरे करने के निर्देश

12.45 करोड़ रुपए से बदलेगी 223 राजकीय अनुसूचित जाति छात्रावासों की तस्वीर

एजेंसी, सोनभद्र

उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रदेश के राजकीय अनुसूचित जाति छात्रावासों में रहने वाले विद्यार्थियों को बेहतर आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। समाज कल्याण विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने प्रदेश के सभी 223 राजकीय अनुसूचित जाति छात्रावासों के रखरखाव, मरम्मत और बुनियादी सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए 12.45 करोड़ रुपये की बजट स्वीकृति प्रदान की है। इसके साथ ही अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि सभी कार्य गुणवत्ता के साथ और निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरे कराए जाएं।

सरकार की ओर से स्वीकृत धनराशि का उपयोग छात्रावासों की मौजूदा व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने में किया जाएगा। छात्रावासों में विद्यार्थियों की क्षमता के आधार पर रखरखाव और मरम्मत के लिए राशि जारी की जाएगी। इसके तहत 50 विद्यार्थियों की क्षमता वाले छात्रावासों को प्रति छात्रावास अधिकतम पांच लाख रुपये तक की धनराशि उपलब्ध कराई जाएगी। क्षमता के अनुसार अन्य छात्रावासों के लिए भी आवश्यक धनराशि निर्धारित की जाएगी।

स्वीकृत बजट से छात्रावासों में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इनमें पेयजल व्यवस्था में सुधार, विद्युत उपकरणों की मरम्मत और आवश्यक सुधार, शौचालयों की मरम्मत, भवनों का रंग-रोगन तथा सुरक्षा और स्वच्छता से जुड़ी व्यवस्थाओं को बेहतर करना शामिल है। इन कार्यों का उद्देश्य विद्यार्थियों को स्वच्छ, सुरक्षित और अध्ययन के अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराना है। छात्रावासों में रहने वाले विद्यार्थियों के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होना उनकी पढ़ाई और दैनिक जीवन दोनों के लिहाज से महत्वपूर्ण है। लंबे समय से रखरखाव की जरूरत वाले भवनों और सुविधाओं की मरम्मत होने से विद्यार्थियों को राहत मिलने की उम्मीद है।

सरकार का प्रयास है कि छात्रावासों में रहने वाले विद्यार्थियों को किसी तरह की बुनियादी असुविधा का सामना न करना पड़े। राज्य मंत्री असीम अरुण ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि छात्रावासों में होने वाले सभी रखरखाव और मरम्मत कार्यों में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाए। उन्होंने निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्य पूरे कराने पर भी जोर दिया है। विभागीय स्तर पर कार्यों की निगरानी और प्रगति की समीक्षा करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि स्वीकृत बजट का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित हो सके।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ बेहतर और सम्मानजनक आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उनके अनुसार, छात्रावास केवल विद्यार्थियों के रहने की जगह नहीं हैं, बल्कि उनके भविष्य निर्माण के महत्वपूर्ण केंद्र हैं। ऐसे में यहां का वातावरण सुरक्षित, स्वच्छ और पढ़ाई के अनुकूल होना आवश्यक है। सरकार के इस फैसले से प्रदेश के 223 राजकीय अनुसूचित जाति छात्रावासों में रहने वाले विद्यार्थियों को सीधे लाभ मिलने की उम्मीद है। भवनों की मरम्मत, रंग-रोगन, पेयजल, बिजली, शौचालय, स्वच्छता और सुरक्षा जैसी सुविधाओं में सुधार से छात्रावासों का वातावरण बेहतर होगा।

एक सितंबर तक प्रदेश में बारिश का दौर

प्रयागराज समेत पूर्वी यूपी में तेज बौछार के आसार

एजेंसी, प्रयागराज

यूपी में सात दिन बारिश के आसार, 28 जिलों में आंधी-बिजली का अलर्ट।

पूर्वी यूपी में ज्यादा बरसेंगे बादल, बिजली गिरने का भी खतरा।

उत्तर प्रदेश में मानसून की सक्रियता अगले कई दिनों तक बनी रहने की संभावना है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, पांच सितंबर तक प्रदेश के पूर्वी और पश्चिमी हिस्सों में बारिश का दौर जारी रह सकता है। इस दौरान कई स्थानों पर गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने और कुछ क्षेत्रों में भारी वर्षा होने की संभावना जताई गई है।

मौसम वैज्ञानिक डॉ. एसएन सुनील पांडेय ने बताया कि मौसम विभाग के लखनऊ केंद्र की ओर से जारी सात दिवसीय पूर्वानुमान में प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में वर्षा के आसार हैं। आज से पांच सितंबर के बीच पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कुछ स्थानों और पूर्वी उत्तर प्रदेश में कुछ से अनेक स्थानों पर बारिश हो सकती है। एक से पांच सितंबर के बीच पूर्वी उत्तर प्रदेश में वर्षा की गतिविधियां अपेक्षाकृत अधिक सक्रिय रहने की संभावना है।

मौसम विभाग के अनुसार,आज पूर्वी उत्तर प्रदेश में कहीं-कहीं भारी बारिश के साथ गरज-चमक हो सकती है। पश्चिमी हिस्से में भी कुछ स्थानों पर वर्षा और बौछारें पड़ने का अनुमान है। एक सितंबर को दोनों क्षेत्रों में कई स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है। दो से पांच सितंबर तक भी कहीं-कहीं भारी वर्षा हो सकती है।

आकाशीय बिजली को लेकर सावधानी बारिश के साथ मेघगर्जन और आकाशीय बिजली गिरने का खतरा भी रहेगा। मौसम विभाग ने खुले स्थानों, खेतों और पेड़ों के नीचे रहने से बचने की सलाह दी है। गरज-चमक के दौरान लोगों को सुरक्षित स्थानों पर रहने और बिजली के खंभों से दूरी बनाए रखने को कहा गया है।

डॉ. पांडेय के अनुसार, बंगाल की खाड़ी से लगातार मिल रही नमी और मानसूनी परिस्थितियों के कारण बारिश का सिलसिला आगे भी जारी रह सकता है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में बारिश अधिक सक्रिय रह सकती है। प्रयागराज में गंगा और यमुना के जलस्तर में पिछले 24 घंटे में तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई है। ऐसे में अगले कुछ दिनों की बारिश तटवर्ती और निचले इलाकों के लिए महत्वपूर्ण है।

विदेश यात्रा पर पूर्ण प्रतिबंध को हाईकोर्ट ने बताया मनमाना, हरियाणा सरकार को लगाई कड़ी फटकार

नर्सिंग अधिकारी की याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने सरकार के फैसले पर उठाए सवाल

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने हरियाणा सरकार की ओर से सरकारी कर्मचारियों के विदेश जाने पर लगाई गई पूर्ण पाबंदी को खारिज कर दिया है। अदालत ने सरकार के इस फैसले को मनमाना और असंतुलित बताते हुए कहा कि किसी कर्मचारी के संवैधानिक अधिकारों पर इस तरह व्यापक रोक नहीं लगाई जा सकती। अदालत ने सरकार के तर्कों पर भी कड़ी टिप्पणी की और कहा कि प्रतिबंध का उद्देश्य और उसके प्रभाव के बीच संतुलन होना जरूरी है।

मामले की सुनवाई जस्टिस हरप्रीत सिंह बरार की पीठ ने की। अदालत ने टिप्पणी की कि सरकार की ओर से लगाया गया प्रतिबंध उसके बताए, उद्देश्यों के मुकाबले बेहद कठोर था। अदालत ने इस कदम की तुलना अखरोट तोड़ने के लिए भारी हथौड़े के इस्तेमाल से

करते हुए कहा कि किसी समस्या के समाधान के लिए, जरूरत से अधिक कठोर उपाय अपनाना उचित नहीं है।

हाईकोर्ट ने सरकार से यह भी सवाल किया कि यदि कोई कर्मचारी अपने पेशेवर कौशल को बढ़ाने, प्रशिक्षण लेने या किसी परीक्षा में शामिल होने के लिए विदेश जाना चाहता है, तो उसे पूरी तरह रोकने से सरकार के ईंधन बचाने के उद्देश्य को किस प्रकार हासिल किया जा सकता है।

अदालत के अनुसार, केवल खर्च कम करने या किसी प्रशासनिक उद्देश्य के आधार पर सभी सरकारी कर्मचारियों के विदेश जाने पर पूर्ण प्रतिबंध नहीं लगाया जा सकता। यह पूरा विवाद रोहतक स्थित पीजीआईएमएस की नर्सिंग अधिकारी शीतल रानी की याचिका से जुड़ा है। शीतल रानी ने ऑस्ट्रेलिया में आयोजित होने वाले एक पेशेवर पाठ्यक्रम और पंजीकरण परीक्षा में शामिल होने के लिए छुट्टी की अनुमति मांगी थी। वह फरवरी 2021 में पीजीआईएमएस रोहतक में नर्सिंग अधिकारी के पद पर नियुक्त हुई थीं।

जनवरी 2024 में उन्हें ऑस्ट्रेलिया के वीजा आवेदन की मंजूरी मिली और इसके बाद उन्हें आगंतुक वीजा भी जारी कर दिया गया। ऑस्ट्रेलिया में उनकी परीक्षा 29 सितंबर को निर्धारित थी। इसमें शामिल होने के लिए उन्होंने अर्जित अवकाश का आवेदन किया था। हालांकि, विदेश यात्रा को लेकर सरकार की नीति के कारण उनकी परेशानी बढ़ गई और मामला हाईकोर्ट तक पहुंचा। याचिका पर सुनवाई के दौरान अदालत ने सरकारी कर्मचारियों के व्यक्तिगत और पेशेवर अधिकारों के बीच संतुलन की जरूरत पर जोर दिया।

राखी बंधवाकर नहर में नहाने गया इकलौता बेटा, 48 घंटे बाद मिला शव

भारतेन्दु संवाददाता, सोमवार

रक्षाबंधन के त्योहार पर परिवार में खुशियों का माहौल उस समय मातम में बदल गया, जब 16 वर्षीय समीर की नहर में डूबने से मौत हो गई। बहन से राखी बंधवाने के बाद समीर अपने दो नाबालिग मामाओं के साथ नहर में नहाने गया था। गहरे पानी और तेज बहाव की चपेट में आने के बाद वह लापता हो गया। करीब 48 घंटे तक तलाश के बाद रविवार सुबह उसका शव गांव नारायण के पास नहर में बहता मिला।

जानकारी के अनुसार, अर्जुन नगर निवासी समीर रक्षाबंधन के दिन बहन से राखी बंधवाकर घर से निकला था। इसके बाद वह अपने दोनों नाबालिग मामाओं के साथ पास की नहर पर पहुंचा। वहां दोनों मामा पानी में नहा रहे थे। उन्हें देखकर समीर ने भी नहर में छलांग लगा दी। नहर में पानी की गहराई अधिक होने और बहाव तेज होने के कारण वह अपना संतुलन खो बैठा और देखते ही देखते पानी में डूब गया। समीर के नहर में डूबने की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों और पुलिस ने उसकी तलाश शुरू की। नहर में काफी दूर तक खोजबीन की गई, लेकिन तत्काल कोई सुराग नहीं मिला। करीब दो दिन बाद रविवार सुबह गांव नारायण के पास नहर में उसका शव दिखाई दिया।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल के शवगृह में रखवा दिया है। पुलिस मामले की आगामी जांच कर रही है। समीर परिवार का इकलौता बेटा था, इसलिए उसकी मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिवार के अनुसार समीर के जाने से घर में गहरा दुख छा गया है। त्योहार की खुशियां मातम में बदल गईं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल के शवगृह में रखवा दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद शव परिजनों को सौंपा जाएगा। पुलिस घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है और नहर में नहाने के दौरान हुई परिस्थितियों की जानकारी जुटा रही है।

कैथल में रफ्तार का कहर, आठ माह में 176 हादसे, 93 लोगों की मौत

भारतेन्दु संवाददाता, कैथल

कैथल जिले की सड़कों पर तेज रफ्तार और यातायात नियमों की अनदेखी लोगों की जिंदगी पर भारी पड़ रही है। इस साल के शुरुआती आठ महीनों में कैथल जिले में 176 सड़क हादसे हुए हैं। इन हादसों में 93 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 163 लोग घायल हुए हैं। सड़क हादसों के लगातार बढ़ते आंकड़ों ने सड़क सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। आंकड़ों के अनुसार, जिले में औसतन हर माह करीब 22 सड़क हादसे हो रहे हैं और लगभग 12 लोगों की जान जा रही है।

हादसों के पीछे तेज रफ्तार, ओवरलोड वाहन और यातायात नियमों का पालन नहीं करना प्रमुख कारण बताए जा रहे हैं। कई वाहन चालक सड़क पर निर्धारित गति सीमा का पालन नहीं करते, जिससे हादसों का खतरा बढ़ जाता है। सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूकता की कमी भी हादसों का एक बड़ा कारण मानी जा रही है। यातायात नियमों का पालन नहीं करने के कारण वाहन चालक खुद के साथ-साथ दूसरे राहगीरों की जान भी जोखिम में डाल रहे हैं। ऐसे में वाहन चलाते समय गति सीमा का पालन करने और यातायात नियमों के प्रति जागरूक रहने की आवश्यकता है।

यदि पिछले तीन साल आठ महीनों के आंकड़ों पर नजर डालें तो कैथल में सड़क हादसों में 595 लोगों की जान जा चुकी है। वर्ष 2023 में 172 लोगों की मौत हुई थी, जबकि 2024 में 160 लोगों ने जान गंवाई। वर्ष 2025 में भी करीब 170 लोगों की सड़क हादसों में मौत हुई थी। लगातार हो रही मौतों को देखते हुए सड़क सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने, तेज रफ्तार वाहनों पर अंकुश लगाने और लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने की जरूरत है।

हिसार में कांग्रेस नेता वजीर सिंह पूनिया को मिली जान से मारने की धमकी

भारतेन्दु संवाददाता, हिसार

हरियाणा में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और ऑल इंडिया राहुल गांधी कांग्रेस कमेटी के सदस्य वजीर सिंह पूनिया को जान से मारने की धमकी मिलने का मामला सामने आया है। फोन करने वाले व्यक्ति ने पूनिया और उनके बेटे को जान से मारने की धमकी देते हुए तुरंत हिसार शहर छोड़ने की चेतावनी दी। घटना के बाद पूनिया ने सिविल लाइंस थाना पुलिस को शिकायत देकर सुरक्षा की मांग की है।

पुलिस को दी शिकायत में पूनिया ने बताया कि 29 अगस्त को शाम करीब 7:45 बजे उनके मोबाइल फोन पर एक व्यक्ति का फोन आया। फोन करने वाले ने अपना नाम कुंडू बताया। पूनिया के अनुसार, बातचीत शुरू होते ही आरोपी ने उनके साथ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया और गाली-गलौज करने लगा। इसके बाद

फोन पर गाली-गलौज के बाद कांग्रेस नेता को मिली गंभीर धमकी।

उसने उन्हें और उनके बेटे को जान से मारने की धमकी दी।

आरोपी ने कथित तौर पर पूनिया को तत्काल हिसार शहर छोड़ने के लिए कहा। धमकी मिलने के बाद कांग्रेस नेता ने मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस से शिकायत की। उन्होंने पुलिस को आरोपी का मोबाइल नंबर भी उपलब्ध करवाया है। पूनिया ने पुलिस को फोन पर हुई बातचीत की पूरी रिकॉर्डिंग भी सौंपी है।

विवादित बयान पर भाजपा विधायक का यू-टर्न, रोड समाज से मांगी माफी

भारतेन्दु संवाददाता, करनाल।

बीरू वाल्मीकि हत्याकांड से जुड़े हर्ष एनकाउंटर मामले को लेकर विवादित बयान देने वाले भाजपा विधायक जगमोहन आनंद ने रविवार को रोड समाज से माफी मांग ली। करनाल के लोक निर्माण विभाग विश्राम गृह में विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण, विधायक जगमोहन आनंद और अन्य नेताओं की रोड समाज के पदाधिकारियों के साथ बैठक हुई। बैठक के दौरान विधायक आनंद ने अपने बयान को लेकर खेद जताया और समाज से माफी मांगी। उन्होंने कहा कि समाज में भाईचारा और आपसी सौहार्द बनाए रखना बेहद जरूरी है। उन्होंने सभी पक्षों से मिलकर शांति बनाए रखने की अपील की। दरअसल, हर्ष एनकाउंटर मामले के बाद विधायक के कथित बयान 'शाम तक रिजल्ट आएगा' को लेकर रोड समाज में नाराजगी थी।

गुमनाम दानवीर ने 30 दिनों में सरकारी स्कूल की पूरी तस्वीर बदलकर नई मिसाल कायम की

भारतेन्दु संवाददाता, यमुनानगर

मदद ऐसी कि नाम पूछो तो चुप्पी, लेकिन काम देखो तो पूरा स्कूल उसकी कहानी बयां करता है। सरस्वतीनगर खंड के गंदापुरा गांव में एक गुमनाम दानवीर ने महज 30 दिनों में राजकीय माध्यमिक स्कूल की तस्वीर बदलकर समाजसेवा की अनोखी मिसाल पेश की है। दानवीर ने बिना अपना नाम सार्वजनिक किए स्कूल में विद्यार्थियों की सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए कई कार्य करवाए हैं।

गांव के इस सरकारी स्कूल में पहले विद्यार्थियों को कई बुनियादी सुविधाओं की कमी का सामना करना पड़ता था। अब यहां कक्षाओं की व्यवस्था से लेकर बच्चों के बैठने और खेलने तक की सुविधाओं में सुधार किया गया है। दानवीर की ओर से

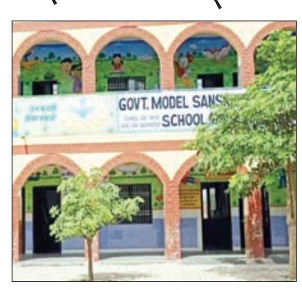

स्कूल में 30 ड्यूल डेस्क उपलब्ध करवाए गए हैं। इससे विद्यार्थियों को बैठने के लिए बेहतर व्यवस्था मिल गई है।

इसके अलावा स्कूल परिसर में बच्चों के लिए झूले भी लगाए गए हैं, जिससे पढ़ाई के साथ उनके मनोरंजन और शारीरिक गतिविधियों का भी ध्यान रखा जा सके। स्कूल में पढ़ने वाले करीब 50 विद्यार्थियों को वर्दी और स्कूल बैग भी उपलब्ध करवाए गए हैं। इससे जरूरतमंद बच्चों और उनके परिवारों को आर्थिक राहत मिली है। दानवीर ने केवल नई सुविधाएं उपलब्ध करवाने तक ही खुद को सीमित नहीं रखा, बल्कि स्कूल भवन की मरम्मत और रंगाई का काम भी करवाया। इससे विद्यालय परिसर पहले की अपेक्षा अधिक आकर्षक और व्यवस्थित नजर आने लगा है। स्कूल की दीवारों और भवन की बदली तस्वीर से विद्यार्थियों में भी उत्साह बढ़ा है।

गांव के लोगों और स्कूल स्टाफ ने गुमनाम दानवीर के प्रयासों की सराहना की है। उनका कहना है कि समाज में ऐसे लोग जरूरतमंद संस्थानों की मदद करके शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। खास बात यह है कि दानवीर ने अपना नाम या पहचान को सामने लाने के बजाय बच्चों की जरूरतों को प्राथमिकता दी।

न्यूज ब्रीफ

रामपाल दास के खिलाफ आर्य समाज के विद्वानों ने खोला मोर्चा

भारतेन्दु संवाददाता, रोहतक। आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा की ओर से रविवार को दयानंद मठ में पाखंड खंडन सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न राज्यों से आर्य समाज के प्रमुख प्रतिनिधि और विद्वान शामिल हुए। सम्मेलन में बढ़ते पाखंड के खिलाफ आवाज बुलंद करते हुए इसे समाप्त करने के लिए ठोस निर्णय लेने पर चर्चा की गई। आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा के उपप्रधान उमेद सिंह ने कहा कि पाखंड के खिलाफ आर्य समाज ने बिगुल बजा दिया है। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में रामपाल दास के विचारों और गतिविधियों पर भी विद्वानों ने अपने वक्तव्य रखे। इसके लिए सात विद्वानों को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है। सम्मेलन में पाखंड के खिलाफ आगे की रणनीति तैयार करने पर भी विचार हुआ। आयोजकों के अनुसार, कार्यक्रम के दौरान संघर्ष को तेज करने का आह्वान किया जा सकता है।

तेज रफ्तार पिकअप ने कार को मारी टक्कर, चार वाहन आपस में भिड़े

भारतेन्दु संवाददाता, यमुनानगर। कैल गांव के पास कचरा प्लांट के सामने रविवार को तेज रफ्तार पिकअप की टक्कर से बड़ा सड़क हादसा हो गया। पिकअप ने आगे चल रही कार को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद कार अनियंत्रित होकर आगे जा रही हरियाणा रोडवेज की बस से भिड़ गई और फिर सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई। हादसे में आसपास चल रहे चार वाहन इसकी चपेट में आ गए। हादसे में एक स्कूटी सवार की मौत हो गई। दुर्घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटाने की कार्रवाई की गई। पुलिस ने मामले में पिकअप चालक के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार को हादसे की प्रमुख वजह माना जा रहा है। पुलिस चालक से पूछताछ कर रही है और हादसे से जुड़े तथ्यों की जांच जारी है।

हरियाणा: सुखना वाइल्डलाइफ सैंक्चुअरी इको सैंसिटिव जोन के लिए मास्टर प्लान मंजूर

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने सुखना वाइल्डलाइफ सैंक्चुअरी के 24.61 वर्ग किमी इको-सैंसिटिव जोन (ईएसजेड) के लिए जोनल मास्टर प्लान नोटिफाई कर दिया है। इसके तहत सैंक्चुअरी के कैचमेंट एरिया में नए कमर्शियल होटल, रिजॉर्ट और बड़े हाई-राइज निर्माण पर रोक रहेगी। स्थानीय निवासी भवन नियमों के अनुसार अपनी जरूरत के लिए निर्माण कर सकेंगे। मौजूदा स्वीकृत विकास योजनाएं जारी रहेंगी, जबकि मनसा देवी कॉम्प्लेक्स के स्वीकृत प्लान का सख्ती से पालन होगा। कमर्शियल माइनिंग, स्टोन क्रशिंग, नई आरा मिलें, प्रदूषणकारी उद्योग और प्राकृतिक जलस्रोतों का व्यावसायिक उपयोग प्रतिबंधित रहेगा। बड़े व्यावसायिक पशुधन व पोल्ट्री फार्म भी नहीं बन सकेंगे। बिना अनुमति पेड़ काटने पर रोक होगी। वहीं, जैविक खेती, बागवानी, डेयरी, मत्स्य पालन, वर्षाजल संचयन, नवीकरणीय ऊर्जा, एग्रोफॉरेस्ट्री और ग्रामीण कुटीर उद्योगों को बढ़ावा दिया जाएगा। नियमों की निगरानी जिला स्तरीय प्राधिकरण और डिस्ट्रिक्ट मॉनिटरिंग कमेटी करेगी।

आत्महत्या की कोशिश कर रहा था युवक पुलिस ने दरवाजा तोड़कर बचाया

भारतेन्दु संवाददाता, महेंद्रगढ़। हरियाणा के महेंद्रगढ़ में डायल-112 पुलिस टीम की तत्परता से एक युवक की जान बच गई। युवक तनाव और पारिवारिक विवाद के चलते बंद कमरे में आत्महत्या करने की कोशिश कर रहा था। इस दौरान उसकी मां को अनहोनी की आशंका हुई। उसने तुरंत डायल-112 पर फोन कर पुलिस से मदद मांगी। सूचना मिलते ही आपात रिस्पॉन्स व्हीकल (ईआरवी) की टीम करीब आठ मिनट में मौके पर पहुंच गई। युवक ने कमरे का दरवाजा अंदर से बंद कर रखा था। पुलिसकर्मियों ने बिना समय गंवाए दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया। युवक फंदे पर लटका मिला। पुलिसकर्मियों ने तुरंत उसे नीचे उतारा और प्राथमिक उपचार के साथ सीपीआर दी।

पांच लाख लेकर रजिस्ट्री से मुकरा जमीन पत्नी के नाम करने का आरोप

भारतेन्दु संवाददाता, जींद

सफीदों क्षेत्र में जमीन की खरीद-फरोख्त के नाम पर पांच लाख रुपये हड़पने और बाद में सौदा की गई जमीन पत्नी के नाम हस्तांतरित करने का मामला सामने आया है। सदर थाना सफीदों पुलिस ने शिकायत के आधार पर पति-पत्नी के खिलाफ जालसाजी सहित विभिन्न आरोपों में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सफीदों निवासी विक्रम ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसने गांव खेड़ा खेमावती निवासी रोशन से 30 जनवरी 2025 को जमीन का सौदा किया था।

जमीन के सौदे के समय उसने रोशन को पांच लाख रुपये दिए और इकरारनामा करवाया था। बाकी राशि जमीन की रजिस्ट्री के समय देने पर सहमति बनी थी। रजिस्ट्री करवाने के लिए 11 महीने का समय निर्धारित किया गया था। शिकायतकर्ता के अनुसार, सौदे के दौरान यह भी तय हुआ था कि यदि रोशन रजिस्ट्री करवाने से मना करता है तो वह अदालत के माध्यम

रजिस्ट्री का वादा कर पांच लाख लिए, जमीन पत्नी के नाम हस्तांतरित करने का आरोप।

से जमीन की रजिस्ट्री करवा सकता है। बाद में रोशन ने जमीन के बंटवारे से संबंधित पारिवारिक विवाद अदालत में लंबित होने की बात कही।

उसने विक्रम से कहा कि अदालत में मामले का फैसला आने के बाद जमीन की रजिस्ट्री करवा देगा। विक्रम के अनुसार, जुलाई 2025 में जमीन के हिस्से से संबंधित फैसला भी हो गया। इसके बाद जनवरी 2026 में उसने रोशन से जमीन की रजिस्ट्री करवाने के लिए कहा, लेकिन वह लगातार कोई न कोई बहाना बनाता रहा। शक होने पर विक्रम ने अपने स्तर पर जमीन के संबंध में जानकारी जुटाई। इस दौरान उसे पता चला कि रोशन ने जिस जमीन का सौदा उसके साथ किया था, उसे अपनी पत्नी सुमन के नाम हस्तांतरित कर दिया है। विक्रम ने जब रोशन से इस संबंध में पूछताछ की तो आरोप है कि उसने पांच लाख रुपये वापस करने और जमीन की रजिस्ट्री करवाने से इनकार कर दिया।

शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया कि उसे बुरा अंजाम भुगतने की धमकी दी गई। जांच अधिकारी एएसआई महेंद्र सिंह ने बताया कि पुलिस ने शिकायत के आधार पर रोशन और उसकी पत्नी सुमन के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और जमीन के दस्तावेजों सहित अन्य साक्ष्यों की जांच की जा रही है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। जांच के दौरान जमीन के दस्तावेजों और अन्य साक्ष्यों की जांच की जा रही है।

गुरुग्राम में मिसिंग लिंक रोड का काम शुरू छह सेक्टरों की कनेक्टिविटी होगी आसान

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम

गुरुग्राम में सेक्टर 68 और 69 के बीच आवागमन को सुगम बनाने की दिशा में गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। प्राधिकरण ने सेक्टर डिवाइडिंग रोड पर मिसिंग लिंक का निर्माण कार्य शुरू कर दिया है। सड़क के तैयार होने के बाद साउदर्न पेरिफेरल रोड (एसपीआर) और सोहना रोड के बीच लोगों को अतिरिक्त संपर्क मार्ग उपलब्ध होगा।

इस परियोजना से सेक्टर 68 और 69 के साथ-साथ सेक्टर 70, 70ए, 75 और 76 के निवासियों को भी राहत मिलने की उम्मीद है। वर्तमान में इन क्षेत्रों के बीच सीधी कनेक्टिविटी का अभाव होने के कारण लोगों को कई बार लंबा रास्ता तय करना पड़ता है। नई सड़क बनने से समय और दूरी दोनों की बचत होगी। परियोजना के तहत करीब 900 मीटर लंबी नई मुख्य सड़क बनाई जाएगी। इसके अलावा लगभग 1100 मीटर लंबी मौजूदा सड़क पर ओवरले का काम किया जाएगा।

फुटपाथ और साइकिल ट्रैक के साथ विकसित होगी नई सड़क।

इससे सड़क की स्थिति बेहतर होने के साथ वाहनों की आवाजाही भी सुचारु होगी।

स्थानीय यातायात को मुख्य सड़क से अलग रखने के लिए करीब दो किलोमीटर लंबी नई दो-लेन सर्विस रोड भी विकसित की जाएगी। इससे मुख्य मार्ग पर यातायात का दबाव कम करने में मदद मिलेगी और वाहन चालकों को सुगम रास्ता उपलब्ध होगा। परियोजना में केवल वाहनों की आवाजाही पर ही ध्यान नहीं दिया गया है, बल्कि पैदल यात्रियों और साइकिल चालकों के लिए भी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। सड़क के साथ फुटपाथ और साइकिल ट्रैक बनाया जाएगा। साथ ही जल निकासी की उचित व्यवस्था की जाएगी, जिससे बरसात के दौरान सड़क पर पानी जमा होने की समस्या को कम किया जा सके।

जीएमडीए की इस परियोजना को क्षेत्र की बढ़ती आबादी और यातायात जरूरतों के लिहाज से अहम माना जा रहा है। सड़क निर्माण पूरा होने के बाद आसपास के आवासीय क्षेत्रों और प्रमुख मार्गों के बीच संपर्क बेहतर होने की उम्मीद है। सड़क निर्माण पूरा होने से क्षेत्र में यातायात दबाव घटेगा और लोगों को रोजाना आवागमन में समय की बचत होगी।

दवाई लेने निकले युवक का पेड़ से लटका शव मिला

भारतेन्दु संवाददाता, फरीदाबाद।

सराय थाना क्षेत्र में बाईपास रोड स्थित एनएचपीसी चौक के पास रविवार को झाड़ियों में एक युवक का शव पेड़ से लटका मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान सूर्या विहार फेज-3 निवासी 30 वर्षीय रवि शर्मा के रूप में हुई है। सूचना मिलने पर सराय थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बीके अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया। मृतक के भाई मनोज शर्मा ने बताया कि शनिवार दोपहर रवि स्कूटी लेकर दवाई लेने के लिए घर से निकला था। इसके बाद वह वापस नहीं लौटा। परिजन उसकी तलाश कर रहे थे। रविवार को पुलिस को एनएचपीसी चौक के पास झाड़ियों में युवक का शव मिलने की सूचना मिली। जांच के दौरान शव की पहचान रवि के रूप में हुई। परिजनों के अनुसार, रवि की शादी करीब दो महीने बाद होनी थी। उसके हाथों की नस कटी हुई मिली हैं। पुलिस ने प्रथम दृष्टया आत्महत्या की आशंका जताई है।

सज्जन सिंह विवाद में दीपेंद्र हुड्डा घिरे, मनोहर लाल ने साधा निशाना

हुड्डा की टिप्पणी पर बोले मनोहर लाल, नेताओं की फितरत आई सामने

भारतेन्दु संवाददाता, करनाल

कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा की ओर से सज्जन सिंह को लेकर की गई टिप्पणी पर सियासी विवाद बढ़ता जा रहा है। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने इस मामले को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि व्यक्ति अपने चरित्र और फितरत के अनुसार ही बातें करता है। उन्होंने हुड्डा की टिप्पणी को अनुचित बताते हुए सज्जन सिंह से जुड़े पुराने विवाद और उन पर लगे आरोपों का भी उल्लेख किया।

मनोहर लाल ने कहा कि सज्जन सिंह पर किस प्रकार के आरोप लगे और किस तरह वह विवादों के कारण कटघरे में खड़े हुए, यह सभी जानते हैं। ऐसे व्यक्ति के बारे में इस प्रकार की टिप्पणी करना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि नेताओं के बयान उनकी सोच और चरित्र के अनुरूप होते हैं। केंद्रीय मंत्री ने इस दौरान कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा की टिप्पणी पर सीधे तौर पर सवाल उठाते हुए पार्टी की राजनीति पर भी निशाना साधा।

केंद्रीय मंत्री शनिवार शाम मेजर ध्यानचंद की जयंती के अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय खेल दिवस कार्यक्रम में शामिल होने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

इसी दौरान उनसे दीपेंद्र हुड्डा की सज्जन सिंह को लेकर की गई टिप्पणी के बारे में सवाल किया गया। मनोहर लाल ने कहा कि उन्होंने इस मामले में कोई नई बात नहीं जोड़ी है, बल्कि पुराने विवाद और आरोपों के संदर्भ में ही अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक जीवन में रहने वाले नेताओं को किसी व्यक्ति के बारे में टिप्पणी करते समय उसके पुराने विवादों और पृष्ठभूमि को ध्यान में रखना चाहिए।

मनोहर लाल के बयान के बाद हरियाणा की राजनीति में इस मुद्दे को लेकर आरोप-प्रत्यारोप तेज होने के आसार हैं। कांग्रेस और भाजपा के नेताओं के बीच पहले से जारी राजनीतिक खींचतान के बीच यह मामला एक बार फिर चर्चा में आ गया है। राष्ट्रीय खेल दिवस कार्यक्रम के दौरान मनोहर लाल ने नेपाल में आई प्राकृतिक आपदा को लेकर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि नेपाल में जिस प्रकार की बड़ी प्राकृतिक त्रासदी सामने आई है, उसके बारे में उन्होंने पहले कभी नहीं सुना। उनके अनुसार हिमालयी क्षेत्र में बनी कृत्रिम झीलों के टूटने, ग्लेशियरों के नीचे गिरने और नदियों में पानी एकत्र होने के बाद झीलों के टूटने से सैलाब जैसी स्थिति पैदा हुई है।

मनोहर लाल ने कहा कि हिमालयी क्षेत्र में प्राकृतिक और भौगोलिक परिस्थितियां बेहद संवेदनशील हैं। ऐसे क्षेत्रों में अचानक होने वाली घटनाएं बड़े स्तर पर नुकसान पहुंचा सकती हैं। नेपाल में आई आपदा ने एक बार फिर हिमालयी क्षेत्रों में आपदा प्रबंधन और सतर्कता की जरूरत को सामने रखा है। उन्होंने प्राकृतिक आपदा से प्रभावित लोगों के प्रति चिंता जताते हुए स्थिति को गंभीर बताया।

कांटेदार चूहे ने दिखाया लाखों का सपना होटल संचालक से 1 .15 लाख की ठगी

भारतेन्दु संवाददाता, नारनौल

कांटेदार चूहा यानी झावा मूसा की खरीद-फरोख्त में लाखों रुपये का मुनाफा कमाने का लालच देकर नारनौल में होटल संचालक से 1.15 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। आरोपियों ने सोशल मीडिया पर चल रही झावा मूसा की कीमत से जुड़ी अफवाहों का सहारा लेकर पीड़ित को अपने जाल में फंसाया। ताजीपुर निवासी प्रवीण कुमार ने शहर थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि नांगल चौधरी रोड पर एचपी पेट्रोल पंप के सामने उसका होटल है। 27 अगस्त को बाइक पर एक महिला और एक व्यक्ति उसके होटल पर पहुंचे। दोनों ने खुद को पति-पत्नी बताया। व्यक्ति ने अपना नाम गोपाल निवासी निमड़ी का बास, जिला अलवर बताया।

शिकायत के अनुसार दोनों ने प्रवीण को झावा मूसा खरीदने का प्रस्ताव दिया। उन्होंने बताया कि इसे दो लाख रुपये में खरीदकर आठ लाख रुपये में बेचा जा सकता है। इस तरह एक सौदे में करीब छह लाख रुपये का मुनाफा होने की बात कहकर उसे निवेश के लिए तैयार किया गया। पीड़ित के पास पूरी रकम नहीं थी। इस पर आरोपियों ने भरोसा दिलाया कि बाकी राशि वे खुद लगाएंगे। इसके बाद प्रवीण से 1.15 लाख रुपये ले लिए। आरोपियों ने कहा कि वे झावा मूसा को दूसरी पार्टी को बेचकर जल्द ही वापस आएंगे और मुनाफे की रकम उसे दे देंगे। इसके बाद दोनों आरोपी वापस नहीं लौटे। प्रवीण ने जब उनके मोबाइल फोन पर संपर्क करने का प्रयास किया तो फोन भी नहीं उठाया गया। इससे उसे ठगी का एहसास हुआ और उसने पुलिस को शिकायत दी।

झावा मूसा की कीमत को लेकर सोशल मीडिया पर कई तरह की अफवाहें चलती रही हैं। इन्हीं दावों का फायदा उठाकर लोगों को अधिक मुनाफे का लालच दिया जा रहा है। पुलिस शिकायत के आधार पर मामले की जांच कर रही है। पुलिस आरोपियों की पहचान और उनके ठिकानों का पता लगाने का प्रयास कर रही है। पुलिस ने लोगों से अफवाहों पर भरोसा न करने और ऐसे लालच भरे सौदों से बचने की अपील की है।

प्रयागराज में गंगा-यमुना उफान पर 100 से ज्यादा गांवों पर बाढ़ का खतरा

एजेंसी, नई दिल्ली

पहाड़ों पर लगातार हो रही तेज बारिश और बांधों से पानी छोड़े जाने के कारण प्रयागराज में नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। गंगा, यमुना, टोंस और बेलन नदियां उफान पर हैं। नदियों के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए शहर के कई मोहल्लों और किनारे बसे 100 से अधिक गांवों पर बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। प्रयागराज में यमुना नदी के जलस्तर में तेजी से बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। इसके साथ ही गंगा का पानी भी लगातार बढ़ रहा है। दोनों प्रमुख नदियों के बढ़ते जलस्तर का असर अब निचले इलाकों में दिखाई देने लगा है।

नदी किनारे रहने वाले लोगों की चिंता बढ़ गई है। बताया जा रहा है कि शहर के करीब एक दर्जन मोहल्ले बाढ़ की आशंका वाले क्षेत्रों में शामिल हैं। इसके अलावा नदी के किनारे बसे 100 से ज्यादा गांव भी प्रभावित होने के खतरे में हैं। लगातार बढ़ रहे पानी के कारण प्रशासन और स्थानीय लोगों की निगाहें नदियों के जलस्तर पर टिकी हुई हैं। पहाड़ी क्षेत्रों में बारिश का सिलसिला जारी रहने के कारण आने वाले समय में मैदानी इलाकों में नदियों का जलस्तर और बढ़ सकता है। बांधों से पानी छोड़े जाने का असर भी नदियों के प्रवाह पर पड़ रहा है। ऐसे में प्रयागराज में बाढ़ की स्थिति को लेकर प्रशासन को सतर्क रहना पड़ रहा है। नदी किनारे बसे गांवों और निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को संभावित खतरे को देखते हुए सावधानी बरतने की सलाह दी जा रही है।

दिल्ली में बाथरूम में मिली 22 वर्षीय महिला की लाश, पति और बच्चा गायब; पुलिस जांच में जुटी

प्रह्लादपुर बांगर में घर के बाथरूम में मिला महिला का शव, घटना के बाद से पति और बच्चा लापता

एजेंसी, नई दिल्ली

बाहरी दिल्ली के शाहबाद डेयरी थाना क्षेत्र स्थित प्रह्लादपुर बांगर गांव में 22 वर्षीय महिला का शव घर के बाथरूम में मिलने से सनसनी फैल गई। मृतका की पहचान सबीला खातून के रूप में हुई है। घटना के बाद से उसका पति मोहम्मद लालबाबू और बच्चा घर से गायब हैं। पुलिस ने संदिग्ध परिस्थितियों में महिला की मौत का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और पति की तलाश की जा रही है।

पुलिस के अनुसार, 29 अगस्त को मकान नंबर 416, प्रह्लादपुर बांगर से महिला की मौत की सूचना मिली थी। सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची। घर के बाथरूम में सबीला का शव मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया शुरू की और मौत के कारणों का पता लगाने के लिए जांच आगे बढ़ाई। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि सबीला की शादी करीब दो वर्ष पहले मोहम्मद लालबाबू से हुई थी। शादी के बाद वह अपने पति के साथ प्रह्लादपुर बांगर में रह रही थी। घटना के समय घर में क्या हुआ, इसकी जानकारी जुटाने के लिए पुलिस आसपास के लोगों से भी पूछताछ कर रही है। सबसे अहम बात यह है कि महिला का शव मिलने के बाद उसका पति और बच्चा दोनों घर पर नहीं मिले। पुलिस उनकी तलाश में संभावित ठिकानों पर जानकारी जुटा रही है।

जांच अधिकारी यह पता लगाने का प्रयास कर रहे हैं कि दोनों घटना के बाद कहां गए और महिला की मौत से पहले घर में क्या परिस्थितियां थीं। पुलिस ने मामले को संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के रूप में दर्ज किया है। फिलहाल मौत के पीछे की वास्तविक वजह स्पष्ट नहीं हुई है। पुलिस घटनास्थल से मिले तथ्यों और उपलब्ध साक्ष्यों की जांच कर रही है। महिला की मौत प्राकृतिक कारणों से हुई, हादसा था या इसके पीछे कोई अन्य वजह है, यह जांच पूरी होने के बाद स्पष्ट हो सकेगा।

पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल सकती है, ताकि घटना से पहले और बाद की गतिविधियों का पता लगाया जा सके। साथ ही, पड़ोसियों और महिला के परिचितों से पूछताछ कर उसके पारिवारिक जीवन और हाल की परिस्थितियों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि मामले की सभी संभावनाओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है। पति और बच्चे की तलाश के साथ-साथ महिला की मौत से जुड़े हर पहलू की पड़ताल की जा रही है।

अंतरिक्ष विज्ञान की ओर कदम: ग्रेटर नोएडा के जीबीयू में लॉन्च हुए चार रॉकेट

एजेंसी, नई दिल्ली

ग्रेटर नोएडा स्थित गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय (जीबीयू) के फुटबॉल स्टेडियम में रविवार को अंतरिक्ष विज्ञान से जुड़ा विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन और प्राधिकरण केंद्र (इन-स्पेस) के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में चार रॉकेटों का सफल प्रक्षेपण किया गया। एक के बाद एक रॉकेटों के सफल लॉन्च ने वहां मौजूद छात्रों और शिक्षकों में उत्साह भर दिया। इस प्रदर्शन का उद्देश्य छात्रों को रॉकेट तकनीक, अंतरिक्ष विज्ञान और उससे जुड़ी संभावनाओं से परिचित कराना था।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने रॉकेट प्रक्षेपण की प्रक्रिया को करीब से देखा और तकनीकी पहलुओं को समझने का अवसर प्राप्त किया। सफल प्रक्षेपण के बाद छात्रों में अंतरिक्ष क्षेत्र को लेकर खासा उत्साह नजर आया। कार्यक्रम में चार स्टार्टअप टीमों ने अपनी तकनीकी क्षमता का प्रदर्शन किया। इनमें श्रेष्ट टेक सहित अन्य टीमों ने अपने-अपने रॉकेटों को सफलतापूर्वक लॉन्च किया। इस प्रदर्शन के जरिए युवाओं को यह समझने का अवसर मिला कि देश में निजी क्षेत्र और स्टार्टअप भी अंतरिक्ष तकनीक के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। जीबीयू परिसर में आयोजित यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए खास अनुभव रहा। रॉकेटों को आसमान की ओर उड़ते देख छात्रों ने उत्साह के साथ इस प्रदर्शन का आनंद लिया। कार्यक्रम ने विद्यार्थियों में अंतरिक्ष विज्ञान, रॉकेट निर्माण और तकनीकी नवाचार के प्रति रुचि बढ़ाने का काम किया। आयोजकों के अनुसार, इस तरह के कार्यक्रम छात्रों को केवल सैद्धांतिक जानकारी तक सीमित नहीं रखते, बल्कि उन्हें अंतरिक्ष तकनीक के व्यावहारिक पहलुओं को समझने का अवसर भी देते हैं।

आगरा कोर्ट में 27 साल पुराने पशु चोरी केस का अंत, आरोपी बरी

एजेंसी, नई दिल्ली

आगरा में 27 साल पुराने पशु चोरी के मामले में अदालत ने आरोपी को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया। रकाबगंज क्षेत्र में कुतलूपुर पुलिया के पास हुई पशु चोरी की घटना से जुड़े इस मामले की सुनवाई लंबे समय तक चलती रही। आखिरकार पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत नहीं होने के कारण न्यायालय ने आरोपी के पक्ष में फैसला सुनाया। मामले में आरोपी किशन को अदालत ने बरी किया है। बताया गया कि घटना करीब 27 वर्ष पहले हुई थी। अभियोजन पक्ष की ओर से आरोपी के खिलाफ आरोप साबित करने के लिए आवश्यक गवाही और साक्ष्य प्रस्तुत किए जाने थे, लेकिन सुनवाई के दौरान वादी मुकदमा अदालत में गवाही देने के लिए पेश नहीं हुआ।

इसके अलावा, मामले में शामिल एक गवाह भी बाद में अपने बयान से मुकर गया। वादी और गवाहों के अदालत में उपस्थित नहीं होने के कारण अभियोजन पक्ष मामले को मजबूती से साबित नहीं कर सका। लंबे समय तक चली सुनवाई के बाद अदालत ने उपलब्ध रिकॉर्ड और साक्ष्यों का अवलोकन किया। पर्याप्त प्रमाण नहीं मिलने पर आरोपी को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया गया। यह मामला रकाबगंज थाना क्षेत्र के कुतलूपुर पुलिया के पास हुई कथित पशु चोरी से संबंधित था। घटना के समय मामले में शिकायत दर्ज कराई गई थी और पुलिस ने जांच के बाद आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की थी। हालांकि, मुकदमे की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष को आरोप सिद्ध करने में कठिनाई का सामना करना पड़ा। करीब 27 साल तक चले इस मामले में समय के साथ कई महत्वपूर्ण गवाह अदालत के सामने उपलब्ध नहीं हो सके।

मुख्य वादी के गवाही के लिए नहीं पहुंचने और एक गवाह के मुकर जाने से अभियोजन का पक्ष कमजोर पड़ गया। ऐसे में अदालत के सामने आरोपी के खिलाफ आरोपों को प्रमाणित करने के लिए पर्याप्त ठोस साक्ष्य नहीं रह गए। न्यायालय ने मामले में साक्ष्यों की स्थिति को ध्यान में रखते हुए आरोपी किशन को दोषमुक्त कर दिया।

दिल्ली के मुस्कान हत्याकांड में नए खुलासे, अस्पताल से छुट्टी के बाद आरोपी से सीन रिक्रिएट कराएगी पुलिस

एजेंसी, नई दिल्ली

आकिब से पूछताछ में खुलेंगे हत्याकांड के राज

दिल्ली में सामने आए मुस्कान हत्याकांड की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, मामले से जुड़े कई नए तथ्य सामने आ रहे हैं। पुलिस इस वारदात की हर कड़ी को जोड़ने के लिए मुख्य आरोपी आकिब उर्फ इमरान से पूछताछ की तैयारी कर रही है। फिलहाल आरोपी अस्पताल में भर्ती है और उसकी मौजूदा शारीरिक स्थिति को देखते हुए पुलिस ने अभी तक उसकी औपचारिक गिरफ्तारी नहीं की है।

जांच एजेंसियों के अनुसार, आरोपी की अस्पताल से छुट्टी होने के बाद पुलिस उसे घटनास्थल पर ले जाकर वारदात का सीन रिक्रिएट करा सकती है। इसका उद्देश्य घटना के दौरान हुई गतिविधियों को समझना और जांच में सामने आए तथ्यों को मौके पर मिलान करना होगा। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश करेगी कि वारदात किस तरह हुई और उसमें आरोपी की क्या भूमिका रही। मामले की जांच के दौरान पुलिस अलग-अलग पहलुओं की पड़ताल कर रही है। घटनास्थल से मिले साक्ष्यों, संबंधित लोगों के बयानों और अब तक सामने आई जानकारी के आधार पर घटनाक्रम को समझने की कोशिश की जा रही है। आरोपी से पूछताछ के बाद जांच को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण जानकारी मिलने की उम्मीद है।

फिलहाल आकिब उर्फ इमरान का इलाज अस्पताल में चल रहा है। उसकी सेहत में सुधार और चिकित्सकीय अनुमति के बाद ही पुलिस आगे की कार्रवाई करेगी। पुलिस उसकी स्थिति को देखते हुए जल्दबाजी में कोई कदम नहीं उठाना चाहती। अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद उसे जांच में शामिल करने और जरूरी पूछताछ करने की तैयारी है। सीन रिक्रिएशन के दौरान पुलिस वारदात से जुड़े संभावित घटनाक्रम को दोबारा समझने का प्रयास करेगी। इससे पुलिस को घटनास्थल की परिस्थितियों और आरोपी के कथित कदमों को लेकर महत्वपूर्ण सुराग मिल सकते हैं।

रक्षाबंधन पर नोएडा ट्रैफिक पुलिस का बड़ा अभियान, 1272 चालान

एजेंसी, नई दिल्ली

रक्षाबंधन के अवसर पर सड़क हादसों की रोकथाम और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के लिए नोएडा यातायात पुलिस ने विशेष अभियान चलाया। अभियान के दौरान बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने वाले चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई। पुलिस ने नियमों का उल्लंघन करने वाले कुल 1272 चालकों के चालान काटे। यातायात पुलिस ने बताया कि रक्षाबंधन के दिन सड़कों पर वाहनों की आवाजाही बढ़ जाती है। ऐसे में हादसों की आशंका को देखते हुए वाहन चालकों से यातायात नियमों का पालन करने की अपील की गई।

विशेष अभियान के तहत मुख्य मार्गों और महत्वपूर्ण स्थानों पर यातायात पुलिस की टीमों ने जांच की। इस दौरान बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने वालों को रोका गया और नियमानुसार कार्रवाई की गई। पुलिस ने केवल हेलमेट नियम का उल्लंघन करने वालों पर ही कार्रवाई नहीं की, बल्कि अन्य यातायात नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों को भी जागरूक किया। विपरीत दिशा में वाहन चलाने, गलत या फाल्टी नंबर प्लेट लगाने, नो पार्किंग क्षेत्र में वाहन खड़ा करने और निर्धारित गति सीमा से अधिक तेज वाहन चलाने वालों को भी नियमों के प्रति सचेत किया गया। अधिकारियों ने वाहन चालकों को सुरक्षित सफर के लिए यातायात नियमों का पालन करने की सलाह दी।

पुलिस ने कहा कि सड़क पर थोड़ी सी लापरवाही गंभीर दुर्घटना का कारण बन सकती है। इसलिए, वाहन चलाते समय हेलमेट पहनना, निर्धारित गति सीमा का पालन करना और सही दिशा में वाहन चलाना बेहद जरूरी है। यातायात पुलिस के इस अभियान का उद्देश्य केवल चालान काटना नहीं, बल्कि वाहन चालकों को नियमों के प्रति जागरूक करना भी रहा।

पाकिस्तान जाने की फिराक में था जफर, एसटीएफ करेगी पूछताछ

एजेंसी, नई दिल्ली

मोहम्मद जफर को रिमांड पर लेकर पूछताछ करने की तैयारी की जा रही है। जैश-ए-मोहम्मद के लिए काम करने के आरोप में जफर को मेरठ से गिरफ्तार किया गया था। जांच एजेंसियों के अनुसार, वह भारत में जिहादी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए चंदा जुटाने का काम कर रहा था। रिमांड के लिए एसटीएफ ने लखनऊ की अदालत में अर्जी दाखिल की है। जांच के दौरान जफर से जुड़े करीब 20 युवकों के बारे में जानकारी सामने आई है। अब एजेंसी जफर से पूछताछ कर इन युवकों की भूमिका और उसके साथ उनके संपर्क के बारे में जानकारी जुटाने की कोशिश करेगी। जांच में यह भी सामने आया है कि जफर ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई जिलों में अपना नेटवर्क तैयार कर लिया था।

प्रयागराज में जलभराव से राहत की तैयारी चौराहों के टेबलटॉप के किनारे काटे जा रहे

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रयागराज में मानसून के दौरान लगातार हो रही बारिश के कारण शहर के कई इलाकों में जलभराव की समस्या सामने आ रही है। इसे देखते हुए नगर प्रशासन ने पानी की निकासी व्यवस्था बेहतर करने की दिशा में काम शुरू कर दिया है। चौराहों पर बने टेबलटॉप के किनारों को काटा जा रहा है, ताकि बारिश का पानी आसानी से निकल सके और सड़कों पर लंबे समय तक जमा न रहे। इस बार मानसून संगम नगरी के लिए काफी मेहरबान रहा है। जुलाई के बाद अगस्त में भी जमकर बारिश हुई।

लगातार हुई झमाझम बारिश के कारण शहर के कई मोहल्लों की सड़कों और गलियों में जलभराव की स्थिति बन रही है। कई स्थानों पर पानी जमा होने से लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ता है। पैदल राहगीरों के साथ-साथ दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों को भी जलभराव के कारण मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। जलभराव की समस्या को देखते हुए अब पानी की निकासी के रास्तों को बेहतर बनाने पर जोर दिया जा रहा है। चौराहों पर बनाए गए टेबलटॉप के किनारों को काटकर पानी के प्रवाह के लिए रास्ता बनाया जा रहा है। अधिकारियों का मानना है कि इससे बारिश का पानी सड़क के किनारे बने नालों और अन्य निकासी मार्गों तक आसानी से पहुंच सकेगा।

टेबलटॉप सड़क पर वाहनों की गति नियंत्रित करने और राहगीरों की सुरक्षा के उद्देश्य से बनाए जाते हैं, लेकिन कई जगह इनके कारण बारिश के पानी के बहाव में रुकावट पैदा हो जाती है। पानी का प्राकृतिक प्रवाह बाधित होने से सड़क पर जलभराव की स्थिति बन सकती है। इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए इनके किनारों में जरूरी बदलाव किए जा रहे हैं।

मौजपुर प्ले स्कूल में मासूम से मारपीट और प्रताड़ना, चार के खिलाफ केस

दिल्ली के प्ले स्कूल में मासूम से मारपीट, निदेशक समेत चार आरोपी

एजेंसी, नई दिल्ली

पूर्वी दिल्ली के मौजपुर इलाके में स्थित एक निजी प्ले स्कूल में साढ़े तीन साल के मासूम बच्चे के साथ कथित तौर पर मारपीट और मानसिक प्रताड़ना का मामला सामने आया है। बच्चे के पिता की शिकायत के आधार पर जाफराबाद थाना पुलिस ने स्कूल निदेशक समेत चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और शिकायत में लगाए गए आरोपों की पड़ताल की जा रही है। जानकारी के अनुसार, बच्चा मौजपुर स्थित एक निजी प्ले स्कूल में पढ़ता है। परिजनों का आरोप है कि स्कूल में बच्चे के साथ मारपीट की गई और उसे मानसिक रूप से परेशान किया गया। घटना के बाद बच्चे के पिता ने मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

शिकायत मिलने के बाद जाफराबाद थाना पुलिस ने संबंधित लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की। पुलिस के अनुसार, मामले में स्कूल निदेशक सुनीता बंसल, प्रधानाचार्य नीलम, शिक्षिका सिमरन और आया पूजा को आरोपी बनाया गया है। इन सभी के खिलाफ बच्चे के साथ मारपीट करने और उसे प्रताड़ित करने के आरोप में केस दर्ज किया गया है। पुलिस अब यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि बच्चे के साथ कथित तौर पर क्या हुआ और घटना के पीछे वास्तविक कारण क्या था।

बच्चे की कम उम्र को देखते हुए मामला बेहद संवेदनशील माना जा रहा है। ऐसे मामलों में स्कूल प्रशासन और कर्मचारियों की भूमिका की जांच महत्वपूर्ण हो जाती है, क्योंकि छोटे बच्चे अपनी परेशानी को हमेशा स्पष्ट रूप से व्यक्त नहीं कर पाते। परिजनों ने आरोप लगाया है कि स्कूल में बच्चे के साथ ऐसा व्यवहार किया गया, जिससे वह मानसिक रूप से प्रभावित हुआ। मामले के सामने आने के बाद स्कूल में बच्चों की सुरक्षा और निगरानी को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। अभिभावकों की जिम्मेदारी के साथ-साथ स्कूल प्रबंधन पर भी बच्चों को सुरक्षित

प्ले स्कूल में मासूम से मारपीट

और भयमुक्त वातावरण उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी होती है। खासकर प्ले स्कूलों में पढ़ने वाले छोटे बच्चों के मामले में अतिरिक्त सावधानी और संवेदनशीलता जरूरी होती है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है और तथ्यों की जांच की जा रही है। जांच के दौरान संबंधित लोगों से पूछताछ, उपलब्ध साक्ष्यों की पड़ताल और घटना से जुड़ी अन्य जानकारी जुटाई जा सकती है। आरोपों की पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी।

फिलहाल इस मामले में चार लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज होने के बाद पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है। वहीं, बच्चे के परिवार की ओर से मामले में उचित कार्रवाई की उम्मीद की जा रही है। घटना ने एक बार फिर छोटे बच्चों की स्कूल में सुरक्षा, कर्मचारियों के व्यवहार और स्कूल प्रशासन की जवाबदेही को लेकर गंभीर चिंता पैदा कर दी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि आरोपों की जांच साक्ष्यों और संबंधित लोगों से पूछताछ के आधार पर की जाएगी।

गाजियाबाद में 400 लोगों को फ्री किचन गार्डन किट

एजेंसी, नई दिल्ली

गाजियाबाद में घर की छत पर किचन गार्डन बनाने की योजना शुरू की जा रही है। उद्यान विभाग शहर के लोगों को घर की छत पर सब्जियां और अन्य पौधे उगाने के लिए निशुल्क खाद और बीज उपलब्ध कराएगा। इसके तहत करीब चार सौ लोगों को किचन गार्डन किट मुफ्त में वितरित की जाएगी। इस पहल का उद्देश्य लोगों को घर पर ताजी और पौष्टिक सब्जियां उगाने के लिए प्रोत्साहित करना है। छत पर किचन गार्डन तैयार होने से लोगों को हरी सब्जियों के लिए बाजार पर निर्भरता भी कम हो सकती है। साथ ही, घरों की खाली छतों का बेहतर इस्तेमाल होगा और शहर में हरियाली बढ़ाने में भी मदद मिलेगी। अगर आप भी इस योजना का लाभ उठाना चाहते हैं तो उद्यान विभाग की ओर से जारी जानकारी पर नजर रखें। पात्र लोगों को किट उपलब्ध कराने की प्रक्रिया और आवेदन से जुड़ी जानकारी विभाग द्वारा साझा की जाएगी। इच्छुक लोग समय रहते आवेदन कर इस सुविधा का लाभ उठा सकते हैं।

न्यूज ब्रीफ

आगरा में मकान में लगी भीषण आग, कोचिंग संचालक की जिंदा जलकर मौत

एजेंसी, नई दिल्ली। आगरा के सिकंदरा स्थित आवास विकास कॉलोनी में एक मकान में आग लगने से कोचिंग संचालक विनय बोस की मौत हो गई। हादसे के समय विनय बोस घर में अकेले थे। आग लगने की जानकारी पड़ोसियों को उस समय हुई, जब मकान से धुआं निकलता दिखाई दिया। इसके बाद उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आग बुझाने की कार्रवाई शुरू की गई। घर के अंदर जांच करने पर विनय बोस का शव मिला। हादसे की जानकारी मिलने के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। हालांकि, आग किस वजह से लगी और किस समय इसकी शुरुआत हुई, इसकी विस्तृत जांच की जा रही है। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले से जुड़े तथ्यों को जुटाया है। बताया गया कि विनय बोस कोचिंग संचालक थे और इसी मकान में रहते थे। हादसे के वक्त उनके घर में कोई अन्य व्यक्ति मौजूद नहीं था।

दिल्ली में वाहन चोरी के सात मामलों का पर्दाफाश, आरोपी शोएब गिरफ्तार

एजेंसी, नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली की कृष्णा नगर थाना पुलिस ने वाहन चोरी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए सात मामलों का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस मामले में शोएब नाम के आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने चोरी की तीन स्कूटी बरामद की हैं। पुलिस के अनुसार, इलाके में लगातार वाहन चोरी की घटनाओं को देखते हुए टीम जांच में जुटी थी। इसी दौरान पुलिस को आरोपी के बारे में जानकारी मिली। सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए शोएब को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने वाहन चोरी से जुड़े कई मामलों में अपनी संलिप्तता बताई। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने तीन चोरी की स्कूटी बरामद कीं। बरामद वाहनों की जांच की जा रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि वे किन मामलों से संबंधित हैं। पुलिस का कहना है कि आरोपी से पूछताछ के आधार पर वाहन चोरी के अन्य मामलों के बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है।

फरीदाबाद में सास-बहू से लूट का खुलासा डिलीवरी ब्वॉय गिरफ्तार

एजेंसी, नई दिल्ली । फरीदाबाद की ग्रीन फील्ड कॉलोनी में सास-बहू से चाकू के बल पर हुई लूट का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने वारदात के आरोप में ऑनलाइन शॉपिंग साइट के डिलीवरी ब्वॉय वीरप्रताप को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने ऑनलाइन गेमिंग के कर्ज को चुकाने के लिए लूट की योजना बनाई थी। बताया गया कि आरोपी डिलीवरी ब्वॉय बनकर घर में दाखिल हुआ और सास-बहू को चाकू दिखाकर डराया। इसके बाद उसने दोनों से आभूषण लूट लिए और मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने वारदात से जुड़े सुराग जुटाए और आरोपी की पहचान की। इसके बाद वीरप्रताप को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने कथित तौर पर बताया कि वह ऑनलाइन गेमिंग का आदी था और उस पर कर्ज हो गया था। कर्ज चुकाने के लिए उसने लूट की वारदात को अंजाम देने की योजना बनाई। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर रही है और लूटे गए आभूषणों की बरामदगी के प्रयास किए जा रहे हैं।

रेवाड़ी में 1.2 लाख से अधिक मतदाताओं को नोटिस, घर-घर होगा सत्यापन

एजेंसी, नई दिल्ली । रेवाड़ी जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान यानी एसआईआर के तहत मतदाता सूची की जांच तेज कर दी गई है। अभियान के दौरान 1.2 लाख से अधिक मतदाताओं की सूची में किसी न किसी तरह की विसंगतियां सामने आई हैं। प्रशासन की ओर से संबंधित मतदाताओं को नोटिस जारी किए गए हैं। जांच में 23,100 मतदाताओं की मैपिंग नहीं हो पाई है। इन मतदाताओं का वर्तमान डेटा वर्ष 2002 की मतदाता सूची के डिजिटल रिकॉर्ड से मेल नहीं खा रहा है। इसके अलावा 89,247 मतदाताओं की सूची में भी विभिन्न प्रकार की विसंगतियां पाई गई हैं। प्रशासन अब इन मामलों का सत्यापन कराने की तैयारी में है। बूथ लेवल अधिकारी यानी बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं के दस्तावेज और जानकारी का सत्यापन करेंगे। इसका उद्देश्य मतदाता सूची में दर्ज जानकारी को सही करना और पात्र मतदाताओं का नाम सूची में सुनिश्चित करना है।प्रशासन के अनुसार, सत्यापन प्रक्रिया पूरी होने के बाद मतदाता सूची को अंतिम रूप दिया जाएगा। अंतिम सूची 3 अक्टूबर को जारी होने की जानकारी दी गई है।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे की दूसरी लेन खुलने में अभी और इंतजार

एजेंसी, नई दिल्ली । दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के डीएनडी महारानी बाग से जैतपुर पुश्ता रोड तक करीब नौ किलोमीटर लंबे हिस्से को ट्रायल के तौर पर 21 अगस्त को खोला गया था। इससे दिल्ली और फरीदाबाद के बीच आवागमन करने वाले लोगों को राहत की उम्मीद जगी थी, लेकिन दूसरी लेन के बंद रहने से यात्रियों की परेशानी अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। ट्रायल शुरू होने के पहले ही दिन जैतपुर से डीएनडी की ओर जाने वाली लेन को बंद करना पड़ा। इस लेन पर रिफ्लेक्टर, दिशा-सूचक और अन्य सुरक्षा संबंधी जरूरी कार्य अभी पूरे नहीं हुए हैं। सुरक्षा व्यवस्था पूरी नहीं होने के कारण फिलहाल इस मार्ग पर वाहनों की आवाजाही रोक दी गई है। दूसरी ओर, एक ही लेन में यातायात संचालित होने से वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कुछ वाहन चालक गलत लेन में पहुंच रहे हैं, जिससे सही दिशा में चलने वाले वाहनों को भी दिक्कत हो रही है। प्रशासन और संबंधित एजेंसियों की ओर से सुरक्षा से जुड़े कार्य पूरे किए जा रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

दून पुलिस की नाइट स्ट्राइक में 700 से अधिक लोगों से पूछताछ

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। भारी बारिश के बीच देहरादून पुलिस ने शनिवार देर रात जिले के नगर और देहात क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर 'ऑपरेशन नाइट स्ट्राइक' चलाया। 700 सौ से अधिक व्यक्तियों से मौके पर पूछताछ की गई जबकि शराब पीकर वाहन चलाने वाले 19 वाहन चालकों को गिरफ्तार कर उनके वाहनों को सीज किया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) परमेंद्र सिंह डोबाल के निर्देश पर क्षेत्राधिकारियों के नेतृत्व में गठित पुलिस टीमों ने रात में अनावश्यक रूप से घूम रहे लोगों की जांच की और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी। पुलिस के अनुसार, अभियान के दौरान 700 से अधिक व्यक्तियों से मौके पर पूछताछ की गई। इनमें से 27 संदिग्ध व्यक्तियों को थाने लाकर पूछताछ एवं सत्यापन की कार्रवाई की गई। नियमों के उल्लंघन पर 54 व्यक्तियों के खिलाफ 81 पुलिस एक्ट के तहत चालानी कार्रवाई करते हुए कुल 23,500 रुपये का जुर्माना वसूला गया।

स्वामी तुरीयानंद के अवतरण दिवस पर संत सम्मेलन में गूंजा गुरु महिमा का संदेश

भारतेंदु संवाददाता, हरिद्वार। भोपतवाला स्थित स्वामी तुरीयानंद सत्संग सेवा आश्रम में ब्रह्मलीन स्वामी तुरीयानंद महाराज का 151वां अवतरण दिवस श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विशाल संत सम्मेलन के बाद भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालु भक्तों ने भाग लेकर संतों का आशीर्वाद प्राप्त किया। गद्दीनशीन स्वामी विवेकानंद गिरि महाराज के संरक्षण में आयोजित समारोह में तीर्थनगरी के अनेक वरिष्ठ महामंडलेश्वर, महंत एवं संत शामिल हुए। समारोह को संबोधित करते हुए स्वामी विवेकानंद गिरि महाराज ने गुरु-शिष्य परंपरा की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जब शिष्य का हाथ गुरु थाम लेते हैं तो गुरु उसे सत्य और सन्मार्ग की ओर ले जाकर जीवन को सार्थक बनाने का मार्ग दिखाते हैं। उन्होंने स्वामी तुरीयानंद महाराज के सनातन धर्म के लिए किए गए कार्यों का स्मरण करते हुए उन्हें श्रेष्ठ संतों में स्थान रखने वाला महापुरुष बताया।

मूक-बधिर महिला से दुष्कर्म का आरोपी 24 घंटे में गिरफ्तार

भारतेंदु संवाददाता, उदित नैनवाल। चमोली के पोखरी में मूक-बधिर महिला से दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार 29 अगस्त को पीड़िता की ननद ने थाना पोखरी में तहरीर देकर ग्राम सांकरी निवासी संजय उर्फ संतू पर दुष्कर्म का आरोप लगाया था। शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम गठित की गई। पुलिस अधीक्षक सुरजीत सिंह पंवार के निर्देश पर टीम ने संभावित ठिकानों पर दबिश दी। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए। थानाध्यक्ष देवेंद्र पंत के नेतृत्व में पुलिस ने आरोपी को सूचना मिलने के 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। अभियुक्त के खिलाफ अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है और उसे न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

श्रमिकों की समस्याओं को लेकर सीटू ने अधिकारियों को सौंपे ज्ञापन

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। श्रमिकों की विभिन्न समस्याओं को लेकर सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियंस ने ईएसआई और श्रम विभाग के अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा। सीटू ने उत्तराखंड जलविद्युत निगम में कार्यरत ठेका श्रमिकों के ईएसआई कार्ड में परिजनों के नाम जोड़ने के लिए डाकपत्थर में शिविर लगाने की मांग की। संगठन ने कहा कि समस्या का समाधान न होने से श्रमिकों को इलाज के लिए कर्ज लेना पड़ रहा है। इसके अलावा निर्माण श्रमिकों के लिए डीएल रोड और रिस्पना नदी के आसपास श्रमिक सुविधा केंद्र खोलने की मांग की गई। सीटू ने आर्थिक सहायता के लंबित आवेदनों पर भी शीघ्र कार्रवाई की मांग उठाई। ईएसआई अधिकारी ने उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया।

हल्द्वानी प्रकरण पर गरमाई सियासत लक्सर में कांग्रेस का प्रदर्शन

भारतेंदु संवाददाता, हरिद्वार। हल्द्वानी में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की सभा के बाद सामने आए कथित शुद्धिकरण प्रकरण को लेकर उत्तराखंड की सियासत गरमा गई है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट के कथित बयान के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने रविवार को लक्सर में जोरदार प्रदर्शन किया। जिला अध्यक्ष बालेश्वर सिंह के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने भाजपा के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट का पुतला दहन किया। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने भाजपा पर जातिवादी मानसिकता को बढ़ावा देने का आरोप लगाया।

चुनाव नजदीक आते ही क्षेत्र में सक्रिय हो जाते हैं भाजपा नेता, जरूरत के समय नहीं दिखतेः इष्टवाल

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। चौबट्टाखाल विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस नेता कविंद्र इष्टवाल ने भाजपा नेताओं पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि चुनाव नजदीक आते ही भाजपा नेता क्षेत्र में सक्रिय नजर आने लगते हैं, लेकिन जब जनता को उनकी जरूरत होती है, तब वे दिखाई नहीं देते। कहा कि चौबट्टाखाल क्षेत्र के ग्रामीण लंबे समय से सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और अन्य मूलभूत सुविधाओं की समस्याओं से जूझ रहे हैं। जनता की समस्याओं को लेकर कांग्रेस लगातार आवाज उठाती रही है, जबकि भाजपा नेता केवल चुनाव के समय जनता के बीच पहुंचकर बड़े-बड़े दावे करते हैं।

ऋषिकेश में पर्यटन, यातायात और पार्किंग व्यवस्था को मिलेगी नई दिशा

धामी सरकार ने ऋषिकेश विकास की महायोजना को दी गति

◆ ऋषिकेश का सर्वांगीण विकास होगा सुनिश्चित

अनिल थपलियाल

ऋषिकेश। धार्मिक एवं पर्यटन नगरी ऋषिकेश के सुनियोजित और सर्वांगीण विकास को लेकर धामी सरकार ने महायोजना को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया तेज कर दी है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर आवास विभाग ने महायोजना से जुड़े लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण पर जोर दिया है।

इसी क्रम में सचिव आवास डॉ. आर. राजेश कुमार की अध्यक्षता में देहरादून, पौड़ी गढ़वाल और टिहरी गढ़वाल के संबंधित विकास प्राधिकरणों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक हुई। बैठक में भवनों की ऊंचाई, सड़क की चौड़ाई, यातायात व्यवस्था, आवासीय एवं व्यावसायिक गतिविधियों समेत महायोजना से जुड़े विभिन्न तकनीकी और नियोजन संबंधी विषयों पर चर्चा की गई।

ऋषिकेश महायोजना का क्षेत्र देहरादून, टिहरी और पौड़ी जिलों से जुड़ा होने के कारण तीनों विकास प्राधिकरणों से प्रस्ताव मांगे गए थे। शासन के निर्देश पर टिहरी और पौड़ी प्राधिकरणों ने अपने बोर्ड से अनुमोदित प्रस्ताव उपलब्ध करा दिए हैं। बैठक में प्राप्त प्रस्तावों और अधिकारियों की टिप्पणियों का परीक्षण किया गया।

सड़क की चौड़ाई और क्षेत्र की आवश्यकता के अनुरूप भवनों की ऊंचाई निर्धारित करने के प्रस्तावों पर भी विचार किया गया। टिहरी क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग की मौजूदगी और विकासात्मक आवश्यकताओं को देखते हुए भवन ऊंचाई को मैदानी क्षेत्रों के मानकों के अनुरूप रखने का अनुरोध किया गया है। वहीं, पौड़ी क्षेत्र के राजाजी राष्ट्रीय उद्यान से सटे होने के कारण पर्यावरणीय संवेदनशीलता को देखते हुए भवनों की ऊंचाई सीमित रखने के सुझाव को उपयुक्त माना गया।

महायोजना में पर्यटन पर विशेष जोर

सचिव आवास डॉ. आर. राजेश कुमार ने अधिकारियों को महायोजना से संबंधित सभी लंबित कार्य प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि देश-विदेश से बड़ी संख्या में पर्यटक ऋषिकेश पहुंचते हैं। पर्यटन के साथ शहरी आबादी, यातायात दबाव और व्यावसायिक गतिविधियां भी लगातार बढ़ रही हैं। ऐसे में भविष्य की जरूरतों के अनुरूप ऐसी विकास योजना आवश्यक है, जिससे शहर का विस्तार व्यवस्थित हो और पर्यावरणीय संतुलन भी कायम रहे।

हरिद्वार के संतों ने नेपाल आपदा पीड़ितों की मदद का लिया संकल्प

भारतेंदु संवाददाता, हरिद्वार

◆ नेपाल के लिए खाद्य सामग्री और दवाइयां भेजेगा संत समाज

गरीबदासीय आश्रम में युवा भारत साधु समाज और षड्दर्शन साधु समाज की बैठक आयोजित हुई। बैठक में नेपाल त्रासदी में मारे गए लोगों को दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। संतों ने जल्द ही नेपाल के लिए राहत सामग्री भेजने का निर्णय लिया।

अध्यक्ष शिवम महंत और महामंत्री स्वामी रवि देव शास्त्री ने कहा कि नेपाल त्रासदी भयंकर है, इसमें हजारों लोग प्रभावित हुए हैं, जिनमें स्थानीय नागरिकों के साथ भारत और अन्य देशों के लोग भी शामिल हैं। युवा भारत साधु समाज जल्द ही नेपाल के लिए खाद्य सामग्री, दवाइयां और अन्य जरूरी सामान भेजेगा।

संत जगजीत सिंह शास्त्री और स्वामी विष्णुदास ने कहा कि नेपाल हमारा पड़ोसी और मित्र देश है, जिसके साथ रोटी-बेटी का नाता है। उन्होंने भारत सरकार की मदद की सराहना की और संत समाज से भी सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि आपदा में जान-माल की भारी हानि होती है और पुनर्स्थापना में वर्षों लग जाते हैं।

स्वामी दिनेश दास और डॉ. स्वामी हरिहरानंद ने कहा कि उत्तराखंड में भी लगातार आपदाएं आती हैं, इसलिए यहां के लोग नेपाल का दर्द अच्छी तरह समझते हैं। उन्होंने सरकार और सामाजिक संस्थाओं से नेपाल को हर संभव मदद देने की अपील की। बैठक में विनोद महाराज, स्वामी गोविंद दास, महंत देवानंद, महंत गुरमीत सिंह सहित कई संत मौजूद रहे।

लोकजात में शामिल होने के लिए सीएम धामी को मिला न्योता

अनिल थपलियाल

चमोली। चमोली के सिद्धपीठ कुरुड़ में आयोजित होने वाले ऐतिहासिक श्री नंदा देवी राजराजेश्वरी सांस्कृतिक एवं पर्यटन मेले में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को शामिल होने का न्योता दिया गया है। थराली विधायक भूपाल राम टम्टा ने देहरादून में मुख्यमंत्री से मुलाकात कर उन्हें मेले का आमंत्रण पत्र सौंपा। उन्होंने मुख्यमंत्री से मेले में पहुंचकर मां नंदा देवी का आशीर्वाद लेने और कार्यक्रम में प्रतिभाग करने का आग्रह किया। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष दौलत सिंह बिष्ट और पूर्व मेला समिति अध्यक्ष राकेश गौड़ भी मौजूद रहे।

कुरुड़ स्थित नंदा देवी मंदिर को नंदा देवी लोकजात यात्रा का प्रमुख पड़ाव माना जाता है। यहां से मां नंदा की डोली के साथ लोकजात की परंपरा आगे बढ़ती है। इस वर्ष यात्रा पांच सितंबर से 25 सितंबर तक प्रस्तावित है। यात्रा के दौरान विभिन्न पड़ावों पर धार्मिक अनुष्ठान, लोकगीत, पारंपरिक वाद्ययंत्र और सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। कुरुड़ का मेला धार्मिक आस्था के साथ पहाड़ की लोक संस्कृति, कला और परंपराओं को भी मंच प्रदान करता है। मेले को इस बार और भव्य बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

15 करोड़ की लागत से होगा डोब मोटर मार्ग का निर्माण

हिंडोलाखाल-डांडा मोटर मार्ग से 500 से अधिक ग्रामीण लाभान्वित होंगे।

भारतेंदु संवाददाता, नई टिहरी। देवप्रयाग के ग्रामीण अंचलों को सड़क सुविधा से जोड़ने की दिशा में एक और कदम उठाया गया है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत हिंडोलाखाल-डांडा (भैंसकोट)-डोब मोटर मार्ग के स्टेज-3 और पंचवर्षीय अनुरक्षण कार्य का विधायक विनोद कंडारी ने शिलान्यास किया। कहा इस सड़क के बनने से क्षेत्र की 500 से अधिक की जनसंख्या को लाभ मिलेगा।

पीएमजीएसवाई के तहत करीब साढ़े 11 किमी लंबे मोटर मार्ग के लिए सरकार ने मार्ग के निर्माण एवं अनुरक्षण कार्य पर 14.82 करोड़ रुपये स्वीकृत किए है। विधायक कंडारी ने कहा कि इससे गांवों की कनेक्टिविटी और विकास की रफ्तार को नई गति मिलने की उम्मीद है। कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों तक मजबूत सड़क नेटवर्क पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है।

कहा कि बेहतर सड़क केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और आर्थिक गतिविधियों तक ग्रामीणों की पहुंच का मजबूत आधार है। इस मौके पर ब्लॉक प्रमुख विनोद बिष्ट, ग्राम प्रधान मनोज पाल बिष्ट, जिला पंचायत सदस्य रजनी पयाल, भाजपा मंडल अध्यक्ष नरेंद्र रावत, दलवीर सजवाण, बीडीसी रोशनी चमोली, पिंकी लिंगवाल, सरोज थपलियाल, दीपक राणा मौजूद रहे।

गढ़ी मयचक में विकास कार्यों को मिलेगी नई रफ्तार

अनिल थपलियाल

◆ गढ़ी मयचक में विधायक ने विकास के लिए दिए 20 लाख रुपए

ऋषिकेश। ऋषिकेश विधानसभा के गढ़ी मयचक में आयोजित जनता मिलन कार्यक्रम में विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. प्रेमचंद अग्रवाल का क्षेत्रवासियों ने पारंपरिक तिलक और माल्यार्पण कर स्वागत किया। इस दौरान ग्रामीणों ने क्षेत्र की विभिन्न समस्याएं और विकास कार्यों की मांगें विधायक के सामने रखीं। डॉ. अग्रवाल ने आवश्यकताओं को देखते हुए विभिन्न सड़कों और पुस्ता निर्माण, युवक मंगल दल को क्रीड़ा सामग्री तथा स्वयं सहायता समूह के लिए हॉल निर्माण के लिए विधायक निधि से 20 लाख रुपये देने की घोषणा की। आबादी क्षेत्र में गुलदार की आवाजाही की शिकायत पर उन्होंने वन विभाग के डीएफओ को पिंजरा लगाने के निर्देश दिए। बिजली संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए विद्युत विभाग के एसडीओ को भी आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

विपिन त्रिपाठी की पुण्यतिथि पर यूकेडी ने अर्पित की श्रद्धांजलि

अनिल थपलियाल

रुद्रप्रयाग। रुद्रप्रयाग में उत्तराखंड क्रांति दल के जिला कार्यालय वेलणी में पूर्व विधायक स्वर्गीय विपिन चंद्र त्रिपाठी की 22वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। जिलाध्यक्ष बलबीर चौधरी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। वक्ताओं ने उत्तराखंड राज्य और पहाड़ के विकास में उनके योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि विपिन चंद्र त्रिपाठी का पूरा जीवन जनहित के लिए समर्पित रहा। उन्होंने 1975 की आपातकाल अवधि से लेकर पृथक उत्तराखंड राज्य आंदोलन तक संघर्ष किया और जेल की यातनाएं भी सहीं। पहाड़ की मूलभूत समस्याओं, गैरसैंण को राजधानी बनाने तथा ग्रामीण क्षेत्रों के विकास जैसे मुद्दों को उन्होंने लगातार प्रमुखता से उठाया। वक्ताओं ने कहा कि उत्तराखंड की पहली निर्वाचित विधानसभा में उनके द्वारा उठाए गए जनसरोकारों से जुड़े मुद्दे आज भी प्रासंगिक हैं। इस अवसर पर केंद्रीय महामंत्री देवेंद्र चमोली, केंद्रीय संगठन मंत्री कैप्टन वीरेंद्र सिंह, सैनिक प्रकोष्ठ के उपाध्यक्ष भरत सिंह राणा, विक्रम सिंह फरस्वाण, जिला महामंत्री शैलेंद्र बुटोला, युवा जिलाध्यक्ष रवि राणा, दिनेश बर्तवाल और पंकज नेगी सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जीबीपीआईईटी में प्रवेश का नया रिकॉर्ड 600 विद्यार्थियों ने लिया दाखिला

भारतेंदु संवाददाता, पौड़ी गढ़वाल

गोविंद बल्लभ पंत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (जीबीपीआईईटी), घुड़दौड़ी में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश को लेकर उत्साहजनक स्थिति सामने आई है। संस्थान के विभिन्न स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में इस बार कुल 600 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। पिछले सत्र में यह संख्या 510 थी। एक साल में प्रवेश संख्या में हुई बढ़ोतरी को संस्थान की शैक्षणिक गतिविधियों और नए पाठ्यक्रमों के प्रति विद्यार्थियों के बढ़ते रुझान से जोड़कर देखा जा रहा है। संस्थान की आधिकारिक वेबसाइट भी 2026-27 के नए प्रवेश और पाठ्यक्रमों की जानकारी जारी कर रही हे। संस्थान के अधिष्ठाता शैक्षणिक डॉ. आशुतोष गुप्ता के अनुसार, शैक्षणिक सत्र 2026-27 में विभिन्न पाठ्यक्रमों में 600 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। संस्थान के निदेशक प्रो. (डॉ.) वी.के. बंगा के कार्यभार संभालने के बाद से प्रवेश संख्या में लगातार सकारात्मक वृद्धि देखने को मिली है। सत्र 2025-26 में जहां 510 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया था, वहीं इस बार यह आंकड़ा बढ़कर 600 तक पहुंच गया है। इस सत्र में संस्थान की प्रमुख उपलब्धियों में बैचलर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशंस (बीसीए) कार्यक्रम की शुरुआत भी शामिल है। बीसीए के लिए 40 विद्यार्थियों की स्वीकृत प्रवेश क्षमता के सापेक्ष अब तक 37 विद्यार्थी प्रवेश ले चुके हैं। नए पाठ्यक्रम को विद्यार्थियों से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली है। संस्थान के अनुसार बीसीए कार्यक्रम स्थानीय विद्यार्थियों के साथ ही प्रदेश के विभिन्न जिलों से आने वाले विद्यार्थियों के लिए कंप्यूटर एवं एप्लीकेशन आधारित शिक्षा का नया विकल्प उपलब्ध करा रहा है। वही, बीटेक के प्रथम वर्ष के विभिन्न पाठ्यक्रमों में कुल 452 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। इनमें कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग में 65, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में 65, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में 64, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग (एआई-एमएल) में 63, मैकेनिकल इंजीनियरिंग में 62, जैव प्रौद्योगिकी में 46 तथा मैकेनिकल इंजीनियरिंग (मैन्युफैक्चरिंग इंजीनियरिंग) में 22 विद्यार्थी शामिल हैं।

पहाड़ की बेटी भागीरथी ने हैदराबाद मैराथन में जीता रजत पदक

भागीरथी ने 2 घंटे 51 मिनट में पूरी की दौड़।

भारतेंदु संवाददाता, गिरीश चंदोला

चमोली। चमोली जिले के सीमांत वाण गांव की बेटी भागीरथी बिष्ट ने हैदराबाद में आयोजित मैराथन प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए उत्तराखंड का नाम रोशन किया है। 24 वर्षीय भागीरथी ने 42 किलोमीटर की दौड़ महज 2 घंटे 51 मिनट में पूरी कर दूसरा स्थान हासिल किया और रजत पदक अपने नाम किया। प्रतियोगिता के बाद तेलंगाना के मुख्यमंत्री अनुमुला रेवंत रेड्डी ने उन्हें पदक प्रदान कर सम्मानित किया।

भागीरथी की सफलता इसलिए भी खास है क्योंकि उनका दौड़ का सफर वाण गांव की कठिन पगडंडियों से शुरू हुआ। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने लगातार अभ्यास और कठिन प्रशिक्षण के दम पर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई। इससे पहले वह ईरान में आयोजित 42 किलोमीटर की मैराथन में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं।

उनके कोच और अंतरराष्ट्रीय मैराथन धावक सुनील शर्मा के अनुसार भागीरथी का लक्ष्य अब ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व कर स्वर्ण पदक जीतना है। उनकी उपलब्धि से वाण गांव, देवाल और पूरे चमोली क्षेत्र में खुशी का माहौल है। भागीरथी की मेहनत पहाड़ की उन बेटियों के लिए प्रेरणा बन रही है, जो सीमित सुविधाओं के बावजूद खेलों में आगे बढ़ने का सपना देखती हैं।

सोलन घाटी की बदहाल सड़क बनी मुसीबत, दलदल में फंसी कार

भारतेंदु संवाददाता, गिरीश चंदोला

◆ हर बरसात में बेहाल होता थराली-डूंगरी मार्ग ग्रामीण परेशान

चमोली। जिला चमोली में थराली विकासखंड की सोलन घाटी में लगातार बारिश के कारण सड़क की हालत बेहद खराब हो गई है। थराली-डूंगरी मोटर मार्ग पर जगह-जगह कीचड़ और दलदल बनने से वाहनों की आवाजाही मुश्किल हो गई है। हाल ही में एक अल्टो कार दलदल में फंस गई, जिसे ग्रामीणों ने पिकअप वाहन से रस्सी बांधकर खींचकर बाहर निकाला। घटना का वीडियो भी सामने आया है।

सोनल घाटी करीब 16 गांवों का क्षेत्र है और यहां के ग्रामीण तहसील मुख्यालय व मुख्य बाजार तक पहुंचने के लिए इसी सड़क पर निर्भर हैं। बारिश के बाद मार्ग पर मलबा और कीचड़ जमा होने के साथ कई जगह भूस्खलन और सड़क का हिस्सा बहने की समस्या भी सामने आ रही है। ग्रामीणों के अनुसार मार्ग पीएमजीएसवाई के अधीन है और हर बरसात में इसकी स्थिति खराब हो जाती है। मार्ग बाधित होने पर ग्रामीणों को कई किलोमीटर पैदल चलना पड़ता है। इससे मरीजों, बुजुर्गों और रोजमर्रा के काम से जाने वाले लोगों को परेशानी होती है। ग्रामीणों ने सड़क की मरम्मत, पर्याप्त मशीनरी तैनात करने और सोल घाटी को नंदानगर से जोड़ने वाली सड़क का काम तेज करने की मांग की है।

अग्निवीरों के भविष्य को लेकर यूकेडी ने सरकार से मांगा जवाब

अनिल थपलियाल

अग्निवीर रोजगार प्रकोष्ठ पर यूकेडी ने सरकार से पूछे दस सवाल।

देहरादून। उत्तराखंड सरकार द्वारा अग्निवीर रोजगार प्रकोष्ठ स्थापित करने के निर्णय का उत्तराखंड क्रांति दल ने स्वागत किया है, लेकिन पार्टी ने कहा कि केवल प्रकोष्ठ बनाने से अग्निवीरों की रोजगार संबंधी समस्या का समाधान नहीं होगा। दल के अनुसार सैन्य सेवा पूरी करने के बाद अग्निवीरों को नागरिक जीवन में सहज, सम्मानजनक और सुरक्षित संक्रमण के लिए ठोस व्यवस्था उपलब्ध करानी होगी। यूकेडी ने सरकार से प्रकोष्ठ की स्पष्ट जिम्मेदारी और जवाबदेही तय करने की मांग की है। पार्टी ने कहा कि सेवा समाप्त होने से पहले ही प्रत्येक अग्निवीर की व्यक्तिगत संक्रमण योजना तैयार होनी चाहिए। इसमें कैरियर परामर्श, कौशल आकलन, प्रशिक्षण और रोजगार की दिशा तय करने की व्यवस्था शामिल होनी चाहिए।

दल ने सैन्य सेवा के दौरान अर्जित कौशल को नागरिक रोजगार से जोड़ने के लिए प्रमाणन और समकक्षता की व्यवस्था करने पर भी जोर दिया। यूकेडी ने पूछा कि कितने सत्यापित नियोक्ता अग्निवीरों को रोजगार देने के लिए तैयार हैं और कितनी वास्तविक रिक्तियां उपलब्ध हैं। पार्टी ने सभी 13 जिलों में नोडल अधिकारियों की नियुक्ति तथा सक्षम डिजिटल पोर्टल बनाने की मांग की है। इसमें अग्निवीरों की प्रोफाइल, कौशल, रोजगार आवेदन, नियुक्ति और शिकायतों की जानकारी दर्ज होनी चाहिए।

फलसारी-बौंर डांडा में तेंदुआ दिखने से ग्रामीणों में बढ़ी चिंता

अनिल थपलियाल

टिहरी। टिहरी जिले के चंबा नगर पंचायत गजा के वार्ड संख्या चार के फलसारी-बौंर डांडा क्षेत्र में चीड़ के पेड़ पर तेंदुआ दिखाई देने से ग्रामीणों में दहशत फैल गई। ग्रामीणों ने दूर से तेंदुए का फोटो और वीडियो बनाया तथा शोर मचाया, लेकिन वह काफी देर तक पेड़ पर बैठा रहा। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम ने क्षेत्र में गश्त शुरू कर दी। वन विभाग ने ग्रामीणों को सतर्क रहने और बच्चों को अकेले बाहर नहीं भेजने की सलाह दी है। बाद में तेंदुआ पेड़ से उतरकर जंगल की ओर चला गया। पिछले तीन-चार दिनों से शाम के समय ग्रामीणों के साथ लगातार गश्त की जा रही है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने तेंदुए की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए क्षेत्र में जाल कैमरे लगाने की मांग की है।

बारिश के बीच उत्तराखंड में आपदा प्रबंधन विभाग रहेगा 24 घंटे अलर्ट

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून

उत्तराखंड में ग्लेशियर झीलों से संभावित खतरे को देखते हुए आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास मंत्री मदन कौशिक ने ग्लेशियर झीलों की निगरानी और जोखिम न्यूनीकरण के लिए अत्याधुनिक तकनीक अपनाने के निर्देश दिए हैं। मंत्री मदन कौशिक रविवार को राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र (एसईओसी) पहुंचकर प्रदेश में स्थित ग्लेशियर झीलों की स्थिति और संभावित जोखिम की विस्तृत जानकारी ली। कौशिक ने कहा कि भौगोलिक दृष्टि से संवेदनशील उत्तराखंड में जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को देखते हुए ग्लेशियर और ग्लेशियर झीलों में होने वाले बदलावों की वैज्ञानिक निगरानी जरूरी है। उन्होंने ग्लेशियर झीलों के जलस्तर, आकार और जलभराव की स्थिति की निरंतर एवं रियल टाइम मॉनिटरिंग के लिए सैटेलाइट इमेजरी, रिमोट सेंसिंग, ड्रोन और सेंसर आधारित निगरानी समेत आधुनिक तकनीकों के उपयोग की संभावनाओं का अध्ययन करने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित विभागों, विशेषज्ञ संस्थानों और तकनीकी एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा संवेदनशील क्षेत्रों में अर्ली वार्निंग सिस्टम विकसित करने को कहा। इससे असामान्य स्थिति का समय रहते पता लगाकर संभावित प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को पहले से सतर्क किया जा सकेगा। आपदा प्रबंधन मंत्री ने प्रदेश में लगातार हो रही बारिश और उससे उत्पन्न परिस्थितियों की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जनजीवन की सुरक्षा राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी विभाग पूर्ण समन्वय के साथ 24म7 अलर्ट मोड पर कार्य करें। उन्होंने वर्षा, नदियों के जलस्तर, बंद सड़कों, भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों, राहत एवं बचाव कार्यों, विद्युत एवं पेयजल आपूर्ति तथा संचार व्यवस्था की जानकारी ली। संवेदनशील स्थानों पर जेसीबी, पोकलैंड मशीनों, आवश्यक उपकरणों और तकनीकी दलों की पहले से तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मिट्टी बही, हवा में झूली पटरी, कालका शिमला हैरिटेज ट्रैक पर रेल सेवा बाधित

ट्रेनें रद्द होने से पहले टिकट बुक करा चुके यात्रियों को उठानी पड़ रही परेशानी

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। पहाड़ों में हो रही बारिश ने 120 साल से अधिक पुरानी कालका-शिमला हेरिटेज रेललाइन की रफ्तार फिर रोक दी है। सोलन जिले में कोटी और गुम्मन रेलवे स्टेशनों के बीच ब्रिज नंबर 57 के पास ट्रैक के आसपास की मिट्टी बह गई। इससे पटरी के नीचे की जमीन खुल गई और रेल पटरी का एक हिस्सा हवा में झूलने लगा। ट्रैक की सुरक्षा को देखते हुए रेलवे ने इस रेलखंड पर नैरो गेज ट्रेनों का संचालन रोक दिया है। रविवार को कालका-शिमला के बीच चलने वाली सभी 10 टॉय ट्रेन रद्द कर दी गईं।

शिमला रेलवे स्टेशन के अधीक्षक संजय गेवार ने ट्रेनों के रद्द होने की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि ब्रिज नंबर 57 के पास मिट्टी बहने के बाद ट्रैक की सुरक्षा प्रभावित हुई है। यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए रेल सेवा निलंबित की गई है। रेलवे की ओर से जारी सूचना के अनुसार रविवार को कालका से शिमला जाने वाली ट्रेन संख्या 52451, 52459, 52455, 52453 और 52457 नहीं चलेंगी। इसी तरह शिमला से कालका जाने वाली 52452, 52460, 52456, 52454 और 52458 भी रद्द रहेंगी। ट्रैक की जांच और जरूरी सुरक्षा कार्य पूरा होने के बाद ही सेवा बहाल करने पर फैसला होगा। ट्रेनें रद्द होने से पहले से टिकट बुक करा चुके यात्रियों को परेशानी उठानी पड़ रही है। कई यात्रियों ने टॉय ट्रेन के सफर के लिए अपनी यात्रा की योजना बनाई थी, लेकिन अचानक सेवा बंद होने से उन्हें कार्यक्रम बदलना पड़ा। कालका और शिमला के बीच आने-जाने वाले यात्रियों को सड़क मार्ग का सहारा लेना पड़ रहा है। रविवार को इसका असर शिमला रेलवे स्टेशन पर भी दिखाई दिया। आम दिनों में पर्यटकों और यात्रियों की चहल-पहल से भरा रहने वाला स्टेशन अपेक्षाकृत वीरान नजर आया। टॉय ट्रेन सेवा इस रेललाइन से जुड़ी पर्यटन यात्रा का अहम हिस्सा है और इसके रुकने से पर्यटकों की आवाजाही भी प्रभावित हुई है। कालका-शिमला रेललाइन पर इस मानसून में बारिश और भूस्खलन के कारण कई बार यातायात प्रभावित हो चुका है।

कोटी, गुम्मन और तारादेवी के आसपास मलबा और मिट्टी गिरने की घटनाएं सामने आई हैं। अगस्त में गुम्मन और कोटी के बीच भूस्खलन के बाद एक ट्रेन को कोटी स्टेशन पर रोकना पड़ा था। इसमें 172 यात्री सवार थे। यात्रियों को सुरक्षित कालका पहुंचाने के लिए रेलवे ने सेना की मदद ली थी और सेना के वाहनों से उन्हें सड़क मार्ग से कालका पहुंचाया गया था। अब ब्रिज नंबर 57 के पास मिट्टी बहने की घटना ने बारिश के दौरान इस ऐतिहासिक रेललाइन की सुरक्षा को लेकर फिर चिंता बढ़ा दी है।

बस में कछुआ ले जा रही महिला पर केस दर्ज

भारतेन्दु संवाददाता, ऊना। थाना अंब में हरियाणा रोडवेज के एक चालक की शिकायत पर कछुआ ले जा रही महिला के खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस को दी शिकायत में सुधीर कुमार ने बताया कि वह हरियाणा रोडवेज में चालक है। उन्होंने बताया कि शनिवार को वह दिल्ली-बैजनाथ रूट पर बस लेकर जा रहे थे। जब बस गौतम ढाबा अंब के समीप रुकी। इसी दौरान बस से उतरी एक महिला गीता देवी पत्नी (उत्तर प्रदेश) के पास एक डिब्बे में कछुआ पाया गया। चालक ने महिला से कछुए से संबंधित आवश्यक कागजात के बारे में पूछताछ की तो उसने कोई कागजात होने से इंकार कर दिया। महिला ने बताया कि वह उक्त कछुए को धर्मशाला में रहने वाले एक महंत को देने के लिए ले जा रही थी। वहीं इस बारे में डीएसपी अनिल पटियाल ने बताया कि मामले की सूचना मिलने पर पुलिस ने गीता देवी के खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

पंचायत प्रतिनिधि लोकतंत्र की सबसे मजबूत कड़ी गांवों के विकास में निभाएं अग्रणी भूमिका: अनुराग

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। भोरंज में आयोजित पंचायत प्रतिनिधि सम्मान समारोह में हमीरपुर सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने क्षेत्र के नवनिर्वाचित पंचायतीराज संस्थाओं के जनप्रतिनिधियों को सम्मानित किया। समारोह में बड़ी संख्या में नवनिर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों ने भाग लिया व कार्यक्रम में अनुराग ठाकुर समारोह मुख्यातिथि रहे।

इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष राकेश ठाकुर, जिला सह-प्रभारी प्रियव्रत शर्मा, पूर्व विधायक डॉ. अनिल धीमान एवं कमलेश कुमारी, वरिष्ठ नागरिक प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक देवराज, जिला परिषद अध्यक्ष अनीता देवी तथा पूर्व जिला अध्यक्ष एवं प्रदेश कार्यसमिति सदस्य देसराज शर्मा सहित भाजपा के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में पंचायती राज संस्थाओं के नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों को बधाई देते हुए अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि पंचायती राज संस्थाएं भारतीय लोकतंत्र की वह आधारशिला हैं, जहां लोकतंत्र सीधे जनता के द्वार तक पहुंचता है। गांव की सड़क, पेयजल, स्वच्छता, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, युवाओं के लिए अवसर और स्थानीय विकास से जुड़े अधिकांश विषयों का सीधा संबंध पंचायतों से है। इसलिए पंचायत प्रतिनिधियों की भूमिका केवल विकास कार्यों तक सीमित नहीं, बल्कि ग्रामीण समाज को आगे बढ़ाने और लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने में भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि जनता ने नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों को अपना विश्वास और जिम्मेदारी सौंपी है।

यह सम्मान केवल किसी पद या चुनाव में जीत का सम्मान नहीं, बल्कि जनता के विश्वास और जनसेवा के संकल्प का सम्मान है। पंचायत प्रतिनिधियों को चाहिए कि वे दलगत भावना से ऊपर उठकर प्रत्येक गांव और प्रत्येक परिवार के विकास के लिए काम करें तथा समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास योजनाओं का लाभ पहुंचाने में अपनी भूमिका निभाएं। अनुराग ने कहा कि सशक्त पंचायतें ही सशक्त गांव और सशक्त हिमाचल की नींव रखती हैं। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने पंचायतीराज संस्थाओं को मजबूत करने, ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत ढांचा विकसित करने और स्थानीय स्तर पर विकास को गति देने के लिए अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

डिजिटल तकनीक, पारदर्शिता और जनभागीदारी ने पंचायतों के कामकाज को नई दिशा दी है। आज गांवों में विकास की गति पहले से कहीं अधिक तेज हुई है और पंचायत प्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी से इन प्रयासों को और प्रभावी बनाया जा सकता है।

न्यूज ब्रीफ

एग्रीस्टैक योजना के तहत बिलासपुर में किया जा रहा डिजिटल क्रॉप सर्वेक्षण

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। उपनिदेशक कृषि बिलासपुर कुलभूषण धीमान ने बताया कि जिले में एग्रीस्टैक परियोजना के तहत स्टार एग्री बाजार टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से डिजिटल क्रॉप सर्वेक्षण किया जा रहा है। इसका उद्देश्य खेत स्तर पर बोई गई फसलों, फसल क्षेत्र और सिंचाई साधनों की वास्तविक जानकारी डिजिटल माध्यम से एकत्रित करना है। उन्होंने बताया कि सर्वेयर मोबाइल एप के माध्यम से खेतों में जाकर फसलों की जानकारी दर्ज कर रहे हैं, जिससे प्रत्येक कृषि भू-खंड का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार होगा। यह डाटा कृषि क्षेत्र में बेहतर योजना, फसल उत्पादन के आकलन और विभिन्न सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में सहायक होगा। उन्होंने किसानों से सर्वे टीम को आवश्यक सहयोग देने तथा खेतों में बोई गई फसलों की सही जानकारी उपलब्ध करवाने की अपील की। साथ ही उन्होंने बताया कि फार्मर रजिस्ट्री के तहत प्रत्येक कृषक परिवार की विशिष्ट किसान आईडी बनाई जा रही है। किसान पोर्टल के माध्यम से स्वयं पंजीकरण कर सकते हैं या नजदीकी लोकमित्र केंद्र में यह प्रक्रिया पूरी करवा सकते हैं।

मणिमहेश लंगर के लिए कांगड़ा परिवार सेवा दल रवाना

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। कांगड़ा परिवार सेवा दल मणिमहेश यात्रा के दौरान धनछो में 29वें वार्षिक लंगर के आयोजन के लिए रवाना हो गया है। सेवा दल द्वारा हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी श्रद्धालुओं की सेवा के लिए लंगर लगाया जा रहा है। कांगड़ा परिवार सेवा दल के प्रधान मुकेश शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि लंगर के आयोजन में कांगड़ा शहर के साथ-साथ आसपास की पंचायतों-जमानाबाद, समीरपुर, जोगीपुर, शाहपुर, रैत, गगल, 53 मील, कछियारी, चनौर, भाली, नूरपुर सहित कई क्षेत्रों के दानी सज्जनों का भरपूर सहयोग मिल रहा है। उन्होंने बताया कि यह लंगर धनछो में 31 अगस्त से भोलेनाथ की कृपा तक चलेगा। लंगर में श्रद्धालुओं को विशेष रूप से कांगड़ी धाम, चम्बयाली धाम सहित विभिन्न व्यंजनों की निशुल्क सेवा उपलब्ध करवाई जाएगी। इसके अलावा यात्रियों की सुविधा के लिए निशुल्क दवाइयों तथा ठहरने की व्यवस्था भी की जाएगी। लंगर सेवा के लिए मुकेश शर्मा, संजीव शर्मा, अमित सोनू, डिम्पल, विजय, बंटू, सुभाष कोटि, तेलू गगल, श्यामा टेंट, आशु, संदीप कुमार, नीलू भोटी, लक्की, शिवा हार्डवेयर, परिहार तथा एंकर संदीप चौधरी सहित दर्जनों सेवादार सेवा कार्य में जुटे हुए हैं। सेवा दल के सदस्यों ने बताया कि मणिमहेश यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं की सेवा करना उनके लिए सौभाग्य की बात है और सभी सेवादार पूरी श्रद्धा एवं समर्पण के साथ लंगर सेवा में योगदान देंगे।

चार माह बाद भी 400 क्विंटल बीज का भुगतान अटका, 14 लाख के इंतजार में दो किसानों की मौत

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। प्रदेश सरकार के किसानों की आय दोगुनी करने के दावों के बीच बिलासपुर में कृषि विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। विभाग द्वारा अप्रैल-मई में पंजीकृत किसानों से खरीदे गए करीब 400 क्विंटल उन्नत बीज का लगभग 14 लाख भुगतान चार माह बाद भी लंबित है। कृषि विभाग हर वर्ष पंजीकृत किसानों से उच्च गुणवत्ता वाला बीज खरीदकर विक्रय केंद्रों के माध्यम से अन्य किसानों को उपलब्ध करवाता है। इस वर्ष भी करीब 400 क्विंटल बीज खरीदा गया, लेकिन किसानों को अभी तक भुगतान नहीं मिल पाया है। ग्राम पंचायत औहर के प्रधान देशराज शर्मा ने आरोप लगाया कि भुगतान के इंतजार में पंचायत के दो किसानों की मौत हो चुकी है। उन्होंने बताया कि अन्य जिलों में भुगतान हो चुका है, जबकि बिलासपुर के किसानों को बजट की कमी का हवाला दिया जा रहा है। कृषि उपनिदेशक कुलभूषण धीमान ने कहा कि मामला उच्च अधिकारियों के संज्ञान में है। बजट मिलते ही किसानों के खातों में भुगतान कर दिया जाएगा।

कुटलैहड़ के 22 परिवारों को मिली 1.61 लाख की मदद

◆ जरूरतमंद परिवारों की मदद का सिलसिला रहेगा जारी: विधायक विवेक शर्मा

भारतेन्दु संवाददाता, ऊना। कुटलैहड़ विधानसभा क्षेत्र के जोगी पंगा में विधायक विवेक शर्मा ने रविवार को 22 जरूरतमंद परिवारों को कुल 1 लाख 61 हजार 500 रुपए की आर्थिक सहायता के चेक वितरित किए।

इस दौरान विधायक विवेक शर्मा ने कहा कि कुटलैहड़ क्षेत्र की देव तुल्य जनता की सेवा करना उनका प्रमुख संकल्प है और समाज के जरूरत मंद परिवारों को आर्थिक रूप से सहयोग देने का सिलसिला लगातार जारी रहेगा। विधायक विवेक शर्मा ने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के सामने कई बार ऐसी परिस्थितियां पैदा हो जाती हैं, जहां छोटी सी आर्थिक मदद भी उनके लिए बड़ी राहत साबित होती है। इसी उद्देश्य से जरूरतमंद परिवारों को आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाई जा रही है, ताकि वे अपने परिवार का निर्वाहन करने के साथ-साथ अपनी आवश्यक जरूरतों को पूरा कर सकें। उन्होंने कहा कि उनका प्रयास है कि कुटलैहड़ विधानसभा क्षेत्र का कोई भी जरूरतमंद परिवार आर्थिक परेशानी के कारण स्वयं को असहाय महसूस न करे।

विवेक शर्मा ने कहा कि कुटलैहड़ की जनता ने उन्हें जिस विश्वास के साथ अपना प्रतिनिधि चुना है, उस विश्वास पर खरा उतरना उनकी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि राजनीति उनके लिए केवल पद नहीं बल्कि जनता की सेवा का माध्यम है। क्षेत्र के गरीब, असहाय और जरूरतमंद परिवारों की मदद करना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि हमारा संकल्प है कि कुटलैहड़ क्षेत्र के हर जरूरतमंद परिवार तक आर्थिक सहायता पहुंचे, ताकि कोई भी परिवार अपनी मूलभूत जरूरतों को पूरा करने के लिए परेशान न हो। उन्होंने आश्वासन दिया कि जरूरतमंद परिवारों को आर्थिक मदद देने का यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

घुमारवीं में पंचायत प्रधान संघ का गठन देश राज अध्यक्ष, रेखा कुमारी उपाध्यक्ष

भारतेन्दु संवाददाता, घुमारवीं। विकास खंड घुमारवीं के निर्वाचित पंचायत प्रधानों की एक महत्वपूर्ण बैठक अंबेडकर भवन, घुमारवीं में आयोजित की गई। भुलस्वाए पंचायत के प्रधान निक्कू राम की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में पंचायतों के विकास कार्यों में आ रही विभिन्न बाधाओं और समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

पंचायतों की समस्याओं के समाधान तथा प्रधानों के हितों की रक्षा के उद्देश्य से बैठक में सर्वसम्मति से पंचायत प्रधान संघ, विकास खंड घुमारवीं का गठन किया गया। संघ की नई कार्यकारिणी में औहर पंचायत के प्रधान देश राज शर्मा को अध्यक्ष, रेखा कुमारी को उपाध्यक्ष तथा विनय कुमार को महासचिव चुना गया।

बैठक में निर्णय लिया गया कि कार्यकारिणी के शेष पदों को आगामी बैठक में सर्वसम्मति से भरा जाएगा। साथ ही संघ की प्रमुख समस्याओं एवं पंचायतों के विकास कार्यों से संबंधित मांगों का एक विस्तृत ड्राफ्ट तैयार कर सरकार और संबंधित विभागों के समक्ष प्रभावी ढंग से उठाया जाएगा। इस अवसर पर कांशी राम, रीना देवी, मोनिका देवी, रामप्यारी, पुष्पा कुमारी, सदा राम, परमजीत और सुभाष सहित क्षेत्र के कई पंचायत प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

नीट-यूजी में जुड़वां बहनों का कमाल, दोनों ने हासिल की एमबीबीएस सीट

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। जुड़वां बहनों पलक और पायल ने नीट-यूजी परीक्षा में सफलता हासिल कर परिवार और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। दोनों बहनों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए हिमाचल प्रदेश के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस में प्रवेश प्राप्त किया है। पलक को हमीरपुर मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की सीट मिली है, जबकि उनकी जुड़वां बहन पायल ने नाहन मेडिकल कॉलेज में प्रवेश हासिल किया है। दोनों की सफलता से लिटिल एंजल्स विद्यालय में खुशी का माहौल है। विद्यालय प्रबंधन के अनुसार, पलक और पायल शुरू से ही पढ़ाई के प्रति मेहनती और अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रही हैं। दोनों ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता, शिक्षकों और मार्गदर्शकों को दिया। विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं अध्यापक वर्ग ने दोनों छात्राओं और उनके अभिभावकों को बधाई दी।

बाडनू शिव मंदिर में चोरी का आरोपी काबू, 40 हजार की नकदी बरामद

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। पुलिस थाना बरमाणा के तहत महाराज निरंजन अखाड़ा शिव मंदिर, बाडनू में हुई चोरी के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और डिजिटल साक्ष्यों की मदद से महज एक सप्ताह के भीतर आरोपी तक पहुंचने में सफलता हासिल की। आरोपी के कब्जे से चोरी की गई करीब 40 हजार की नकदी भी बरामद कर ली गई है। जानकारी के अनुसार, 21 अगस्त 2026 को बाडनू स्थित शिव मंदिर से लोहे का दानपात्र और उसमें रखी करीब 40 हजार की नकदी चोरी होने की शिकायत पुलिस में दर्ज करवाई गई थी। शिकायत मिलने के बाद बरमाणा पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने मंदिर परिसर और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की पहचान विक्रम सिंह उर्फ विक्कू (28), पुत्र रूपा, निवासी बाडनू, तहसील सदर, जिला बिलासपुर के रूप में हुई। ठोस साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने 28 अगस्त 2026 को विक्रम सिंह को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद 29 अगस्त को आरोपी को बिलासपुर की अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे 31 अगस्त 2026 तक पुलिस हिरासत रिमांड पर भेज दिया गया। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। पुलिस का कहना है कि मामले की आगामी जांच और आवश्यक कानूनी कार्रवाई जारी है।

कोरम के अभाव में बिलासपुर कॉलेज की पीटीए कार्यकारिणी का गठन टला

अब 27 सितंबर को होगा चुनाव

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर में सत्र 2026-27 के लिए अध्यापक-अभिभावक संघ (पीटीए) की नई कार्यकारिणी का गठन कोरम पूरा न होने के कारण स्थगित कर दिया गया, अब नई कार्यकारिणी के गठन के लिए आम सभा 27 सितंबर 2026 को सुबह 11 बजे महाविद्यालय परिसर में आयोजित की जाएगी। रविवार को आयोजित विशेष बैठक की अध्यक्षता वर्तमान पीटीए प्रधान नईम मोहम्मद ने की। बैठक में अभिभावकों की बेहद कम उपस्थिति पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पीएस कटवाल ने चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि मीडिया, महाविद्यालय की वेबसाइट और विद्यार्थियों के व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से बैठक की जानकारी व्यापक स्तर पर दी गई थी, इसके बावजूद अभिभावकों की कम भागीदारी निराशाजनक है। प्राचार्य ने अभिभावकों से आगामी आम सभा में अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की। उन्होंने कहा कि पीटीए विद्यार्थियों के शैक्षणिक एवं सर्वांगीण विकास से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों में सक्रिय भूमिका निभाता है। बैठक में पीटीए उपप्रधान सुरेंद्र पाल, सचिव प्रो. ऋतुराज, कार्यकारिणी सदस्य डॉ. नम्रता पठानिया, डॉ. अश्वनी सहित महाविद्यालय का शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक स्टाफ उपस्थित रहा।

डीसी ने भानुपल्ली-बिलासपुर-बैरी रेल लाइन परियोजना के कार्यों की समीक्षा की

रेल लाइन परियोजना के लंबित कार्यों को समयबद्ध पूरा करने के दिए निर्देश

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। डीसी बिलासपुर राहुल कुमार ने भानुपल्ली-बिलासपुर-बैरी रेल लाइन परियोजना से संबंधित विभिन्न कार्यों की समीक्षा के लिए शुक्रवार को बचत भवन में आयोजित बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में भूमि अधिग्रहण, अधिग्रहित भूमि का कब्जा, प्रभावित परिवारों की समस्याओं, विद्युत एवं जलापूर्ति सुविधाओं, पेड़ों के मूल्यांकन तथा अन्य लंबित मामलों की विस्तृत समीक्षा की गई।

डीसी ने कहा कि किलोमीटर 20 से 52 तक परियोजना के लिए आवश्यक भूमि का अधिग्रहण पूरा कर लिया गया है। इसके अलावा, अदालत में लंबित मामलों का निपटारा होने के बाद संबंधित भूमि का भी अधिग्रहण कर लिया गया है। उन्होंने अधिकारियों को अधिग्रहित भूमि का कब्जा शीघ्र सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में सुरंग संख्या-19 से संबंधित जनसमस्याओं पर भी चर्चा की गई। उपायुक्त ने रेलवे कार्य के लिए स्थापित 11 केवी विद्युत लाइन से प्रभावित परिवारों को शीघ्र मुआवजा देने तथा लंबित मामलों का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने को कहा। अधिग्रहित मकानों के बदले बनाए गए नए घरों में बिजली एवं पेयजल कनेक्शन उपलब्ध करवाने से संबंधित मामलों की समीक्षा करते हुए उन्होंने हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड और जल शक्ति विभाग को इन मामलों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करने के निर्देश दिए। बैठक में किलोमीटर 52 से 60.500 तक भूमि अधिग्रहण की प्रगति की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने वन विभाग को शीघ्र मूल्यांकन रिपोर्ट उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए, ताकि भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया समयबद्ध तरीके से पूरी की जा सके।

उन्होंने सभी संबंधित विभागों और कार्यरत एजेंसियों को परियोजना से जुड़े लंबित मामलों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि रेल लाइन परियोजना के कार्यों में अनावश्यक देरी न हो। बैठक में एसडीएम सदर राज कुमार, श्री नयना देवी जी के एसडीएम धर्मपाल सहित संबंधित विभागों एवं रेलवे के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

राजकीय महाविद्यालय नगरोटा बगवां में हर्षोल्लास से मनाया राष्ट्रीय खेल दिवस

भारतेन्दु संवाददाता, नगरोटा बगवां। राजकीय महाविद्यालय नगरोटा बगवां में महान हॉकी खिलाड़ी व 'हॉकी के जादूगर' मेजर ध्यान चंद की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय खेल दिवस हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर विद्यार्थियों के लिए विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कॉलेज के शारीरिक शिक्षा विभागाध्यक्ष प्रो. ऋषि दिलवारिया के मार्गदर्शन में खो-खो, कबड्डी, वॉलीबाल सहित विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। विद्यार्थियों ने इन प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा खेल भावना, अनुशासन और टीम भावना का परिचय दिया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुरेंद्र कुमार सोनी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल विद्यार्थियों के शारीरिक एवं मानसिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। खेलों के माध्यम से विद्यार्थियों में अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और सहयोग की भावना विकसित होती है। उन्होंने प्रेरणादायक संदेश देते हुए कहा, 'खेलोगे तो खिलोगे।' प्राचार्य ने विद्यार्थियों को नियमित रूप से खेल गतिविधियों में भाग लेने तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने विद्यार्थियों से मेजर ध्यान चंद के जीवन और खेलों के प्रति उनके समर्पण से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। इस अवसर पर प्रो. मिनोद गुलेरिया, डॉ. राजीव, डॉ. मंजीत सिंह, प्रो. कैलाश चंद, प्रो. सुनीता देवी, प्रो. यक्षप शर्मा, श्री ऋषि चौधरी, जतिंद्र सिंह सहित महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों में विशेष उत्साह देखने को मिला।

आयोजन श्रीमद्भागवत कथा में गूंजा गौ संरक्षण का संदेश, ब्रह्मज्ञान से जुड़ने का आह्वान

गौ संरक्षण व संवर्धन हमारी संस्कृति का अभिन्न अंग: साध्वी

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान की ओर से शाहपुर स्थित अभिनंदन मैरिज पैलेस में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के षष्ठम दिवस पर कथा व्यास साध्वी भाग्यश्री भारती जी ने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन एवं उनकी शिक्षाओं का वर्णन किया।

साध्वी भाग्यश्री भारती ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने अपने जीवनकाल में मानव समाज को अनेक शिक्षाएं दीं। उन्होंने कहा कि आज हम भगवान श्रीकृष्ण के भक्त कहलाते हैं, लेकिन हमें यह आत्ममंथन करना चाहिए कि क्या हम उनके सिद्धांतों और शिक्षाओं को अपने जीवन में धारण कर रहे हैं। यदि ऐसा होता तो आज देश में गो माता की स्थिति कहीं बेहतर होती। उन्होंने कहा कि जिस भारत में 'विप्र, धेनु, सुर, संत हित' के लिए भगवान समय-समय पर अवतार लेते हैं, उसी देश में गौ माता की अवहेलना चिंता का विषय है। इसका मुख्य कारण यह है कि हम गौ माता की महत्ता को पूरी तरह समझ नहीं पाए हैं। उन्होंने कहा कि अपनी गौ संस्कृति को जानना आवश्यक है, क्योंकि यह हमारी महान संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है। संस्थान की गतिविधियों की जानकारी देते हुए साध्वी जी ने बताया कि दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान की ओर से गौ संरक्षण एवं संवर्धन के लिए 'कामधेनु' नामक सामाजिक प्रकल्प चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत विभिन्न गौशालाओं में देशी नस्ल की गायों के संरक्षण, संवर्धन एवं नस्ल सुधार के लिए कार्य किया जा रहा है। कंस वध प्रसंग का वर्णन करते हुए उन्होंने कहा कि द्वापर युग में भगवान श्रीकृष्ण ने कंस का वध किया था, लेकिन आज मनुष्य के भीतर काम, क्रोध, लोभ और मोह जैसे विकार ही कंस का रूप धारण कर चुके हैं।

उन्होंने कहा कि इन विकारों से मुक्ति के लिए भगवान श्रीकृष्ण जैसे गुरु की आवश्यकता है, जो ब्रह्मज्ञान के माध्यम से मनुष्य के भीतर धर्म की स्थापना कर सकें। उन्होंने कहा कि धर्म शब्द संस्कृत की 'धृ' धातु से बना है, जिसका अर्थ है—धारण करना, जब मनुष्य ईश्वर को ब्रह्मज्ञान के माध्यम से अपने अंतःकरण में धारण करेगा, तो समाज में शांति और आनंद की लहर स्वतः उत्पन्न होगी। उन्होंने लोगों से ब्रह्मज्ञान से जुड़ने का आह्वान किया। कथा के दौरान यजमान पूजन व ज्योति प्रज्वलन की रस्म भी निभाई गई। इस अवसर पर सांसद कांगड़ा-चंबा राजीव भारद्वाज, पूर्व कैबिनेट मंत्री सरवीन चौधरी, रवि दत्त शर्मा, नवनीत शर्मा, वीपी शर्मा, राकेश चौहान, राजीव पटियाल, मोनी बाला, देवेंद्र कोहली, जीएस पठानिया और राकेश कथूरिया ने ज्योति प्रज्वलित की। इसके बाद श्रद्धालुओं ने आरती में भाग लिया और प्रसाद ग्रहण किया।

प्रदेश में 9500 कर्मचारियों को नहीं मिला ओपीएस, बीएमएस ने सरकार से मांगा हक

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में करीब 9500 कर्मचारी अब भी पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) के लाभ से वंचित हैं।

भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) ने प्रदेश सरकार से इन कर्मचारियों को बिना शर्त ओपीएस का लाभ देने की मांग की है। बीएमएस के प्रदेश महामंत्री यशपाल हेटा ने रविवार को शिमला में जारी बयान में यह मांग उठाई। हेटा के अनुसार प्रदेश सरकार ने विधानसभा में सभी विभागों में ओपीएस लागू होने की बात कही है, लेकिन सरकार के आंकड़ों में 1,86,436 कर्मचारियों में से 1,17,521 कर्मचारियों को ही ओपीएस का लाभ मिलने की बात सामने आई है। बीएमएस का कहना है कि ऐसे में करीब 9500 कर्मचारी अभी भी ओपीएस के लाभ से बाहर हैं और पिछले 42 महीने से इसका इंतजार कर रहे हैं। बीएमएस के मुताबिक ओपीएस से वंचित कर्मचारियों में बिजली बोर्ड के करीब 6100, शहरी निकायों के करीब 1300 और पंचायतीराज संस्थाओं के करीब 2100 कर्मचारी शामिल हैं। संघ का कहना है कि ये कर्मचारी बिजली व्यवस्था, शहरों की सफाई और विकास तथा गांवों में सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन जैसे महत्वपूर्ण काम करते हैं। हेटा ने कहा कि ओपीएस से वंचित कर्मचारियों की एनपीएस के तहत कटौती अब भी हो रही है और उनके जीपीएफ खाते भी नहीं खोले गए हैं।

बीएमएस ने मांग की है कि इन कर्मचारियों की एनपीएस कटौती तुरंत बंद की जाए, जीपीएफ खाते खोले जाएं और एनपीएस में जमा राशि को जीपीएफ में स्थानांतरित किया जाए। बीएमएस ने बोर्डों और निगमों समेत अन्य संस्थाओं को ओपीएस से बाहर रखने के लिए दिए जा रहे 'स्वतंत्र निकाय' के तर्क पर भी सवाल उठाया है। हेटा के अनुसार इन संस्थाओं में चेयरमैन, प्रबंध निदेशक और आईएएस अधिकारियों की नियुक्ति सरकार करती है। ऐसे में कर्मचारियों को ओपीएस देने के समय इन्हें अलग श्रेणी में रखना उचित नहीं है।

खूबसूरत गोल्फर केटलिन वाहाकोको

केटलिन वाहाकोको न्यूजीलैंड की प्रतिभाशाली रग्बी खिलाड़ी हैं। उन्होंने अपने शानदार खेल, तेज गति और मजबूत प्रदर्शन से महिला रग्बी में पहचान बनाई है। मैदान पर उनका आक्रामक अंदाज और टीम के लिए योगदान उन्हें एक प्रभावशाली खिलाड़ी बनाता है। उनकी मेहनत युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणादायक है।

श्रीलंका से छिनी पहली महिला चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी

आईसीसी ने लगाया सरकारी दखल का आरोप, अब दूसरे देश में होगा टूर्नामेंट

एजेंसी, कोलंबो/दुबई

2027 में होने वाली पहली महिला चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी श्रीलंका से छिन गई है। आईसीसी ने श्रीलंका क्रिकेट में सरकारी दखल को लेकर आपत्ति जताई है। अब 14 से 28 फरवरी तक होने वाला छह टीमों का टूर्नामेंट किसी दूसरे देश में खेला जाएगा। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड का कामकाज फिलहाल सरकार की बनाई ट्रांसफॉर्मेशन कमेटी देख रही है। आईसीसी के नियमों के मुताबिक सदस्य बोर्ड को सरकार के हस्तक्षेप के बिना स्वतंत्र रूप से काम करना होता है।

महिला चैंपियंस ट्रॉफी 14 से 28 फरवरी 2027 तक टी-20 फॉर्मेट में खेला जाना है। इसमें 6 टीमें हिस्सा लेंगी। मेजबान होने के कारण श्रीलंका को सीधे टूर्नामेंट में जगह मिलनी थी। अब मेजबान बदलने के बाद उसकी भागीदारी पर भी सवाल खड़ा हो गया है। श्रीलंका फिलहाल महिला वनडे रैंकिंग में छठे स्थान पर है। आईसीसी ने नई क्वालिफिकेशन व्यवस्था अभी स्पष्ट नहीं की है।

आईसीसी ने एसएलसी को 2023 में भी किया था निलंबित

सरकारी दखल को लेकर श्रीलंका पहले भी आईसीसी की कार्रवाई झेल चुका है। 2023 में आईसीसी ने एसएलसी को निलंबित कर दिया था। इसके बाद 2024 मेंस अंडर-19 वर्ल्ड कप की मेजबानी भी श्रीलंका से छीनकर साउथ अफ्रीका को दे दी गई थी। अप्रैल 2026 में श्रीलंका सरकार ने बोर्ड का कामकाज अस्थायी तौर पर ट्रांसफॉर्मेशन कमेटी को सौंपा था। आईसीसी तब से निर्वाचित बोर्ड की बहाली और जल्द चुनाव कराने पर जोर दे रहा है।

आईसीसी बोर्ड बैठक में शामिल नहीं हो रहे श्रीलंकाई प्रतिनिधि

श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड की ट्रांसफॉर्मेशन कमेटी के सचिव प्रकाश शाफ्टर ने मेजबानी हटाए जाने की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि टूर्नामेंट श्रीलंका से बाहर होगा, लेकिन नए मेजबान का फैसला अभी नहीं हुआ है। आईसीसी श्रीलंका में जल्द चुनाव कराने और निर्वाचित क्रिकेट बोर्ड बहाल करने की मांग कर रहा है। ट्रांसफॉर्मेशन कमेटी के प्रतिनिधियों को आईसीसी बोर्ड की बैठकों में शामिल होने की अनुमति भी नहीं है।

मेस्सी के चार गोल से इंटर मियामी ने सीएफ मॉन्ट्रियल को 7-1 से रौंदा

एजेंसी, मियामी

दिग्गज लियोनेल मेस्सी ने मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) में पहली बार एक मैच में चार गोल दागे, जिससे इंटर मियामी ने शनिवार को सीएफ मॉन्ट्रियल को 7-1 से करारी शिकस्त दी। मेस्सी ने इस दौरान दूसरे हाफ में तीन गोल किये और एक गोल में मदद की।

इंटर मियामी ने 20वें मिनट में तेलास्को सेगोविया के कॉर्नर पर कार्लोस कासेमिरो के हेडर की मदद से बढ़त बनाई लेकिन मॉन्ट्रियल ने 37वें मिनट में फैबियन हर्बर्स के गोल से स्कोर 1-1 कर दिया। इसके बाद मेस्सी ने अपना कमाल दिखाना शुरू किया। उन्होंने 40वें मिनट में फ्री-किक पर गोल करके इंटर मियामी को 2-1 से आगे कर दिया। यह मौजूदा सत्र में उनका 15वां गोल था।

दूसरे हाफ में मेस्सी ने 52वें मिनट में एक और गोल कर टीम की बढ़त 3-1 कर दी। इसके बाद 80वें मिनट में मेस्सी की मदद से लुइस सुआरेज ने गोल दागकर स्कोर 4-1 कर दिया। मेस्सी ने 83वें मिनट में अपना तीसरा गोल करके स्कोर 5-1 कर दिया। 89वें मिनट में 18 वर्षीय रूकी अलेक्जेंडर शॉ ने अपना पहला गोल करते हुए इंटर मियामी की बढ़त 6-1 कर दी। इंजरी टाइम के छठे मिनट में मेस्सी ने फ्री-किक पर अपना चौथा गोल दागकर टीम को 7-1 की शानदार जीत दिलाई।

न्यूज शॉर्ट्स

सिनसिनाटी में जल्दी हार से यूएस ओपन की तैयारी बेहतर होने की उम्मीद : जोकोविच

एजेंसी, न्यूयॉर्क। नोवाक जोकोविच को किसी टूर्नामेंट में जल्दी बाहर होना भले ही पसंद नहीं हो, लेकिन इस बार वह सिनसिनाटी ओपन में शुरुआती हार को सकारात्मक रूप में देख रहे हैं। इस 39 वर्षीय दिग्गज ने कहा कि सिनसिनाटी में पहले ही दौर में बाहर होने से उन्हें यूएस ओपन की तैयारी के लिए करीब दो सप्ताह का अतिरिक्त समय मिला। चौबीस ग्रैंड स्लैम खिताब के रिकॉर्डधारी जोकोविच रविवार रात आर्थर ऐश स्टेडियम में 48वीं रैंकिंग वाले मारियानो नाओने के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगे। चौथी वरीयता प्राप्त जोकोविच की नजर रिकॉर्ड 25वें ग्रैंड स्लैम और पांचवें यूएस ओपन खिताब पर है। उन्होंने हालांकि नाओने को हल्के में लेने से इनकार किया। जोकोविच ने कहा, ' देखते हैं मुकाबला कैसा रहता है। पिछले कुछ वर्षों में मेरे लिए शुरुआती मुकाबले काफी चुनौतीपूर्ण रहे हैं। उम्मीद है कि मैं पहली बाधा पार कर आगे लय हासिल कर सकूंगा।' जोकोविच ने इस साल अब तक केवल 16 टूर्नामेंटों में हिस्सा लिया है, जो एटीपी रैंकिंग में शीर्ष 95 खिलाड़ियों में सबसे कम है।

गोल्फर प्रणवी उर्स आयरिश ओपन में संयुक्त 15वें स्थान पर खिसकी

एजेंसी, किल्डारे। भारतीय गोल्फर प्रणवी उर्स आयरिश ओपन के तीसरे दौर में दो अंडर 70 का कार्ड खेलने के बावजूद संयुक्त 15वें स्थान पर खिसक गईं। मैसूर की इस खिलाड़ी ने अब तक तीनों दौर में पार से कम का स्कोर बनाया है। उनका कुल स्कोर सात अंडर है और एक दौर का खेल बाकी है। प्रणवी इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाली चार भारतीय खिलाड़ियों में कट में जगह बनाने वाली एकमात्र खिलाड़ी हैं। उन्होंने दूसरे और तीसरे होल में लगातार बर्डी के साथ अच्छी शुरुआत की, लेकिन अगले दो होल में दोनों शॉट गंवा दिए। इसके बाद उन्होंने सातवें और 10वें होल में बर्डी लगाई और आखिरी आठ होल में लगातार पार स्कोर करते हुए अपना दौर 70 पर समाप्त किया। इससे पहले दीक्षा डागर, त्वेसा मलिक और अवनि प्रशांत कट में जगह बनाने में नाकाम रही थीं। दक्षिण अफ्रीका की कैसांद्रा अलेक्जेंडर ने तीसरे दौर के बाद तीन शॉट की बढ़त बना ली है।

इंग्लिश प्रीमियर लीग में टॉटेनहम को सत्र की पहली जीत का इंतजार

एजेंसी, लंदन। टॉटेनहम हॉटस्पर का करीब 400 मिलियन डॉलर खर्च करने के बावजूद इंग्लिश प्रीमियर लीग में खराब प्रदर्शन जारी है जहां टीम को शनिवार को घरेलू मैदान पर न्यूकैसल के हाथों 0-2 से हार का सामना करना पड़ा। टॉटेनहम की यह लगातार दूसरी हार है और इन दोनों मैचों में टीम एक भी गोल नहीं कर सकी है। न्यूकैसल ने दूसरे हाफ में दोनों गोल दागकर मुकाबला अपने नाम किया। एंथनी एलांगा ने 62वें मिनट में मैच का पहला गोल किये। इसके 10 मिनट बाद योआने विसा ने न्यूकैसल की बढ़त 2-0 कर दी। टॉटेनहम के कई नए खिलाड़ी मैदान पर उतरे, लेकिन वे टीम को गोल दिलाने में नाकाम रहे। लिवरपूल ने आखिरी समय में गोल के बूते एनफील्ड में नॉटिंघम फॉरेस्ट को 2-2 से बराबरी पर रोका। विक्टर मुनोज ने 82वें मिनट में गोल करके लिवरपूल को 2-2 की बराबरी दिलाई। डैन एनडोये ने पहले हाफ में गोल करके फॉरेस्ट को बढ़त दिलाई, लेकिन 60वें मिनट में एलेक्जेंडर इसाक ने लिवरपूल के लिए बराबरी का गोल कर दिया।

यूपी टी20 लीग: कानपुर ने नोएडा को आठ विकेट से दी शिकस्त

एजेंसी, कानपुर। कानपुर सुपरस्टार्स ने समीर रिजवी की तूफानी बल्लेबाजी के दम पर यूपी टी20 लीग 2026 के 25वें मुकाबले में नोएडा किंग्स को आठ विकेट से हरा दिया। कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में शनिवार को खेले गए मुकाबले में रिजवी ने महज 39 गेंदों पर नाबाद 91 रन की विस्फोटक पारी खेलकर कानपुर को शानदार जीत दिलाई। इस जीत के साथ कानपुर की प्लेऑफ की उम्मीदें भी मजबूत बनी हुई हैं, जबकि नोएडा किंग्स को लगातार दूसरी हार का सामना करना पड़ा। प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए रिजवी ने अपनी पारी में 11 चौके और पांच छक्के लगाए। उनके साथ अभिषेक पांडे ने भी नाबाद 30 रन की पारी खेली। दोनों की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत कानपुर ने 129 रन के लक्ष्य को महज 10.4 ओवर में दो विकेट खोकर हासिल कर लिया। भारी बारिश के कारण मुकाबला देर से शुरू हुआ, जिसके बाद ग्रीन पार्क के ग्राउंड स्टाफ ने शानदार काम करते हुए मैच को 12-12 ओवर का कर दिया। नोएडा किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए शुरुआती ओवरों में तेज शुरुआत की। शोएब सिद्दीकी ने 10 गेंदों पर 20 और माधव कौशिक ने महज 11 गेंदों पर 31 रन बनाकर टीम को 2.2 ओवर में 45/0 तक पहुंचा दिया।

पूनिया के तूफानी शतक से साउथ दिल्ली की ईस्ट पर बड़ी जीत

पूनिया ने महज 66 गेंदों पर बनाए 117 रन

एजेंसी, नई दिल्ली

साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज ने महिला दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) में शानदार प्रदर्शन करते हुए ईस्ट दिल्ली राइडर्स को 70 रन से हरा दिया। अरुण जेटली स्टेडियम में शनिवार रात खेले गए मुकाबले में साउथ दिल्ली की जीत की सबसे बड़ी नायिका सलामी बल्लेबाज प्रिया पूनिया रहीं, जिन्होंने शानदार शतक जड़कर अपनी टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया।

प्रिया पूनिया ने महज 66 गेंदों पर 117 रन की विस्फोटक पारी खेली। उनकी इस पारी में 13 चौके और छह छक्के शामिल रहे। पूनिया ने पारी की शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया और ईस्ट दिल्ली के गेंदबाजों पर लगातार दबाव बनाए रखा। उन्होंने मैदान के चारों ओर शानदार शॉट लगाए और नियमित अंतराल पर बाउंड्री हासिल करते हुए रन गति को तेज बनाए रखा। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी से दूसरे छोर पर मौजूद बल्लेबाजों को भी खुलकर खेलने का मौका मिला। पूनिया की शानदार पारी के दम पर साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 180 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया और ईस्ट दिल्ली राइडर्स के सामने चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखा। 181 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ईस्ट दिल्ली राइडर्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही। साउथ दिल्ली के गेंदबाजों ने नियमित अंतराल पर विकेट चटकाकर राइडर्स को दबाव में रखा।

इससे 14वें ओवर तक ईस्ट दिल्ली की टीम ने 61 रन तक पांच विकेट खो दिये। लगातार विकेट गिरने के कारण ईस्ट दिल्ली के बल्लेबाज बड़ी साझेदारियां नहीं बना सके। आखिरकार ईस्ट दिल्ली राइडर्स की टीम 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 110 रन ही बना सकी और उसे 70 रन से हार का सामना करना पड़ा।

पुखराज गिल संयुक्त 19वें स्थान के साथ एशियाई टूर कार्ड के करीब पहुंचे

एजेंसी, जकार्ता। भारतीय गोल्फर पुखराज सिंह गिल ने 'एशियन डेवलपमेंट टूर (एडीटी)' के 'सिपुत्रा गोल्फप्रेन्योर टूर्नामेंट' में संयुक्त 19वें स्थान पर रहते हुए 2027 के एशियाई टूर कार्ड हासिल करने की अपनी उम्मीद मजबूत कर ली है। आईजीपीएल (इंडियन गोल्फ प्रीमियर लीग) टूर के ऑर्डर ऑफ मेरिट विजेता गिल अब एडीटी 'ऑर्डर ऑफ मेरिट (सत्र की समग्र तालिका)' में नौवें स्थान पर हैं। सत्र में अब केवल एक टूर्नामेंट बाकी है और शीर्ष 10 खिलाड़ियों को अगले साल के एशियाई टूर के कार्ड मिलेंगे।

गिल ने रविवार को चौथे दौर में 69 का कार्ड खेला किया और कुल 15 अंडर पार के स्कोर के साथ टूर्नामेंट खत्म किया। उन्होंने इससे पहले तीन दौर में 70, 66 और 68 का स्कोर किया था। पिछले साल आईजीपीएल के एक अन्य खिलाड़ी करनदीप कोचर ने भी इसी रास्ते से एशियन टूर कार्ड हासिल किया था और वह अब एशियाई टूर पर खेल रहे हैं। गिल के अलावा भारत के खलीन जोशी संयुक्त 10वें स्थान पर रहे। उन्होंने 66, 68, 69 और 67 का स्कोर किया। अमन राज 67, 69, 70 और 73 के स्कोर के साथ संयुक्त 37वें, जबकि कार्तिक सिंह 72, 70, 66 और 69 के स्कोर के साथ संयुक्त 32वें स्थान पर रहे। एन. अर्जुन प्रसाद और सार्थक चिब्बर कट में जगह नहीं बना सके।

फेडरर 'हॉल ऑफ फेम' में शामिल

भावुक हुए, भाषण के दौरान कई बार छलके आंसू

एजेंसी, न्यूपोर्ट

महान टेनिस खिलाड़ी रोजर फेडरर शनिवार को इंटरनेशनल टेनिस 'हॉल ऑफ फेम' में शामिल किए जाने के दौरान भावुक हो गए। बीस ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतने वाले फेडरर अपने करीब 30 मिनट के भाषण के दौरान कई बार रो पड़े। पत्नी मिर्का का जिक्र करते हुए तो उनके आंसू थमने का नाम ही नहीं ले रहे थे। मिर्का के स्वागत-परिचय भाषण के बाद फेडरर को मंच पर बुलाया गया। उन्होंने मजाक करते हुए कहा कि उन्हें इस समय रूमाल और धूप के चश्मे की जरूरत है, लेकिन आंसुओं को रोकना उनके लिए मुश्किल हो रहा था।

पैंतालिस वर्षीय फेडरर ने मंच पर आते ही कहा, 'यह बहुत ऊंचे स्तर का है और इसके बाद बोलना आसान नहीं होगा।' इसके बाद उन्होंने मजाकिया अंदाज में पत्नी मिर्का से कहा, 'पता नहीं, आपने चुपके से इसकी तैयारी तो नहीं की थी?' फेडरर ने इस दौरान अपने बचपन के आदर्श स्टीफन एडबर्ग और लंबे समय तक उनके कोच रहे सेवेरिन लुथी को याद किया।'

'स्विस मैस्ट्रो' के नाम से मशहूर फेडरर ने अपने शानदार करियर में आठ विंबलडन, छह ऑस्ट्रेलियन ओपन और एक फ्रेंच ओपन खिताब जीता। वह लगातार 237 सप्ताह तक एटीपी रैंकिंग में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी रहे। वह करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले केवल आठ पुरुष खिलाड़ियों में शामिल हैं। उन्होंने 2004 से 2008 तक लगातार पांच यूएस ओपन खिताब जीते और 10 लगातार ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचे, जिनमें से आठ में उन्होंने जीत हासिल की।

फेडरर 'हॉल ऑफ फेम' में शामिल होने वाले 272वें सदस्य बने। उन्होंने कहा, ''टेनिस के इतिहास में खुद को इस स्थान पर देखना मेरे लिए बेहद खास है। इस खेल की समृद्ध विरासत का हिस्सा बनना मेरे लिए बहुत मायने रखता है।' फेडरर के साथ पूर्व खिलाड़ी और प्रसारक मैरी कैरिलो को भी 'हॉल ऑफ फेम' में शामिल किया गया। 'हॉल ऑफ फेम' में पहले से शामिल बिली जीन किंग ने उनका परिचय दिया। कैरिलो ने कहा, 'हॉल ऑफ फेम' के इन दिग्गजों के बीच खड़े होकर सम्मानित होना मेरे सपने से भी बढ़कर है।'

नेपाल हैंडबॉल चैंपियनशिप में खेलेंगे हिमाचल प्रदेश के तीन खिलाड़ी

एजेंसी, नई दिल्ली

नेपाल के पोखरा में आयोजित होने वाली हैंडबॉल चैंपियनशिप में हिमाचल प्रदेश के तीन राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी भाग लेंगे। तीनों खिलाड़ी 1 सितंबर को नेपाल के लिए रवाना होंगे। हिमाचल प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों में आयुष निवासी बिलासपुर, नितेश कुमार निवासी सिरमौर और तनिष धीमान निवासी कुल्लू शामिल हैं। तीनों खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में हिमाचल का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं और अब अंतरराष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता में प्रदेश का नाम रोशन करने के लिए तैयार हैं।

आयुष और नितेश कुमार वर्तमान में युवा सेवा एवं खेल विभाग के राज्य खेल छात्रावास बिलासपुर में रहकर हैंडबॉल का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं, वहीं, तनिष धीमान भी पूर्व में राज्य खेल छात्रावास बिलासपुर के खिलाड़ी रहे हैं और वर्तमान में एमएलएसएम कॉलेज में बीपीई के विद्यार्थी हैं।

अंतरराष्ट्रीय हैंडबॉल प्रशिक्षक मनोज ठाकुर ने कहा कि तीनों खिलाड़ियों का नेपाल में होने वाली चैंपियनशिप के लिए चयन हिमाचल प्रदेश के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि इस बात का भी प्रमाण है कि प्रदेश सरकार द्वारा खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए खोले गए राज्य खेल छात्रावास और युवा सेवा एवं खेल विभाग द्वारा उपलब्ध करवाई जा रही प्रशिक्षण सुविधाओं से प्रदेश की प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का बेहतर मंच मिल रहा है। उन्होंने खिलाड़ियों को सुविधाएं और प्रशिक्षण उपलब्ध करवाने के लिए प्रदेश सरकार तथा युवा सेवा एवं खेल विभाग का आभार व्यक्त किया। इस उपलब्धि पर श्याम लाल कौंडल, हमीद खान, स्नेह लता, राज कुमार राणा, रफीक अहमद, चंदन ठाकुर, वसीम खान, गौरव चौधरी, विकास राणा सहित खेल विभाग के कर्मचारियों और खिलाड़ियों ने तीनों खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी हैं।

सुभाष चंद्रा मामले में एनसीएलटी के आदेश को चुनौती देंगे केनरा बैंक और यूनियन बैंक

एजेंसी, नई दिल्ली

एस्सेल समूह के चेयरमैन सुभाष चंद्रा से जुड़े मामले में राष्ट्रीय कंपनी विधि अधिकरण के आदेश को केनरा बैंक, यूनियन बैंक और एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस चुनौती देने की तैयारी में हैं। तीनों ऋणदाताओं ने अलग-अलग बयान जारी कर बताया कि उन्होंने सुभाष चंद्रा के 6.25 करोड़ रुपये के पुनर्भुगतान प्रस्ताव का विरोध किया था, लेकिन निजी ऋणदाताओं के समर्थन से यह प्रस्ताव स्वीकृत हो गया। अब तीनों संस्थाएं इस आदेश के खिलाफ राष्ट्रीय कंपनी विधि अपील अधिकरण में तत्काल अपील करेंगी।

22,006 करोड़ के दावों के बीच सुभाष चंद्रा मामले में बढ़ा विवाद

मामले में ऋणदाताओं की ओर से सुभाष चंद्रा के खिलाफ कुल 22,006.57 करोड़ रुपये के दावे किए गए थे। इन दावों में एक ओर उनके द्वारा व्यक्तिगत रूप से लिए गए ऋण शामिल थे, जबकि दूसरी ओर कंपनियों द्वारा लिए गए कर्ज में उनकी निजी गारंटी से जुड़े मामले भी शामिल थे। व्यक्तिगत ऋण से जुड़े मामलों में सुभाष चंद्रा ने 6.25 करोड़ रुपये के पुनर्भुगतान का प्रस्ताव रखा था।

केनरा बैंक के अनुसार ऋणदाताओं की समिति में निजी संस्थानों के पास 80.81 प्रतिशत मतदान अधिकार थे। इसी बहुमत के आधार पर प्रस्ताव को मंजूरी मिली। सरकारी क्षेत्र के तीनों ऋणदाताओं का कहना है कि उन्होंने इस प्रस्ताव के खिलाफ मतदान किया था। एनसीएलटी के आदेश के बाद इस फैसले को लेकर वित्तीय और कानूनी स्तर पर सवाल उठाए जा रहे हैं।

मामले में एक प्रमुख विवाद यह भी है कि निजी ऋणदाताओं में कुछ कंपनियों के सुभाष चंद्रा से सीधे जुड़े होने की बात कही जा रही है। ऐसे में सवाल उठाया जा रहा है कि क्या इन संस्थाओं को समाधान प्रस्ताव पर मतदान करने का अधिकार दिया जाना चाहिए था। इसी मुद्दे को लेकर अब एनसीएलएटी में चुनौती दिए जाने की संभावना है। तीनों ऋणदाताओं की अपील के बाद मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया महत्वपूर्ण होगी।

उत्पादन राजस्थान के मंगला, भाग्यम और ऐश्वर्या क्षेत्रों में तेल उत्पादन बढ़ाने की तैयारी

वेदांता राजस्थान में करेगी 1908 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली

देश में घरेलू कच्चे तेल का उत्पादन बढ़ाने और आयात पर निर्भरता कम करने की दिशा में वेदांता ने राजस्थान के तेल क्षेत्रों में बड़ा निवेश करने की योजना बनाई है। वेदांता ऑयल एंड गैस लिमिटेड वित्त वर्ष 2027 तक उत्तरी राजस्थान में करीब 200 मिलियन डॉलर यानी लगभग 1908 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। कंपनी का मुख्य उद्देश्य तेल की बेहतर रिकवरी, उत्पादन क्षमता में सुधार और उपलब्ध संसाधनों को भंडार में बदलने की प्रक्रिया को तेज करना है। राजस्थान के बाड़मेर स्थित मंगला तेल क्षेत्र को इस योजना में महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। कंपनी की सहायक इकाई केयर्न द्वारा खोजे गए इस क्षेत्र में पहली बार तेल उत्पादन शुरू हुए 17 वर्ष पूरे हो चुके हैं।

मंगला क्षेत्र देश के प्रमुख तटवर्ती तेल क्षेत्रों में शामिल है और घरेलू कच्चे तेल उत्पादन में महत्वपूर्ण योगदान देता है। कंपनी का लक्ष्य मंगला क्षेत्र में तेल की रिकवरी दर को मौजूदा स्तर से काफी बढ़ाना है। राजस्थान में मंगला, भाग्यम और ऐश्वर्या तेल क्षेत्रों को मिलाकर लगभग 570 मिलियन बैरल तेल समकक्ष का संभावित भंडार होने का अनुमान है। इन क्षेत्रों में उत्पादन बढ़ने से घरेलू स्तर पर कच्चे तेल की उपलब्धता बढ़ सकती है और आयात पर निर्भरता कम करने में मदद मिल सकती है।

आयात निर्भरता घटाने में मिलेगी सहायता

देश की ऊर्जा जरूरतों को देखते हुए राजस्थान का तेल उत्पादन क्षेत्र रणनीतिक महत्व रखता है। भारत अपनी कुल कच्चे तेल की जरूरत का बड़ा हिस्सा विदेशों से पूरा करता है। ऐसे में घरेलू उत्पादन में होने वाली प्रत्येक वृद्धि आयात बिल को कम करने में योगदान दे सकती है। हालांकि घरेलू उत्पादन अकेले आयात निर्भरता को समाप्त नहीं कर सकता, लेकिन उत्पादन बढ़ाने की दिशा में ऐसे निवेश महत्वपूर्ण हैं। वेदांता की प्रस्तावित परियोजना से राजस्थान के तेल संसाधनों का अधिक प्रभावी इस्तेमाल होने की संभावना है।

मंगला क्षेत्र में उत्पादन के 17 वर्ष पूरे होना भी कंपनी के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। इतने लंबे समय से लगातार उत्पादन इस क्षेत्र की क्षमता और औद्योगिक महत्व को दर्शाता है। आने वाले समय में नई तकनीक और अतिरिक्त निवेश के माध्यम से कंपनी पुराने क्षेत्रों से अधिक तेल निकालने पर ध्यान दे सकती है। बेहतर रिकवरी का अर्थ है कि पहले से खोजे गए तेल संसाधनों का अधिक हिस्सा उत्पादन में लाया जा सके।

वेदांता का यह निवेश राजस्थान के लिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि तेल और गैस क्षेत्र से जुड़े उद्योगों के विस्तार से परिवहन, सेवाओं, निर्माण और अन्य सहायक क्षेत्रों में गतिविधियां बढ़ सकती हैं। राज्य को राजस्व के साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार और व्यावसायिक अवसरों का लाभ मिल सकता है।

भारत के डीएनए में एकता और विविधता : भागवत

एजेंसी, न्यूयॉर्क। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने न्यूयॉर्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन में शनिवार रात करीब 42 मिनट स्पीच दी। उन्होंने कहा कि एकता और विविधता भारत के डीएनए में है। लोग अलग दिखते हैं, उनके रहने के तरीके हैं, लेकिन सभी के बीच एक जन्मजात जुड़ाव है। भागवत ने कहा- विविधता में एकता भारत की पारंपरिक सोच है और देश समय-समय पर पूरी दुनिया को इसका एहसास कराता रहा है। उन्होंने आगे कहा- सोचने की क्षमता इंसान के लिए एक वरदान है। सही सोच इंसान को भगवान के करीब ले जाती है, जबकि गलत सोच उसे जानवरों के करीब ले जाती है। न्यूयॉर्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन में आयोजित 'यूनिवर्सल वननेस सेलिब्रेशन' कार्यक्रम में 5,000 से ज्यादा भारतीय मूल के अमेरिकी शामिल हुए। इसका आयोजन अमेरिकन हिंदूज फॉर एंगेजमेंट एंड डायलॉग ने किया। कार्यक्रम में 30 देशों के 180 धार्मिक नेता पहुंचे थे।